एचडीएफसी बैंक के चेयरमैन का इस्तीफा कमान मिस्त्री को - 10

एलपीजी की बुकिंग सामान्य की ओर लेकिन स्थिति अब भी चिंताजनक - 10

ऊर्जा उत्पादन अब राष्ट्रीय सुरक्षा का मामला - 11

रोहित और विराट की तरह संजू की जगह कोई नहीं ले सकता : रियान पराग - 12

आज का मौसम

23.0° अधिकतम तापमान

16.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.17

सूर्यास्त 06.23

अमृत विचार

लखनऊ

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

चैत्र कृष्ण पक्ष द्वितीया 02:31 उपरांत तृतीया विक्रम संवत 2083

शुक्रवार, 20 मार्च 2026, वर्ष 36, अंक 42, पृष्ठ 12+4 ■ मूल्य 6 रुपये

पश्चिम एशिया जंग हुई और भीषण, यूएई-कतर के तेल और गैस संयंत्र पर ईरानी वार से चौतरफा मचा हाहाकार

कच्चा तेल उबला, औंधे मुंह बाजार

22 महीने की सबसे बड़ी गिरावट, क्रूड ऑयल की कीमत फिर से 116 डॉलर प्रति बैरल पहुंची

मुंबई, एजेंसी

पश्चिम एशिया में तेल एवं गैस संयंत्रों पर हमलों के कारण गुरुवार को कच्चे तेल के दाम में भारी उछाल आया। इस कारण स्थानीय शेयर बाजार में गुरुवार को तेज गिरावट आई और प्रमुख सूचकांक सवा तीन प्रतिशत से ज्यादा टूट गए। बीएसई सेंसेक्स ने 2,497 अंक का गोता लगा गया, जबकि एनएसई निफ्टी 775 अंक लुढ़क गया। इसके साथ बाजार में पिछले तीन दिन से जारी तेजी पर विराम लगा। भारी गिरावट से निवेशकों को 12.87 लाख करोड़ का नुकसान हुआ। पश्चिम एशिया संकट 28 फरवरी को शुरू होने के बाद से निवेशकों को 37 लाख करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हो चुका है।

पश्चिम एशिया में तेल एवं गैस संयंत्रों पर हमलों के बाद कच्चे तेल के दाम में उछाल आने से निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई है। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 2,497 अंक यानी 3.26% का गोता लगाकर 74,207.24 अंक पर बंद हुआ। जून, 2024 के बाद सेंसेक्स में एक दिन में यह सबसे बड़ी गिरावट है। कारोबार के दौरान, यह 2,753.18 अंक टूटकर 73,950.95 अंक पर आ गया था। पचास शेयरों पर आधारित निफ्टी भी 775.65 अंक यानी 3.26% टूटकर 23,002.15 अंक पर बंद हुआ। इससे पहले, पिछले तीन कारोबारी सत्रों में सेंसेक्स 2,140 अंक चढ़ा था जबकि निफ्टी में 626 अंक की तेजी रही थी। एचडीएफसी बैंक के चेयरमैन अतनु चक्रवर्ती के इस्तीफे के बाद बैंक का शेयर 5.13 प्रतिशत नीचे आ गया। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड की कीमत 6.75 प्रतिशत चढ़कर 114.8 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गई। यह वृद्धि कतर में एक महत्वपूर्ण प्राकृतिक गैस संयंत्र और कुवैत में दो तेल रिफाइनरियों पर ईरान के हमले के बाद हुई। यूरोप के प्रमुख बाजारों में भी भारी गिरावट आई।

चांदी में 17,800 की गिरावट सोना 7,000 रुपये लुढ़का

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में चांदी की कीमतें 17,800 रुपये लुढ़ककर 2.38 लाख प्रति किलोग्राम रह गईं, जबकि बाजारों में भारी बिकवाली के चलते सोने की कीमत 7,000 रुपये के नुकसान के साथ 1.53 लाख प्रति 10 ग्राम रह गई। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, चांदी की कीमत 17,800 रुपये या लगभग सात प्रतिशत गिरकर 2,38,700 प्रति किग्रा (सभी करों सहित) रह गई, जो बुधवार को बंद हुई कीमत 2,56,500 रुपये से काफी कम है। चांदी अब तक के सबसे ऊंचे स्तर 4,04,500 रुपये प्रति किग्रा से 1,65,800 रुपये या 41 प्रतिशत तक नीचे आ चुकी है।

पश्चिम एशिया में ऊर्जा प्रतिष्ठानों पर हमलों को भारत ने अत्यंत चिंताजनक बताया

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में गैस भंडारण केंद्रों पर ताजा हमलों से पैदा चिंताओं के बीच भारत ने गुरुवार को कहा कि ऐसे हमले अस्वीकार्य हैं और इन्हें रोका जाना चाहिए। भारत ने इन हमलों को अत्यंत परेशान करने वाला बताया और कहा कि ये पहले से ही अनिश्चितता से गुजर रहे वैश्विक ऊर्जा क्षेत्र को और अधिक अस्थिर करेंगे। ईरान ने अपने साउथ पार्स गैस क्षेत्रों पर इजराइल के हमलों के जवाब में रास लाफान में कतर के एलएनजी केंद्र सहित पश्चिम एशिया के कई ऊर्जा प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, भारत ने इससे पहले पूरे क्षेत्र में नागरिक बुनियादी ढांचे, जिसमें ऊर्जा बुनियादी ढांचा भी शामिल है, को निशाना बनाने से बचने का आह्वान किया था। इस क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर ऊर्जा प्रतिष्ठानों पर हालिया हमले अत्यंत परेशान करने वाले हैं।

ईरान ने 4 खाड़ी देशों पर दागीं मिसाइलें, कतर के गैस संयंत्र में भीषण आग

दुबई, एजेंसी

ईरान ने अपने एक प्रमुख गैस फील्ड पर इजराइल के हमले के जवाब में गुरुवार को चार से अधिक खाड़ी देशों में तेल और गैस के प्रतिष्ठानों पर हमले किए। ईरान के इस वार से वैश्विक अर्थव्यवस्था प्रभावित होने लगी है। इन हमलों के बाद ईंधन के दामों में तेजी से वृद्धि हुई और ईरान के पड़ोसी अरब देशों के सीधे संघर्ष के दायरे में आने का खतरा बढ़ गया है। ईरान ने कतर के रास लफ्फान गैस प्लांट पर हमले किए। होर्मुज में ईरान के अवरोधों के कारण पहले से दबाव में बनी हुई वैश्विक आपूर्ति ईरान के इन हमलों से और अधिक दबाव में आ रही है।

इस क्षेत्र में संयुक्त अरब अमीरात के तट के पास एक जहाज में आग लगा दी गई और कतर के पास एक अन्य जहाज क्षतिग्रस्त हो गया। एक ईरानी ड्रोन से लाल सागर में स्थित सऊदी अरब की एक रिफाइनरी को निशाना बनाया गया। इजराइल और अमेरिका द्वारा 28 फरवरी को ईरान पर हमलों के साथ युद्ध शुरू होने के बाद से अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में कच्चे तेल की कीमत 116 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गईं। वहीं, कतर, सऊदी व संयुक्त अरब अमीरात ने ईरान के हमलों की निंदा की। अरब लीग के महासचिव अहमद अबूल घीत ने इसे खतरनाक तरीके से उकसावे वाला बताया।

कतर के रास लफ्फान गैस प्लांट पर धधकती आग।

- ईरान की धमकी एनर्जी इन्फ्रास्ट्रक्चर पर हमला किया तो और बड़े हमले करेंगे
- कतर, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात ने ईरान के हमलों की निंदा की

ट्रंप का आश्वासन- गैस क्षेत्र पर नहीं करेंगे हमले

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने आश्वासन दिया कि इजराइल ईरान के प्रमुख गैस क्षेत्र 'साउथ पार्स' पर और हमले नहीं करेगा लेकिन उन्होंने साथ ही कहा कि अगर ईरान ने कतर पर फिर हमला किया तो अमेरिका जवाबी कार्रवाई करेगा और उस पूरे क्षेत्र को उड़ा देगा। वैश्विक ऊर्जा बाजारों में उथल-पुथल और कतर पर ईरानी मिसाइल हमलों के बीच ट्रंप ने बुधवार रात सोशल मीडिया पर यह टिप्पणी की। ट्रंप ने कहा, मैं इस पैमाने की हिंसा और विनाश की अनुमति नहीं देना चाहता क्योंकि इसका ईरान के भविष्य पर दीर्घकालिक असर पड़ेगा।

पेंटागन ने 200 अरब डॉलर का अतिरिक्त कोष मांगा

उधर पेंटागन ने ईरान युद्ध के लिए 200 अरब डॉलर का अतिरिक्त कोष मांगा है। सूत्रों ने यह जानकारी दी। इजराइल के हमलों में ईरान के खुफिया मंत्री की मौत हो गई है। इजराइल ने शीर्ष ईरानी नेतृत्व के खिलाफ अपना अभियान जारी रखते हुए बुधवार को ईरान के अपतटीय प्राकृतिक गैस क्षेत्र पर कथित तौर पर हमला किया जिससे क्षेत्र की आर्थिक जीवनरेखा यानी ऊर्जा पर दबाव और बढ़ गया।

ब्रीफ न्यूज

अहमदाबाद में 2.38 करोड़ रुपये मूल्य के जाली नोट जब्त

अहमदाबाद। अहमदाबाद पुलिस ने 2.38 करोड़ रुपये अंकित मूल्य के उच्च गुणवत्ता वाले भारतीय जाली नोट जब्त किए हैं और इस सिलसिले में सात लोगों को पकड़ा गया है। अधिकारियों ने बताया कि इस संबंध में मिली एक सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए अपराध शाखा ने सूरत के एक योग शिक्षक सहित आरोपियों को उस समय पकड़ा जब वे बुधवार को यहां पहुंचे। आरोपियों के पास से 500 रुपये के 42,000 जाली नोट जब्त किए गए। पुलिस उपायुक्त सभी आरोपी एक एसयूवी में यह जाली नोट लेकर आए थे। वाहन को अमराईवाड़ी इलाके के पास रोका गया और नोट बरामद किए।

अक्षय तृतीया पर 12:15 बजे खुलेंगे गंगोत्री धाम के कपाट

उत्तरकाशी। उत्तराखंड में चारधाम यात्रा की तैयारियों के बीच आस्था के प्रमुख केंद्र गंगोत्री धाम के कपाट आगामी 19 अप्रैल अक्षय तृतीया के दिन दोपहर 12:15 बजे विधिविधान के साथ श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए जाएंगे। गंगोत्री मंदिर समिति ने चैत्र नवरात्र के दौरान पंचांग के अनुसार तिथि और समय की औपचारिक घोषणा कर दी है।

राष्ट्रपति मुर्मू ने मंदिर में की श्रीराम यंत्र की प्रतिष्ठापना

- राज्यपाल व मुख्यमंत्री के साथ किए रामलला के दर्शन, कहा- आज अयोध्या में होना मेरे जीवन का कृतार्थ करने वाला पल

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुरुवार को हिंदू नववर्ष के आगमन व चैत्र नवरात्र के पहले दिन श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में श्रीराम यंत्र की प्रतिष्ठापना की। उन्होंने राज्यपाल आनंदी बेन पटेल व मुख्यमंत्री योगी के साथ रामलला के चरणों में शीश झुकाकर व आरती उतारकर श्रद्धा निवेदित की। मंदिर परिसर में सभी देवों के समक्ष शीश झुकाया।

दर्शन-पूजन के बाद राष्ट्रपति ने भावुक होकर कहा, श्रीराम की मेरे ऊपर बहुत कृपा है। आज अयोध्या में होना मेरे जीवन का कृतार्थ करने वाला पल है। उन्होंने प्रभु राम से देश की समृद्धि, शांति और नागरिकों की भलाई की प्रार्थना की। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के द्वितीय तल पर श्रीरामयंत्र की विधिवत प्रतिष्ठापना की। श्रीराम यंत्र दो वर्ष पूर्व जगद्गुरु शंकराचार्य विजयेंद्र सरस्वती महाराज द्वारा शोभायात्रा के माध्यम से अयोध्या भेजा गया था। वैदिक गणित और ज्यामितीय आकृतियों पर आधारित यह यंत्र देवताओं का निवास माना जाता है, जो सकारात्मक ऊर्जा आकर्षित करने की क्षमता रखता है। दक्षिण भारत, काशी, अयोध्या के आचार्यों द्वारा मंदिर में श्रीराम यंत्र के लिए नौ दिवसीय वैदिक अनुष्ठान पहले से ही शुरू हो चुका था।

राम मंदिर के द्वितीय तल पर श्रीराम यंत्र का पूजन अर्चन करतीं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू।

सनातन विरोध वाले स्थानों पर नहीं जाती वर्तमान पीढ़ी

अयोध्या। वर्तमान पीढ़ी नववर्ष पर ऐसे किसी टूरिस्ट डेस्टिनेशन पर नहीं जाती, जहां सनातन के विरोध में कोई कार्य हो रहा है। वह नए वर्ष पर परिवार के साथ मंदिर जाती है। ये बातें गुरुवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहीं। वे श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में श्रीराम यंत्र की प्रतिष्ठापना के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने सबसे पहले प्रदेशवासियों को भारतीय नवसंवत्सर की शुभकामना दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरयू मैया अयोध्या धाम को पवित्र करते हुए अपने निर्मल जल से पूरे क्षेत्र को पवित्र करती हैं। रामराज्य की अनुभूति का जिक्र करते हुए कहा कि दुनिया में युद्ध चल रहे हैं और हम श्रीराम यंत्र की प्रतिष्ठापना कार्यक्रम में सहभागी बन रहे हैं। उन्होंने विपक्षी दलों पर भी निशाना साधा, कहा कि आस्था को अंधविश्वास कहकर अपमानित किया गया था।

मोदी ने वैश्विक नेताओं से कहा- शांति पहल जरूरी

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को कतर, फ्रांस, जॉर्डन, ओमान और मलेशिया के शीर्ष नेताओं से बात की और उनके साथ पश्चिम एशिया की स्थिति पर चर्चा की। मोदी ने पश्चिम एशिया की बदलती स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए क्षेत्र में संघर्ष को कम करने की जरूरत बताई। मोदी ने पांच नेताओं से टेलीफोन पर अलग-अलग हुई बातचीत में कहा कि पश्चिम एशिया में ऊर्जा अवसंरचना पर हमले निंदनीय हैं और इनसे अनावश्यक तनाव बढ़ सकता है।

उन्होंने क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और स्थिरता की शीघ्र बहाली के लिए संवाद और कूटनीति की आवश्यकता पर बल दिया। मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, मैंने अपने भाई, कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल थानी से बात की और उन्हें एवं कतर के लोगों को ईद की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने दोहराया कि भारत कतर के साथ एकजुटता से खड़ा है और क्षेत्र के ऊर्जा बुनियादी ढांचे पर हुए हमलों की कड़ी निंदा करता है। उन्होंने कहा, (हमद अल थानी से बातचीत में) भारतीय समुदाय की सुरक्षा और समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया और क्षेत्र में शांति और स्थिरता की कामना की। हम होर्मुज जलडमरूमध्य से सुरक्षित और निर्बाध नौवहन के पक्षधर हैं। जॉर्डन के शाह अब्दुल्ला द्वितीय को भी मोदी ने ईद की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा हमने पश्चिम एशिया में बिगड़ती स्थिति पर चिंता व्यक्त की और क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और स्थिरता की शीघ्र बहाली के लिए संवाद और कूटनीति की आवश्यकता पर बल दिया।

उन्होंने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से बात की और पश्चिम एशिया की स्थिति पर और तनाव कम करने की तत्काल आवश्यकता के साथ-साथ संवाद और कूटनीति की ओर लौटने के बारे में बात की। हम क्षेत्र और उससे परे शांति व स्थिरता को आगे बढ़ाने के लिए अपने घनिष्ठ समन्वय को जारी रखने को उत्सुक हैं। प्रधानमंत्री ने अपने भाई सुल्तान हैतम बिन तारिक के साथ सार्थक बातचीत की प्रधानमंत्री ने ओमान की संप्रभुता व क्षेत्रीय अखंडता के उल्लंघन की भारत द्वारा की गई निंदा को दोहराया और भारतीय नागरिकों सहित हजारों लोगों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने के लिए किए गए प्रयासों की सराहना की।

पश्चिम एशिया संकट

- कतर, फ्रांस जॉर्डन ओमान मलेशिया के शीर्ष नेताओं से की बात

सपा सांसद धर्मेन्द्र यादव आचार संहिता उल्लंघन केस में बरी

बदायूं। सपा सांसद धर्मेन्द्र यादव को बदायूं कोर्ट से राहत मिली है। एमपी-एमएलए कोर्ट ने आजमगढ़ एमपी को बरी कर दिया है। 28 आरोपी पहले ही बरी हो चुके थे। 2022 विस चुनाव के दौरान इन सभी पर वोट प्रभावित करने, कोविड आपदा अधिनियम जैसी धाराओं में केस दर्ज हुआ था। सुनाए गए फैसले का सांसद ने स्वागत किया है।

सीबीआई की अनिल अंबानी से 8 घंटे तक पूछताछ

नई दिल्ली। सीबीआई ने उद्योगपति अनिल अंबानी से आरकॉम और उनके खिलाफ एसबीआई की शिकायत पर दर्ज 2,929 करोड़ के धोखाधड़ी मामले के सिलसिले में गुरुवार को करीब आठ घंटे पूछताछ की।

सीबीआई के प्रवक्ता ने बताया कि एक अलग मामले में, एजेंसी ने 'ऑथम इन्वेस्टमेंट एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड' के पूर्णकालिक निदेशक अमित डांगी से पूछताछ की। इस कंपनी ने रिलायंस कमर्शियल फाइनेंस लिमिटेड और रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड की संपत्तियों का अधिग्रहण किया है, जो जांच के दायरे में हैं। डांगी से लगभग सात घंटे तक पूछताछ की गई। अंबानी को पूछताछ के लिए शुक्रवार को फिर से बुलाया गया है। अंबानी सुबह करीब 10:15 बजे एजेंसी के दिल्ली मुख्यालय पहुंचे। वह शाम करीब 6:15 बजे एजेंसी मुख्यालय से बाहर आए। सीबीआई प्रवक्ता के अनुसार एजेंसी ने अंबानी से कंपनी में निर्णय लेने की प्रक्रिया के बारे में पूछताछ की, जिसमें उनके और अधिकारियों के बीच ईमेल के जरिये हुए कई पत्राचार भी सामने आए। सीबीआई ने बैंक द्वारा कंपनी को दिए गए ऋण में धन के हेरफेर अन्य अनियमितताओं के संबंध में भी उनसे जवाब मांगा है। वहीं, अंबानी के प्रवक्ता ने कहा, अंबानी का यहां पेश होना पूर्ण सहयोग की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

- 2,929 करोड़ की धोखाधड़ी का मामला, ऑथम इन्वेस्टमेंट के निदेशक अमित से भी 7 घंटे पूछताछ

दो लाख आउटसोर्सिंग कर्मचारियों का 8 से 11 हजार रुपये बढ़ा वेतन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी की घोषणा के मुताबिक सरकार ने आउटसोर्सिंग के जरिए कार्यरत करीब दो लाख कर्मचारियों के मानदेय में बड़ा इजाफा किया है। अब विभिन्न पदों पर कर्मचारियों को पहले की तुलना में आठ से 11 हजार तक अधिक वेतन सीधे उनके खाते में जाएगा। ईपीएफ व ईएसआई का लाभ भी मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने पहले ही विधानसभा में आउटसोर्सिंग कर्मचारियों का मानदेय बढ़ाने का एलान किया था। अब इसे अमल में लाते हुए नई दरें जारी कर दी गई हैं। नई व्यवस्था के तहत चपरासी, चौकीदार और अनुसेवक का मानदेय 10 हजार रुपये से बढ़ाकर 18 हजार रुपये कर दिया गया है। वहीं, अनुवादक, कंप्यूटर सहायक व डेटा एंट्री ऑपरेटर को अब 14 हजार के बजाय 23 हजार मिलेंगे। तकनीकी पदों पर भी अच्छी बढ़ोतरी की गई है। सिस्टम एडमिनिस्ट्रेटर और सीनियर प्रोग्रामर का वेतन 28 हजार से बढ़ाकर 37,400 रुपये कर दिया गया है। स्टेटिकल ऑफिसर और प्रोग्रामर को अब 29,900 मिलेंगे, सीनियर डेटा एंट्री ऑपरेटर का मानदेय 21 हजार से बढ़ाकर 31,900 रुपये कर दिया गया है। बढ़ा हुआ मानदेय अप्रैल महीने से लागू होगा। साथ ही कर्मचारियों को 13% ईपीएफ व 3.25 प्रतिशत ईएसआई का लाभ भी दिया जाएगा, जिससे सामाजिक सुरक्षा भी सुनिश्चित होगी। विभागीय बजट में 426 करोड़ की बढ़ोतरी करते हुए कुल 2223.84 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है।

- सीएम की घोषणा अप्रैल से होगी लागू, ईपीएफ व ईएसआई भी
- अब चपरासी को 18 हजार तो प्रोग्रामर का 37,400 हुआ मानदेय

शिक्षा और स्वास्थ्य

जारी नई दरों में शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं को भी शामिल किया गया है। नियुक्त डॉक्टरों को अब अधिकतम 40 हजार रुपये तक वेतन मिलेगा, जबकि शिक्षण सेवाओं में लगे कर्मियों को 25 हजार रुपये तक भुगतान किया जाएगा।

एडीआर रिपोर्ट दागी और धनवान सांसदों की बढ़ी हिस्सेदारी, 32% पर आपराधिक मामले, 14% अरबपति

राज्यसभा के 73 सांसदों पर दर्ज हैं आपराधिक मुकदमे

नई दिल्ली, एजेंसी

चुनाव सुधारों से संबंधित गैर-सरकारी संगठन एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की एक रिपोर्ट के अनुसार राज्यसभा के लगभग 32 प्रतिशत मौजूदा सांसदों ने अपने खिलाफ आपराधिक मामलों की घोषणा की है, जबकि इनमें से 14 प्रतिशत अरबपति हैं। यह रिपोर्ट राज्यसभा के 233 सदस्यों में से 229 के हलफनामों के विश्लेषण पर आधारित है।

फिलहाल झारखंड की एक सीट खाली है, जबकि तीन सांसदों के हलफनामे उपलब्ध नहीं थे। इस विश्लेषण में हाल में निर्वाचित 37 सदस्य भी शामिल हैं। जिन 229 सांसदों के दस्तावेजों का विश्लेषण किया गया है, उनमें से 73 (32 प्रतिशत) ने आपराधिक मामलों की घोषणा की है। उनमें से 36 (16 प्रतिशत) गंभीर आरोपों का सामना कर रहे हैं।

एक सांसद ने हत्या का मामला, चार ने हत्या के प्रयास का मामला और तीन ने महिलाओं के खिलाफ अपराध से संबंधित मामले दर्ज होने के बारे में जानकारी दी हैं। भाजपा के 99 सांसदों में से 27, कांग्रेस के 28 सांसदों में से 12, तृणमूल कांग्रेस के के 13 सांसदों में से चार और आम आदमी पार्टी के 10 सांसदों में से चार ने अपने खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज होने की घोषणा की है। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) और भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के तीन-तीन सांसदों ने भी आपराधिक मामलों का खुलासा किया है।

भाजपा	27
कांग्रेस	12
तृणमूल	4
आप	4

- इन पार्टियों के सांसदों ने आपराधिक मामले दर्ज होने की घोषणा की

राज्यसभा सदस्यों की औसत संपत्ति 120.69 करोड़ रुपये आंकी गई

रिपोर्ट में यह भी पाया गया कि 31 सांसदों (14 प्रतिशत) की कुल संपत्ति अरबों में है। प्रमुख पार्टियों में, भाजपा के छह सांसदों, कांग्रेस के पांच सांसदों, वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के चार सांसदों, आम आदमी पार्टी और बीआरएस के दो-दो सांसदों और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के तीन सांसदों ने 100 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति घोषित की है। राज्यसभा में सदस्यों की औसत संपत्ति 120.69 करोड़ रुपये आंकी गई है। भाजपा के मामले में प्रति सांसद औसत संपत्ति 28.29 करोड़ रुपये है जबकि कांग्रेस के लिए 128.61 करोड़ रुपये, तृणमूल के लिए 17.70 करोड़ रुपये और आम आदमी पार्टी के लिए 574.09 करोड़ रुपये है। अन्य दलों में वाईएसआरसीपी (522.63 करोड़ रुपये), समाजवादी पार्टी (399.71 करोड़ रुपये), बीजू जनता दल (105.63 करोड़ रुपये) और द्रमुक (11.90 करोड़ रुपये) शामिल हैं। बीआरएस सांसद बंडी पार्थ सारथी ने सबसे अधिक करीब 5,300 करोड़ रुपये की संपत्ति घोषित की है। इसके बाद आम आदमी पार्टी के राजेंद्र गुप्ता (5,053 करोड़ रुपये) और वाईएसआरसीपी के अयोध्या रामी रेड्डी आला (2,577 करोड़ रुपये) दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं।

अमृत विचार

लखनऊ, शुक्रवार, 20 मार्च 2026

न्यूज ब्रीफ

अब तीन सदस्यीय समिति करेगी विवादों का निस्तारण

अमृत विचार, लखनऊ : उप्र. परिवहन निगम ने संविदा चालकों और परिचालकों से जुड़े विवादों के निस्तारण को तेज करने के लिए आर्बिट्रेशन व्यवस्था में बदलाव किया है। अब तक 5 सदस्यीय आर्बिट्रेशन समिति के स्थान पर 3 सदस्यीय समिति का गठन किया जाएगा। परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने बताया कि संविदा कर्मियों से जुड़े मामलों की संख्या बढ़ने और उनके निस्तारण में देरी को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है। नई व्यवस्था से मामलों का जल्द निपटारा संभव हो सकेगा। उन्होंने बताया कि पहले नियमानुसार पांच सदस्यीय समिति बनाई जाती थी, जिसमें क्षेत्रीय प्रबंधक, सेवा प्रबंधक, सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक (वित्त), वरिष्ठतम सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक और सहायक विधि अधिकारी शामिल होते थे। नई व्यवस्था के तहत अब क्षेत्रीय प्रबंधक के साथ उपरोक्त अधिकारियों में से किसी दो को शामिल कर तीन सदस्यीय समिति बनाई जाएगी। इससे प्रक्रिया सरल होगी और निर्णय लेने में कम समय लगेगा।

डॉ.हेडगेवार की जयंती पर केशव प्रसाद मौर्य ने दी श्रद्धांजलि

अमृत विचार, लखनऊ : उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने गुरुवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संस्थापक डॉ. केशवराव बलिराम हेडगेवार की जयंती पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने लखनऊ स्थित अपने सरकारी आवास पर डॉ. हेडगेवार के चित्र पर माल्यार्पण कर नमन किया। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि डॉ. हेडगेवार का पूरा जीवन राष्ट्रसेवा, संगठन शक्ति और सांस्कृतिक जागरण को समर्पित रहा। उनके विचार आज भी देश को एक सशक्त, संगठित और आत्मनिर्भर राष्ट्र बनाने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने कहा कि समाज में एकता, समरसता और राष्ट्रहित सर्वोपरि की भावना को आगे बढ़ाना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। केशव प्रसाद मौर्या ने लोगों से आह्वान किया कि डॉ. हेडगेवार के आदर्शों को आत्मसात करते हुए राष्ट्र निर्माण में सक्रिय योगदान दें।

सुधरी बच्चों की पोषण स्थिति, 1.43 करोड़ का परीक्षण

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में बच्चों की पोषण स्थिति में सुधार के सकारात्मक संकेत मिले हैं। आंगनबाड़ी केंद्रों के पोषण ट्रैकर आंकड़ों के अनुसार, जनवरी 2026 के मुकाबले फरवरी 2026 में स्टंटिंग में 1.21 प्रतिशत, अति कुपोषित बच्चों में 0.12 प्रतिशत और अंडरवेट श्रेणी में 0.61 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। फरवरी में प्रदेशभर में बड़े स्तर पर चलाए गए अभियान के तहत 1.43 करोड़ से अधिक बच्चों का परीक्षण किया गया। छह वर्ष तक के बच्चों की लंबाई, वजन और आयु के आधार पर उनकी पोषण स्थिति का आकलन किया गया, जिससे कुपोषण की सटीक पहचान संभव हो सकी।

होम-स्टे संचालकों को मिला प्रशिक्षण

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में पर्यटन को नई दिशा देने के प्रयासों के तहत मान्यवर कांशीराम इंस्टीट्यूट ऑफ टूरिज्म मैनेजमेंट (एमकेआईटीएम) में होम-स्टे संचालकों के लिए पांच दिवसीय उद्यमिता विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि 16 से 20 मार्च तक चल रहे इस कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए 31 प्रतिभागियों को आधुनिक आतिथ्य सेवाओं और प्रबंधन की बारीकियां सिखाई जा रही हैं।

हज यात्रा: पासपोर्ट जमा करने की बाध्यता खत्म

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- नई गाइडलाइन जारी, फ्लाइट बुकिंग के लिए पोर्टल सुविधा

अमृत विचार: हज-2026 पर जाने वाले यात्रियों की यात्रा को सुगम, सुरक्षित और सुविधाजनक बनाने के लिए हज कमेटी ऑफ इंडिया ने सर्कुलर-34 जारी कर नई गाइडलाइन लागू की है। उप्र. राज्य हज समिति के सचिव/कार्यपालक अधिकारी एसपी तिवारी ने बताया कि इस बार पासपोर्ट पहले से जमा करने की अनिवार्यता समाप्त कर दी गई है। यात्री अपने मूल अंतरराष्ट्रीय पासपोर्ट को सुरक्षित रखें और फ्लाइट बुकिंग के समय अपने साथ लेकर जाएं।

उन्होंने स्पष्ट किया कि पासपोर्ट की वैधता 31 दिसंबर 2026 तक होना अनिवार्य है। पासपोर्ट क्षतिग्रस्त, कटा-फटा या दागयुक्त नहीं होना चाहिए और वीजा स्टैंपिंग के लिए कम-से-कम दो खाली पन्ने होना जरूरी है। पासपोर्ट का विवरण हज आवेदन से मेल खाना चाहिए, अन्यथा यात्रा बाधित हो सकती है। फ्लाइट बुकिंग अब हज कमेटी ऑफ इंडिया के पोर्टल के माध्यम से होगी। यात्रियों को यात्रा से पहले पासपोर्ट, हेल्थ कार्ड, टीकाकरण प्रमाणपत्र, बैंक रसीद और बुकिंग कन्फर्मेशन की जांच करने की सलाह दी गई है।

अपराध पर ब्रेक लगाएंगी पांच नई प्रयोगशालाएं

यूपीएसआईएफएस में स्थापित होगी प्रयोगशाला, क्वांटम व डिजिटल फॉरेंसिक के जरिए होगी जांच

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- केस निस्तारण तेज, दोषियों को जल्द सजा दिलाने में मिलेगी मदद

अमृत विचार: योगी सरकार अपराध के बदलते तौर-तरीकों पर लगाम लगाने के लिए फॉरेंसिक सिस्टम को हाईटेक बनाने जा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर यूपी स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेंसिक साइंसेज (यूपीएसआईएफएस) में पांच नई अत्याधुनिक प्रयोगशाला स्थापित की जाएंगी।

इनमें क्वांटम कंप्यूटिंग लैब, चैलेंज्ड ऑडियो-वीडियो लैब, थ्री-डी प्रिंटिंग लैब, एससीएडीए लैब और डिजिटल फॉरेंसिक लैब शामिल हैं। इन लैब्स के जरिए जटिल साइबर अपराध, एन्क्रिप्टेड डाटा, खराब ऑडियो-वीडियो साक्ष्य और डिजिटल उपकरणों से जुड़े मामलों की जांच अधिक सटीक और तेज होगी। यूपी स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेंसिक साइंसेज के निदेशक डॉ. जीके गोस्वामी के अनुसार, क्वांटम लैब जटिल डाटा एनालिसिस और साइबर अपराध जांच में मदद करेगी, जबकि ऑडियो-वीडियो लैब कमजोर साक्ष्यों को स्पष्ट कर सकेगी। थ्री-डी प्रिंटिंग लैब अपराध स्थल के मॉडल तैयार करने में सहायक होगी और एससीएडीए लैब औद्योगिक व महत्वपूर्ण ढांचे पर साइबर हमलों की जांच में उपयोगी साबित होगी। डिजिटल फॉरेंसिक लैब से मोबाइल और कंप्यूटर डाटा रिकवरी की क्षमता भी बढ़ेगी।

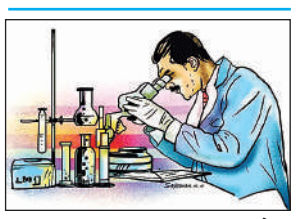

क्या बदलेगा

- साइबर अपराध और एन्क्रिप्टेड डाटा की तेज व सटीक जांच
- खराब ऑडियो-वीडियो साक्ष्यों को स्पष्ट करने की सुविधा
- थ्री-डी मॉडल से क्राइम सीन का बेहतर पुनर्निर्माण
- औद्योगिक व महत्वपूर्ण ढांचे पर साइबर हमलों की पड़ताल
- मोबाइल, कंप्यूटर से डाटा रिकवरी और डिजिटल जांच मजबूत
- वैज्ञानिक साक्ष्य आधारित जांच से केस मजबूत, सजा की दर बढ़ेगी

जांच के लिए प्रशिक्षित हो रही एजेंसियां

पुलिस और जांच एजेंसियों को वैज्ञानिक साक्ष्य आधारित जांच के लिए प्रशिक्षित किया जा रहा है, जिससे अपराधियों के खिलाफ मजबूत केस तैयार किए जा सकें। योगी सरकार का उद्देश्य है कि प्रदेश में न्याय प्रक्रिया को तेज और पारदर्शी बनाया जाए। नई लैब्स के शुरू होने से केसों के निस्तारण में तेजी आएगी और दोषियों को जल्द सजा दिलाने में मदद मिलेगी। साथ ही, इससे प्रदेश में कानून-व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने में भी योगदान मिलेगा।

ट्रांसफार्मर फुंका तो वेतन से रिकवरी

अधिशासी अभियंता से 20, एसडीओ से 30 और जेई से वसूली जाएगी 50 फीसदी राशि

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- पावर कारपोरेशन के चेयरमैन आशीष गोयल के आदेश से विभाग में मची खलबली

अमृत विचार: पावर कारपोरेशन ने बिजली ट्रांसफार्मर फुंक जाने पर उनकी मरम्मत का खर्च क्षेत्र के एसडीओ और जूनियर इंजीनियर से वसूला जाएगा। जूनियर इंजीनियर को मरम्मत का 50, एसडीओ को 30 और अधिशासी अभियंता को भी 10 फीसदी धन देना होगा। साथ ही विभागीय कार्रवाई भी की जाएगी। इस आदेश के बाद विभाग में खलबली का माहौल है, वहीं इंजीनियरों में भी खासा रोष व्याप्त है।

गर्मी का मौसम शुरू हो चुका है तो ट्रांसफार्मरों पर बिजली का लोड बढ़ता जा रहा है। हालात यह हो गए हैं कि प्रदेश भर में आए दिन हजारों ट्रांसफार्मर फुंक रहे हैं। जिसके चलते मरम्मत पर पावर कारपोरेशन का काफी धन खर्च हो रहा है। पावर कारपोरेशन के चेयरमैन आशीष गोयल ने फुंकने वाले ट्रांसफार्मर की मरम्मत पर होने वाले खर्च को क्षेत्र के अधिशासी अभियंता, एसडीओ और जूनियर इंजीनियरों से रिकवरी करने के आदेश जारी किया है।

इस तरह होगी वसूली

आदेश में कहा गया है कि यदि 10 से 63 केवीए तक के ट्रांसफार्मर यदि फुंकते हैं तो उसकी मरम्मत पर होने वाला 50 फीसदी खर्चा क्षेत्र का जूनियर इंजीनियर, 30 फीसदी एसडीओ और 20 फीसदी अधिशासी अभियंता देंगे। इसी तरह 100 से लेकर 250 केवीए के ट्रांसफार्मर की मरम्मत पर जूनियर इंजीनियर और एसडीओ से 40-40 और अधिशासी अभियंता से 20 फीसदी धन वसूला जाएगा। 400 से 1000 केवीए के ट्रांसफार्मर की मरम्मत पर जूनियर इंजीनियर, एसडीओ और अधिशाषी अभियंता को 30-30 और अधीक्षण अभियंता से दस फीसदी रकम वसूल की जाएगी।

वसूली के आदेश पर विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति ने जताया रोष

अमृत विचार: इंजीनियरों से मरम्मत की वसूली के आदेश पर विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति कड़ा रोष व्यक्त किया है। समिति के संयोजक शैलेन्द्र दुबे ने कहा कि यह दमनकारी कार्रवाई है, जिसके वह नहीं झुकेंगे। ट्रांसफार्मरों के फुंकने के अनेक तकनीकी कारण होते हैं, जिनमें ओवरलोडिंग प्रमुख है। ओवरलोडिंग की जिम्मेदारी शीर्ष प्रबंधन की होती है, क्योंकि पर्याप्त क्षमता के ट्रांसफार्मर उपलब्ध कराना और लोड प्रबंधन करना उसी के दायरे में आता है। बिना किसी तकनीकी जांच के सामान्य आदेश के माध्यम से अभियंताओं पर आर्थिक दंड थोपना प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के खिलाफ है। उन्होंने इस तरह के इंजीनियरों को प्रताड़ित करके प्रबंधन निजीकरण का रास्ता आसान करना चाह रहा। तुरंत ही इस आदेश को वापस लेना चाहिए।

सपा मुख्यालय पर पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव की मौजूदगी में लोगों ने ली पार्टी की सदस्यता। अमृत विचार

अखिलेश से मिलकर लोगों ने ली सपा की सदस्यता

अमृत विचार, लखनऊ : आगामी विधानसभा चुनाव की तिथियां नजदीक आते-आते राजनीतिक गलियारों में हलचल बढ़ गई है।

भारतीय जागृति मिशन तथा चौहान एकता महासभा के तमाम पदाधिकारियों ने सपा प्रमुख अखिलेश यादव से भेंटकर पार्टी की नीतियों में आस्था जताते हुए गुरुवार को सपा की सदस्यता ग्रहण कर ली।

इस मौके पर सांसद रामशिरोमणि वर्मा, प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल व पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेन्द्र चौधरी उपस्थित थे। भारतीय जागृति मिशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओम साहू, राष्ट्रीय सचिव केटी तिवारी, शशिकांत गांधी, पुल्ली गुप्ता, संस्थापक सुरेश गुप्ता दिल्ली, राष्ट्रीय संगठन मंत्री सुनील गुप्ता जिलाध्यक्ष अमेठी सज्जन कुमार पाठक, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष डॉ. चिन्ताराम साहू सहित चौहान एकता महासभा के संयोजक राजकुमार चौहान, उपाध्यक्ष दिनेश चौहान, अरुण कुमार वर्मा एड.लीगल एडवाइजर तथा अमरजीत आदि सभी ने 2027 के चुनाव में अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाने का संकल्प लिया।

एलपीजी की कमी नहीं : सतीश चंद्र

अमृत विचार, लखनऊ : खाद्य तथा रसद एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के राज्यमंत्री सतीश चन्द्र शर्मा ने बताया कि प्रदेश में एलपीजी, डीजल और पेट्रोल की पर्याप्त उपलब्धता है और उपभोक्ताओं को समय पर आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। राज्य मंत्री, गुरुवार को सरकारी कार्यालय में खाद्य एवं रसद विभाग की समीक्षा बैठक में आपूर्ति व्यवस्था, राशन वितरण और गेहूं खरीद तैयारियों पर चर्चा कर रहे थे।

बदलाव : एसएनए प्रणाली से ही होगा धनावंटन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- सरकारी भुगतान में अब साइबर ट्रेजरी से आरबीआई तक डिजिटल ट्रैकिंग
- पारदर्शिता बढ़ेगी, देरी और गड़बड़ी पर लगेगा अंकुश

अमृत विचार: प्रदेश में विकास योजनाओं के भुगतान को अधिक पारदर्शी और समयबद्ध बनाने के लिए शासन ने नई व्यवस्था लागू कर दी है। वित्त विभाग की ओर से जारी शासनादेश में स्पष्ट किया गया है कि अब केंद्र प्रायोजित योजनाओं से जुड़े सभी भुगतान साइबर ट्रेजरी, पब्लिक फाइनेंशियल मैनेजमेंट सिस्टम (पीएफएमएस) और भारतीय रिजर्व बैंक के जरिए चरणबद्ध तरीके से होंगे।

वित्त विभाग के अपर मुख्य सचिव (एसीएस) दीपक कुमार के अनुसार, नई व्यवस्था के तहत विभागों के बिल पहले साइबर ट्रेजरी में प्रस्तुत कर पास किए जाएंगे। इसके बाद ई-क्लेम फाइल बनाकर पीएफएमएस को भेजा जाएगा। वहां से फाइल संबंधित मंत्रालय के प्रोग्राम डिवीजन को जाएंगी, जहां दैनिक स्वीकृति जारी होगी। स्वीकृति के बाद भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली के माध्यम से धनराशि संबंधित योजना खाते में ट्रांसफर की जाएगी और खाते में धन आने के बाद ही अंतिम भुगतान संभव होगा। एसीएस (वित्त) ने सभी विभागों को निर्देश दिया है कि इस प्रक्रिया का सख्ती से पालन सुनिश्चित करें। शासन का मानना है कि इससे भुगतान प्रणाली पूरी तरह डिजिटल, सुरक्षित और ट्रैकिंग योग्य बनेगी, जिससे अनियमितताओं और देरी पर प्रभावी नियंत्रण लगेगा। साथ ही, यह व्यवस्था योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन और जवाबदेही तय करने में भी अहम भूमिका निभाएगी।

मत्स्य पालन से जुड़ी महिलाओं को सशक्त बनाने को बदले गए नियम

अमृत विचार, लखनऊ: प्रदेश सरकार ने मत्स्य पालन क्षेत्र में महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए 'माता सुकन्या महिला मत्स्य पालक सशक्तिकरण परियोजना' के तहत संशोधित दिशा-निर्देश जारी किए हैं।

अपर मुख्य सचिव मुकेश मेश्राम की ओर से जारी शासनादेश में योजना को अधिक प्रभावी और व्यावहारिक बनाने के लिए कई अहम बदलाव किए गए हैं। नई व्यवस्था के तहत परियोजना में चयन प्रक्रिया, पात्रता मानकों और कार्यान्वयन की प्रक्रिया को सरल किया गया है, ताकि अधिक से अधिक लाभार्थी जुड़ सकें। शासनादेश के अनुसार, योजना के तहत इकाई लागत करीब 3 लाख रुपये तय की गई है, जिसमें 60 प्रतिशत तक अनुदान दिया जाएगा।

गोवंश के छुट्टा घूमने पर लगेगी रोक

प्रदेशभर में 469 गाय संरक्षण केंद्रों का निर्माण पूरा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- चारे की व्यवस्था के लिए 25 मार्च तक निकाले जाएंगे टेंडर

अमृत विचार: प्रदेश भर में छुट्टा घूमने वाले गोवंश पर काफी हद तक आने वाले दिनों में लगाम लग सकेगी। सरकार ने 469 बड़े गो-संरक्षण केंद्रों का निर्माण पूर्ण हो गया है, जबकि 30 केंद्रों का लोकार्पण होना प्रस्तावित है। इसके अलावा 130 केंद्रों का 15 मई तक निर्माण पूर्ण कराये जाने के निर्देश दिये गये हैं।

पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह ने निर्देश दिए कि रबी फसल की कटाई शुरू हो गई है। इसलिए पशुओं को खिलाने को पूरे वर्ष के लिए भूसा खरीद के लिए 25 मार्च टेंडर की प्रक्रिया को पूरा कर लिया जाए। इसके साथ ही गर्मी और लू से बचाव के लिए गो आश्रय स्थलों में स्वच्छ पेयजल, चारा तथा त्रिपाल आदि की पर्याप्त व्यवस्थाएं भी कर ली जाएं।

प्रदेश में पशुओं की नस्ल सुधारने के लिए कृत्रिम गर्भाधान कार्यक्रम में तेजी लाएं, वहीं बकरी पालने वाली जैसी लाभार्थी योजनाओं को तेजी से लागू किया जाए। पशु डाक्टर गो आश्रय स्थलों पर जाएं और गोवंश के उत्तम स्वास्थ्य, चिकित्सा एवं औषधि की व्यवस्था सुनिश्चित करें। जिन गौ आश्रय स्थलों में अव्यवस्था या गोवंश की देखभाल संबंधी कोई भी शिकायत मिले तो उसमें तत्काल सुधार किया जाए। बैठक में विभाग के अपर मुख्य सचिव मुकेश मेश्राम और पीसीडीएफ के एमडी वैभव श्रीवास्तव आदि अधिकारी मौजूद रहे।

विध्वंस के रहे सरकार के नौ वर्ष: अजय राय

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- लोकार्पण के बाद ग्रीन कॉरीडोर की सड़क अगले दिन ही धंस गई
- भूमि विकास बैंक कर रहीं किसानों से सूदखोर जैसा व्यवहार

पत्रकारों से संवाद करते कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय व अन्य। अमृत विचार

अमृत विचार: कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने प्रदेश सरकार के नौ साल पूरे होने पर करारा हमला बोला। उन्होंने कहा कि सरकार के नौ साल नव निमार्ण के नहीं, बल्कि विध्वंस के हैं। 15 मार्च को 1519 करोड़ की लागत से बने लखनऊ ग्रीन कॉरिडोर का लोकार्पण होता है। लेकिन अगले ही दिन वह सड़क धंस जाती है। आगरा समेत प्रदेश भर की भूमि विकास बैंक किसानों से सूदखोर जैसे व्यवहार कर रही हैं। आलू किसान आत्महत्या करने की मजबूर हो रहे हैं।

प्रदेश अध्यक्ष गुरुवार को पार्टी के प्रदेश कार्यालय पर पत्रकार वार्ता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कल सरकार के मुखिया बीते नौ वर्ष की उपलब्धियों का ढिंढोरा पीट रहे थे। यह बातें पूरी तरह से झूठी हैं। सूदखोरों का एक ऐसा मकड़जाल इस प्रदेश में फैला है। फतेहपुर के एक परिवार ने 5 लाख रुपये सूद पर लिए थे। बदले में 27 लाख 50 हजार देने के बाद भी तकादा जारी था। उत्पीड़न से परेशान परिवार ने आत्महत्या कर ली।

उन्होंने कहा कि रोजगार सेवक जिसने एसआईआर में दिन रात काम किया। लेकिन उसे मानदेय नहीं मिला। इसके कारण आत्महत्या कर ली। आरोप लगाया कि बदायूं के एचपीसीएल प्लांट में भाजपा के एक विधायक के गुर्गे द्वारा दो अधिकारियों की हत्या कर दी गई। काशी मणिकर्णिका घाट पर लगी महारानी अहिल्याबाई होलकर की प्रतिमा को क्षतिग्रस्त कर विरासत की हत्या कर दी गई। आगरा समेत प्रदेश भर के सभी आलू किसान परेशान हैं। एक क्विंटल बुवाई की लागत 1200-1500 है, लेकिन दाम 200-300 रुपये प्रति क्विंटल ही मिल रहा है। इस दौरान आगरा के किसानों ने भूमि विकास बैंक द्वारा किए जा रहे अपने उत्पीड़न की कहानी बताई।

निरीक्षण | केंद्रीय सचिव ने लखनऊ में की स्किल इको-सिस्टम की समीक्षा

उद्योग आधारित प्रशिक्षण को और मजबूत करने पर जोर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- आईटीआई अलीगंज में आधुनिक प्रशिक्षण मॉडल की सराहना

लखनऊ स्थित आईटीआई अलीगंज का निरीक्षण करतीं केंद्रीय सचिव देबाश्री मुखर्जी।

अमृत विचार : केंद्र सरकार की सचिव (व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता) देबाश्री मुखर्जी ने गुरुवार को लखनऊ दौरे के दौरान उप्र. के स्किल इको-सिस्टम की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई), अलीगंज का निरीक्षण कर वहां संचालित प्रशिक्षण कार्यक्रमों का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने संस्थान में चल रहे विभिन्न ट्रेड्स और प्रशिक्षण मॉड्यूल की जानकारी ली और प्रशिक्षार्थियों से संवाद कर प्रशिक्षण की गुणवत्ता पर फीडबैक भी प्राप्त किया। रेमंड टेलरिंग सेंटर सहित कई इकाइयों का अवलोकन करते हुए उन्होंने कौशल प्रशिक्षण की व्यवस्था की सराहना की।

सचिव मुखर्जी ने टाटा टेक्नोलॉजीज के सहयोग से स्थापित अत्याधुनिक लैब्स और कार्यशालाओं का निरीक्षण किया। साथ ही रॉयल एनफील्ड और मारुति सुजुकी के वर्कशॉप का दौरा कर उद्योगों की जरूरतों के अनुरूप तैयार किए जा रहे युवाओं की सराहना की। ऑटोकैड लैब में प्रशिक्षार्थियों द्वारा तैयार की जा रही तकनीकी ड्रॉइंग को उन्होंने सराहा, वहीं टर्नर वर्कशॉप में भी विद्यार्थियों से बातचीत कर उनके अनुभव जाने। इस दौरान एचसीएल फाउंडेशन समर्थित 'स्किल रथ' पहल का भी अवलोकन किया गया, जिसे उन्होंने कौशल विकास से युवाओं को जोड़ने की प्रभावी पहल बताया।

समीक्षा बैठक में प्रदेश में चल रहे नवाचारों, अप्रेंटिसशिप योजनाओं और निजी क्षेत्र की भागीदारी पर प्रस्तुतीकरण दिया गया। देबाश्री मुखर्जी ने उत्तर प्रदेश के स्किल मॉडल को देश के लिए मिसाल बताते हुए कहा कि राज्य रोजगारपरक प्रशिक्षण की दिशा में प्रभावी कार्य कर रहा है।

बागपत के खान अधिकारी को प्रतिकूल प्रविष्टि

अमृत विचार, लखनऊ : बागपत में खनन कार्यों और राजस्व प्राप्ति में खराब प्रदर्शन और लापरवाही के चलते खान अधिकारी वीरेन्द्र प्रताप सिंह को वित्तीय वर्ष 2025-26 की मध्यावधि के लिए विशेष प्रतिकूल प्रविष्टि दी गई है। यह कार्रवाई गुरुवार को भूतत्व एवं खनिकर्म विभाग की सचिव एवं निदेशक माला श्रीवास्तव ने बागपत में खनन कार्यों और राजस्व प्रगति की समीक्षा के बाद की है। समीक्षा में पाया गया कि 42 करोड़ रुपये के लक्ष्य के सापेक्ष केवल 22.85 करोड़ रुपये की ही राजस्व प्राप्ति हुई। खनन पट्टों के निष्पादन में देरी, जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट (डीएसआर) के अद्यतन में लापरवाही और संभावित खनन क्षेत्रों को शामिल न करने जैसी कमियां सामने आईं।

ड्राइविंग ट्रेनिंग सेंटर खोलने को मांगे आवेदन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश में योग्य चालकों की उपलब्धता बढ़ाने के लिए परिवहन विभाग ने बड़ा कदम उठाया है। प्रदेश के 20 जिलों में 32 प्रत्यायन चालन प्रशिक्षण केंद्र (ड्राइविंग ट्रेनिंग सेंटर) स्थापित करने के लिए पहली अप्रैल से ऑनलाइन आवेदन मांगे गए हैं।

राज्य परिवहन आयुक्त किंजल सिंह ने गुरुवार को बताया कि आवेदन प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन होगी। इसके लिए विभाग ने एक विशेष पोर्टल विकसित किया है, जहां इच्छुक और पात्र आवेदक अपने आवेदन आवश्यक दस्तावेजों के साथ जमा कर सकेंगे। उन्होंने बताया कि आवेदन 1 अप्रैल 2026 को दोपहर 12 बजे से स्वीकार किए जाएंगे।

बलिया में सबसे ज्यादा खुलेंगे चार केंद्र

रिक्तियों की बात करें तो बलिया में सबसे अधिक 4 केंद्र खोले जाएंगे। कानपुर नगर और बदायूं में 3-3, जबकि महराजगंज, लखीमपुर खीरी, सिद्धार्थनगर, संतकबीरनगर और बलरामपुर में 2-2 केंद्र स्थापित किए जाएंगे। इसके अलावा रामपुर, हरदोई, फिरोजाबाद, अंबेडकरनगर, कुशीनगर, बहराइच, फर्रुखाबाद, चंदौली, फतेहपुर, महोबा, चित्रकूट और श्रावस्ती में 1-1 केंद्र खोले जाएंगे।

चैत्र नवरात्रि
की हार्दिक शुभकामनाएं
मिलते-जुलते नामों, डिज़ाइन व कलर स्कीम से भ्रमित न हों
केवल असली होलोग्राम युक्त
एम. के. बन्धानी हींग ही खरीदें
पाँच पीढ़ी की विश्वसनीय हींग परम्परा
पुण्यश्लोक गोलोकवासी
बाबू किशोर चन्द कपूर "किशोर" जी
के आशीर्वाद से अभिसिंचित एवम् संचालित
एम. के.
बन्धानी हींग
श्री के. एम. डिस्ट्रीब्यूटर
विक्रय केन्द्र : नारायन प्लाजा, 51/71 नयागंज
कानपुर 208001, फोन – 9519456555, 9695416555

द्वितीय ब्रह्मचारिणी

दूसरे दिन नवरात्र में मां के ब्रह्मचारिणी एवं तपश्चारिणी रूप को पूजा जाता है। जो साधक मां के इस रूप की पूजा करते हैं उन्हें तप, त्याग, वैराग्य, संयम और सदाचार की प्राप्ति होती है और जीवन में वे जिस बात का संकल्प कर लेते हैं उसे पूरा करके ही रहते हैं। देवी ब्रह्मचारिणी की पूजा से मंगल दोष खत्म होता है।

बीज मंत्र.....

माँ ब्रह्मचारिणी: ह्रीं श्री अम्बिकायै नमः।

न्यूज ब्रीफ

अखिल इंफ्रा और आरईपीएल क्रूसेडर्स ने दर्ज की शानदार जीत

अमृत विचार, लखनऊ : ए डिवीजन क्रिकेट लीग में अखिल इंफ्रा और आरईपीएल क्रूसेडर्स ने अपने-अपने मुकाबले जीतकर पूरे अंक अर्जित किए। दोनों टीमों ने प्रभावी प्रदर्शन करते हुए विरोधियों को पीछे छोड़ दिया। स्पोर्ट्स गैलेक्सी बी ग्राउंड में खेले गए पहले मुकाबले में ध्रुव क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 40 ओवर में 9 विकेट पर 180 रन बनाए। अंश यादव ने 67 गेंदों पर 68 रन की अर्धशतकीय पारी खेली, जबकि माधवेंद्र चौहान ने 29 रन जोड़े। गेंदबाजी में शाश्वत कृष्णा ने तीन विकेट लिए। जवाब में अखिल इंफ्रा ने 32.1 ओवर में 3 विकेट पर लक्ष्य हासिल कर लिया। हर्षजीत यादव ने 61 रन और अंश पटेल ने 41 रन का योगदान दिया। दूसरे मुकाबले में आरईपीएल क्रूसेडर्स ने 40 ओवर में 5 विकेट पर 432 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। अमन कृष्णा (138) और हिमांशु सिंह (128) ने शतकीय पारियां खेलीं, जबकि सजल वर्मा ने 83 रन बनाए। जवाब में डीवाईए की टीम 214 रन पर सिमट गई। सुयश सिंह ने 108 रन बनाए, लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके। गेंदबाजी में प्रिंस मौर्या, सजल वर्मा और शास्वत पांडेय ने तीन-तीन विकेट लिए।

टू लेन उपरिगामी सेतु के स्लैब का एक हिस्सा गिरा

अमृत विचार, लखनऊ : चन्दौली में डीएफसीसी रूट के मुगलसराय-गया रेल सेक्शन पर स्थित सम्पार संख्या 78सी पर निर्माणाधीन 2 लेन रेल उपरिगामी सेतु के स्लैब का एक हिस्सा बुधवार को गिर गया। इसमें कोई जनहानि नहीं हुई। लापरवाही पर ठेकेदार श्रेष्ठाभिषेक बिल्डकॉन प्रालि. रामपुर के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गयी है। साथ ही सहायक अभियंता एवं परियोजना प्रबंधक के खिलाफ विभागयी कार्यवाही की जा रही है। 18 मार्च को बनौली खुर्द साइड में एबटमेंट ए-2 तथा पियर पी-6 के मध्य डेक स्लैब के कंक्रीट का कार्य प्रगति पर था। रात लगभग 11 बजे कंक्रीट कार्य के दौरान हाइड्रा का बूम स्टेजिंग से टकरा गया, जिससे स्टेजिंग सहित निर्माणाधीन स्लैब का एक भाग क्षतिग्रस्त होकर गिर गया। अच्छी बात यह रही कि कोई हताहत नहीं हुआ। प्रबन्ध निदेशक राज्य सेतु निगम लिमिटेड ने सेतु कार्य पर तैनात प्रथम दृष्टया दोषी पाए जाने पर अवर अभियन्ता (सिविल) को तत्काल प्रभाव से निलम्बित कर दिया। साथ ही सहायक अभियन्ता एवं परियोजना प्रबन्धक चंदौली के विरुद्ध विभागीय कार्यवाही प्रारम्भ कर दी है। क्षतिग्रस्त निर्माण भाग की विस्तृत जांच के लिए संयुक्त प्रबन्ध निदेशक (मुख्य अभियन्ता-लोनिवि) की अध्यक्षता में 3 सदस्यीय तकनीकी समिति का गठन किया है। समिति कार्यस्थल का गहन तकनीकी निरीक्षण कर 3 दिन के भीतर अपनी जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी।

नवरात्र व ईद के त्योहार पर अमीनाबाद बाजार में उमड़ी भीड़

अमीनाबाद स्थित महिला कॉलेज के पास टोपी की खरीदारी करते मुस्लिम समुदाय के लोग।

डिजाइनर टोपियों और सेवइयों से पटा बाजार, जुटे खरीदार

ईद की रौनकः नक्खास, अमीनाबाद, चौपटिया, मौलवीगंज, नजीराबाद और चौक में देर रात तक चला खरीदारी का सिलसिला

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: साप्ताहिक बंदी वाले दिन ईद से पहले पड़े आखिरी गुरुवार को बाजारों में जबरदस्त भीड़ नजर आई। कोई पसंदीदा सेवईं खरीदता दिखा तो कोई इबादत के दौरान पहने जानी वाली डिजाइनर टोपियों को पसंद करते देखे गए। पुराने शहर के सभी प्रमुख बाजारों में बुर्कानशीं का हुजूम खरीदारी करते दिखा। ईद पर पहने जाने वाले कपडे, कुर्ता-पायजामा, चूड़ियां आदि तमाम चीजों के खरीदार बड़ी संख्या में बाजारों में दिखे। नजीराबाद, अमीनाबाद, मौलवीगंज, नक्खास, चौक, चौपटिया समेत पुराने लखनऊ के तमाम बाजारों में रात तक रौनक देखने को मिली। माह-ए-रमजान अब अपने आखिरी पड़ाव पर है और इसके साथ ही शहर के पुराने बाजारों में ईद की रौनक चरम पर दिखी। पुराने लखनऊ के बाजारों का हर मार्ग जाम था।

हर बजट के लिए विकल्प : बाजार में 50 रुपये से लेकर 1000 रुपये तक की टोपियां उपलब्ध हैं। इंडोनेशिया टोपी 20-50 रुपये, जरवी कॉटन टोपी 30-120 रुपये, चिकन लखनवी टोपी 40-60 रुपये, बांग्लादेशी टोपी 80-200 रुपये, अफगानी टोपी 60-100 रुपये, बरकाती गोल टोपी 100 से 1000 रुपये तक। रंग-बिरंगी और सादी दोनों तरह की टोपियां ग्राहकों को आकर्षित कर रही हैं।

अमीनाबाद स्थित महिला कॉलेज के पास ईद के त्यौहार में सीवई की खरीदारी करती मुस्लिम महिलाएं

फैशन और परंपरा का संगम

- इबादत और रमजान का जिक्र हो और टोपियों की बात न हो, ऐसा संभव नहीं। इस बार बाजार में पारंपरिक के साथ-साथ आधुनिक डिजाइन की टोपियों का जबरदस्त क्रेज देखने को मिल रहा है। अमीनाबाद के टोपी विक्रेता अख्तर आलम के अनुसार, रमजान के दौरान टोपियों की बिक्री सामान्य दिनों की तुलना में कई गुना बढ़ जाती है। इस समय बाजार में लोकल के साथ अफगानी, इंडोनेशियाई, तुर्की और बांग्लादेशी टोपियां छाई हुई हैं।
- **ट्रेंडिंग टोपियां :** इस सीजन 'ओवैसी टोपी' खासा चर्चा में है, जो गोल और नरम कपड़े की होती है। इसकी कीमत 200 से 500 रुपये के बीच है। इसके अलावा मुमताज और फिरोज टोपी की भी अच्छी मांग बनी हुई है। अख्तर आलम बताते हैं कि इस बार सबसे ज्यादा डिमांड पट्टा गोल और जरवी कॉटन टोपियों की है, जिन्हें दिल्ली, मुंबई, कोलकाता और रामपुर से मंगवाया गया है।

रिश्तों की मिठास से महकता सेवइयों का बाजार

- ईद के मौके पर सेवइयों की खरीदारी भी जोरों पर है। नक्खास और चौक बाजारों में 60 से 250 रुपये प्रति किलो की रेंज में किमामी, लच्छेदार, बनारसी और फेनी सेवइयों की खूब बिक्री हो रही है। दूध वाली और सूखी किमामी सेवइयों के साथ-साथ रोस्टेड सेवइयों की मांग भी रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई है। बनारसी सेवईं में भी कई वेराइटी आ गई हैं। भट्ठी में भुनी सेवईं के अलावा इस बार ओवन में भुनी बनारसी सेवईं भी आई है जो एक रंग और एक सी पकी हुई है। यह भी खूब बिक रही है। जर्दे के शौकीन लोगों के लिए मजाफर सेवईं भी मिल रही है। इसके अलावा लखनऊ की पहचान महीन व मीडियम सेवईं तो इस बार भी सबसे ज्यादा बाजार में मौजूद है, जिसे दूर-दूर से लोग खरीदने के लिए आ रहे हैं। दुकानदारों के अनुसार, इस बार सेवइयों की बिक्री पिछले वर्षों की तुलना में अधिक हो रही है।

ऐशबाग स्थित ईदगाह में ईद का चांद देखते मौलाना खालिद रशीद फिरंगी महली

नहीं दिखा चांद, ईद-उल-फितर कल, अलविदा आज

- **अमृत विचार, लखनऊ :** 29 रमजान को शिया और सुन्नी चांद कमेटियों ने ईद का चांद देखने की कोशिश की लेकिन चांद की तस्दीक नहीं हुई, इसलिए 20 मार्च को 30 रमजान होगा और 21 मार्च को ईद-उल-फितर का त्यौहार मनाया जाएगा। शिया मरकजी चांद कमेटी के अध्यक्ष मौलाना सैय्यद सैफ अब्बास नकवी, मरकजी चांद कमेटी फिरंगीमहल के अध्यक्ष और शहर काजी मौलाना खालिद रशीद फिरंगी महली और टीले वाली मस्जिद के शाहे इमाम मौलाना सैय्यद फजलुल मन्नान रहमानी ने अलग-अलग एलान किया है कि 29 रमजान को ईद का चांद नहीं दिखाई दिया, इसलिए 20 मार्च को रमजान की 30 तारीख होगी और 21 मार्च को ईद-उल-फितर का त्यौहार मनाया जाएगा। 29 रमजान को ईद का चांद नजर नहीं आने की वजह से 30 रमजान को रमजान का अंतिम शुक्रवार माना जाएगा। पिछले शुक्रवार को अलविदा की नमाज अदा की जा चुकी है लेकिन चांद न होने की वजह से 20 मार्च को मस्जिदों में अलविदा की नमाज अदा की जायेगी।

ईद की नमाज का समय

- **अमृत विचार, लखनऊ :** ईद-उल-फितर की नमाज 21 मार्च को राजधानी की ईदगाह और विभिन्न मस्जिदों में अदा की जायेगी। ऐशबाग ईदगाह में ईद-उल-फितर की नमाज 21 मार्च को सुबह 10 बजे होगी। एतिहासिक आसिफी मस्जिद में नमाज पूर्वाह्न 11 बजे से होगी। इसके अलावा मस्जिद इब्राहीमी गली मीर माता में प्रात: 6:35 बजे, मस्जिद तकवियतुल ईमान, नादान महल रोड में प्रात: 7:00 बजे, मस्जिद एक मीनारा, अकबरी गेट में प्रात: 7:00 बजे, मस्जिद अबू बक्र, भोला नाथ कुआं में प्रात: 7:00 बजे, मस्जिद सिद्दीकिया, हाता भीकम खां में प्रात: 7:15 बजे, मस्जिद इब्राहीमी, बिल्लौचपुरा में प्रात: 7:30 बजे ईद-उल-फितर की नमाज अदा की जायेगी। मस्जिद दारूल उलूम नदवतुल उलेमा में प्रात: 8:00 बजे, मस्जिद उमर बिल्लौचपुरा में प्रात: 8:00 बजे, मस्जिद सिद्दीकिया कटास मोहम्मद अली खां में प्रात: 8:00 बजे, मस्जिद दरगाह शाह मीना शाह में प्रात: 8:30 बजे, मस्जिद कादिर खां तालकटोरा में प्रात: 8:30 बजे, मस्जिद बिस्मिल्लाह शाह चौपटिया में प्रात: 8:30 बजे, चांद वाली मस्जिद तालकटोरा में प्रात: 9:00 बजे और मस्जिद उमर तम्बाकू मण्डी में प्रात: 9:00 बजे ईद की नमाज अदा की जायेगी।

घर का खर्च पत्नी चलाती है तो पति और बच्चों का फितरा उस पर वाजिब

अमृत विचार, लखनऊः कार्यालय आयतुल्लाह अल उज्मा सैयद सादिक़ हुसैनी शीराजी की ओर से जारी शिया हेल्पलाइन पर 29 रमजान को रोजेदारों द्वारा पूछे गये सवालों के जवाब मौलाना सैयद सैफ अब्बास नक़वी ने दिए।

29 रमजान को हेल्पलाइन पर एक रोजेदार ने पूछा कि ईद के दिन कौन से काम करना जरूरी है? इसके जवाब में बताया गया कि ईद के दिन सुबह की नमाज के बाद फितरा निकालें, अच्छे कपड़े पहनें, खुशबू लगाएं, ईद की नमाज से पहले कुछ मीठा खाएं, जियारत इमाम हुसैन पढ़ें। एक सवाल आया कि अगर कोई व्यक्ति फितरे की रकम रखता है और मोहताज को देने में देरी करता है तो क्या यह गुनाह का कारण बनेगा?

इसके जवाब में बताया गया कि अगर कोई व्यक्ति फितरा निकालने के बाद अपने पास रखता है तो यह गलत है, क्योंकि फितरे के लिए हुक्म यह है कि गरीब को जल्द से जल्द दिया जाए ताकि वह भी ईद मना सके। बेहतर यह है कि फितरा यतीम खाने में दिया जाए। यतीमों पर खर्च किया जाए, मिस्कीनों को दिया जाए।

इसलिए फितरा निकालते ही फौरन गरीब तक पहुंचा दिया जाना चाहिए ताकि फितरा निकालने वाले के जरिए से उस गरीब की भी ईद हो जाए। एक रोजेदार ने पूछा कि अगर घर का खर्च पत्नी उठाती हो, तो क्या पति और बच्चों का फितरा निकालना पत्नी पर वाजिब है? इस सवाल के जवाब में बताया गया कि अगर घर की जिम्मेदारी पत्नी संभालती है, तो पति और बच्चों का फितरा निकालना पत्नी पर वाजिब है।

हेल्पलाइन पर एक सवाल आया कि अगर किसी लड़की का निकाह हो चुका है लेकिन अभी उसे रुख्सत नहीं किया गया है तो उसका फितरा कौन अदा करेगा? इसके जवाब में बताया गया कि अगर अभी सिर्फ निकाह हुआ है और रुख्सती नहीं हुई है और लड़की अभी पिता के साथ रहती है तो उसका फितरा पिता के जिम्मे होगा, पति के नहीं।

यूपी रेरा ने तीन परियोजनाओं पर लगाया 5-5 लाख रुपये जुर्माना

कार्यालय संवाददाता लखनऊ

- रेरा की 198वीं अथॉरिटी बैठक में लिया गया निर्णय
- पंजीकरण कराए बिना प्रचार और की जा रही थी बिक्री

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश भू-सम्पदा विनियामक प्राधिकरण (रेरा) ने अपंजीकृत आवासीय परियोजनाओं के प्रचार-प्रसार के मामलों में सख्त कार्रवाई करते हुए तीन परियोजनाओं पर 5-5 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। इनमें एस्टेट 105, शोभा रिवाना और अविकल्प एस्टेट परियोजनाएं शामिल हैं। यह निर्णय रेरा की 198वीं अथॉरिटी बैठक में लिया गया। यह कार्रवाई भू-सम्पदा (विनियमन और विकास) अधिनियम, 2016 की धारा-3 के उल्लंघन के मामलों में की गई है।

रेरा अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार, किसी भी योजना क्षेत्र में स्थित ऐसी रियल एस्टेट परियोजना, जिसका क्षेत्रफल 500 वर्ग मीटर से अधिक हो या जिसमें 8 से अधिक फ्लैट या अपार्टमेंट शामिल हों, उसका विज्ञापन, विपणन, बुकिंग या बिक्री शुरू करने से पहले रेरा में पंजीकरण कराना अनिवार्य है। बिना पंजीकरण के किसी भी माध्यम चाहे वह वेबसाइट, सोशल मीडिया या अन्य प्लेटफॉर्म हो पर परियोजना का प्रचार-प्रसार करना कानूनन अपराध की श्रेणी में आता है।

प्राधिकरण ने जांच में पाया कि मैक्स एस्टेट की नोएडा स्थित परियोजना 'एस्टेट 105' तथा सोभा लिमिटेड की नोएडा स्थित परियोजना 'सोभा रिवाना' का प्रचार-प्रसार बिना रेरा पंजीकरण के वेबसाइट के माध्यम से किया जा रहा था। धनुषकोठी बिल्डर एवं डेवलपर की लखनऊ स्थित परियोजना 'अविकल्प एस्टेट' में बिना पंजीकरण के बिक्री किए जाने का मामला सामने आया, जो गंभीर उल्लंघन माना गया।

इन मामलों में रेरा ने संबंधित प्रमोटरों को पूर्व में नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा था, प्रस्तुत किए गए जवाब संतोषजनक नहीं पाए गए। इसके बाद प्राधिकरण ने भू-सम्पदा (विनियमन और विकास) अधिनियम, 2016 की धारा-59 के अंतर्गत कार्रवाई करते हुए तीनों परियोजनाओं पर 5-5 लाख रुपये का अर्थदंड लगाया।

राजस्व वसूली व पोर्टल पेंडेंसी शून्य करने के निर्देश

अमृत विचार, लखनऊ : मध्यांचल एमडी रिया केजरीवाल की ओर से गुरुवार को अमौसी क्षेत्र का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मुख्य अभियन्ता अमौसी को मार्च माह के राजस्व वसूली के लक्ष्य को शत-प्रतिशत पूर्ण किया जाने के साथ ही झटपट पोर्टल पर लंबित प्रकरणों को शीघ्र निस्तारित कर पेंडेंसी को शून्य किए जाने के लिए निर्देशित किया। इसके अलावा उन्होंने बिजली बिल राहत योजना के अंतर्गत पंजीकृत उपभोक्ताओं से संबंधित सभी कार्यों को समय से पूरा कराने के लिए अधिशासी अभियन्ता पीआर एडमिन को जिम्मेदारी सौंपी। उन्होंने समस्याओं की सूची तैयार कर अधीक्षण अभियन्ता (तकनीकी), अधिशासी अभियन्ता 33 केवी और अधिशासी अभियन्ता 11 केवी को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए, जिससे निर्धारित समय-सीमा में समाधान को सुनिश्चित किया जा सके।

झूलेलाल की जयंती के उपलक्ष्य में स्कूटर रैली निकालतीं सिंधी समाज की महिलाएं।

सिंधी महिलाओं ने निकाली स्कूटर रैली

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार। सिंधी समाज की महिलाओं ने अपने आराध्य झूलेलाल की जयंती के उपलक्ष्य में गुरुवार को स्कूटर रैली निकाली। सिंधी समाज ने अपने समाज के व्यापारियों से अपील की है कि झूलेलाल जयंती पर अपने प्रतिष्ठानों पर छूट जरूर दें। सिंधी समाज की महिलाओं ने आज स्कूटर रैली निकाल कर झूलेलाल के जयकारे लगाए। जो कहेगा झूले लाल उसका होगा बेड़ा पार के नारों के साथ निकली महिलाओं की बाइक रैली का संचालन रेनू वरयानी, साक्षी बत्रा और दिव्या रामानी ने किया।

इसके अलावा कुछ निष्ठावान लोगों को सम्मानित किया जाएगा चेट्टी चंद मेला कमेटी प्रवक्ता अशोक मोतियानी, अध्यक्ष रतन मेघानी, महामंत्री संजय जसवानी, कोषाध्यक्ष सतेन्द्र भावनानी, इंदर कालाणी, हंसराज, राजपाल, राजू जसवानी, सतीश लखमानी, आनंद खत्री, विक्की दयलानी, नितेश मध्यान, पुनीत बतरा, श्याम कृष्णानी, पुलकित राजपाल सहित सभी ने झूलेलाल जयंती पर अपने-अपने प्रतिष्ठानों में ग्राहकों को छूट दिए जाने की अपील की है। साथ ही मेले में संकल्प लिया जाएगा कि समाज की युवा पीढ़ी को सिंधी भाषा सिखाई जाएगी और आपस में सिंधी में ही बात की जाएगी।

आयोजन महोत्सव का शुभारंभ कलश स्थापना व गणेश पूजन के साथ किया गया

चैती महोत्सव के मंच पर कृष्ण जन्म के साथ शुरू हुई कृष्णलीला

रामलीला मैदान में कृष्णलीला का मंचन करते कलाकार।

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार। गुरुवार को चैत्र शुक्ल पक्ष प्रतिपदा को भारतीय नववर्ष के पहले दिन ऐशबाग के ऐतिहासिक रामलीला मैदान मे चैती महोत्सव शुरू हुआ। सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शुरुआत प्रदेश के संस्कृति और पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने दीप प्रज्ज्वलित कर की। इस अवसर पर रामलीला समिति ऐशबाग के अध्यक्ष हरीशचन्द्र अग्रवाल, मंत्री आशुतोष शर्मा, कोषाध्यक्ष ऋतुराज रस्तोगी, हर्षित जयसवाल, शुभम अग्रवाल सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

गुरुवार की सुबह चैती महोत्सव का शुभारंभ कलश स्थापना व गणेश पूजन के साथ किया गया। जिसे आचार्य अशोक कुमार पाधा जी (मंगलू पंडित) एवं पंडित ललित ने मुख्य यजमान शील कुमार अग्रवाल के साथ विधि विधान के साथ पूर्ण किया। महोत्सव के दिन की कृष्ण लीला का मंचन क्रूर कंस के अत्याचारों से शुरू हुआ। जिससे विचलित होकर देवता भगवान विष्णु से कंस की व्यथा सुनाते हैं। यह सुनकर श्रीहरि स्वयं अवतार लेकर कंस के अत्याचारों का अंत करने का वचन देते हैं।

कंस अपनी बहन का ब्याह अपने मित्र वासुदेव से कराने के बाद स्वयं रथ चलाकर बहन को विदा करने निकलता है, तभी आकाशवाणी होती है कि देवकी के आठवें पुत्र द्वारा कंस के वध की बात कही जाती है, जिसे सुनते ही बौखलाया कंस नवविवाहिता बहन को उसके पति समेत कारागार में डाल देता है।

इधर समय बीतने के साथ देवकी के छह पुत्रों को कंस ने पैदा होते ही मार डाला तब विष्णु की योगमाया ने देवकी के गर्भ को वासुदेव की पहली पत्नी रोहिणी के गर्भ में स्थापित कर दिया जिसके उपरांत बलराम का जन्म होता है। अब बारी थी देवकी के आठवें पुत्र के जन्म की तब भगवान श्री हरि विष्णु ने पुनः योगमाया को माता यशोदा के गर्भ में जाने का आदेश देते हैं और स्वयं कंस के कारागार में देवकी के गर्भ से जन्म लेकर कृष्ण की लीलाओं का आरंभ करते हैं। कृष्ण जन्म के बाद कारागार खुल जाता है पहरेदार सो जाते हैं और वासुदेव तमाम मुश्किलों को पार कर नंदगांव जाते हैं जहां कृष्ण को छोड़ कर नंदबाबा और माता यशोदा के घर जन्मी योगमाया रूपी कन्या को लेकर कारागार में लौट आते हैं।

अनफिट स्कूली वाहनों में सफर कर रहे हजारों बच्चे

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- 126 वाहन अनफिट, 49 बिना परमिट मिले

अमृत विचारः शहर में स्कूली बच्चों की सुरक्षा को लेकर गंभीर लापरवाही सामने आई है। शहर के कई नामचीन निजी स्कूल और कॉलेज मानकों को दरकिनार कर अनफिट वाहनों का संचालन कर रहे हैं। इन वाहनों में रोजाना हजारों बच्चे जान जोखिम में डालकर सफर करने को मजबूर हैं।

संभागीय परिवहन कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार शहर में कुल 1797 स्कूली वाहन पंजीकृत हैं। जांच में सामने आया है कि इनमें से 126 वाहन पूरी तरह अनफिट हैं, जबकि 49 वाहनों के परमिट समाप्त हो चुके हैं। इसके बावजूद ये वाहन सड़कों पर धड़ल्ले से चल रहे हैं। बताया जा रहा है कि इन अनियमितताओं में बस, वैन और अन्य छोटे वाहन शामिल हैं, जो बिना वैध फिटनेस सर्टिफिकेट और स्कूल परमिट के संचालित हो रहे हैं।

"हाल के समय में प्रदेश के विभिन्न जिलों में स्कूली वाहनों से हुए हादसों को देखते हुए परिवहन मुख्यालय ने सख्ती दिखाई है। 1 अप्रैल से 15 अप्रैल तक विशेष अभियान चलाकर ऐसे वाहनों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। संभागीय कार्यालय की प्रवर्तन टीम ने अनफिट वाहनों की पहचान कर सूची तैयार कर ली है और जल्द ही इन पर कार्रवाई शुरू की जाएगी।

-आलोक यादव, एआरटीओ प्रवर्तन, लखनऊ

अमृत विचार

लखनऊ, शुक्रवार, 20 मार्च 2026

लखनऊ

न्यूज ब्रीफ

पत्नी से झगड़कर पानी की टंकी पर चढ़ा

अमृत विचार, लखनऊ : ठाकुरगंज के मुसाहिबगंज पार्क की पानी की टंकी पर गुरुवार को चढ़कर एक युवक आत्महत्या करने का प्रयास कर रहा था। युवक को पानी की टंकी पर चढ़ा देखकर लोगों की भीड़ लग गई। लोगों ने युवक को टंकी से उतरने के लिए कहा। लेकिन वह नहीं माना। इस बीच सूचना पर पहुंची पुलिस ने समझा-बुझाकर युवक को पानी की टंकी से नीचे उतारा। पुलिस ने परिजनों को बुलाकर युवक को सौंप दिया। पुलिस ने बताया कि पत्नी से झगड़े के बाद युवक गुस्से में पानी की टंकी पर चढ़ गया था।

गैंगरेप मामले में एक आरोपी गिरफ्तार

अमृत विचार, बख्शी का तालाब : महिगवां पुलिस ने किशोरी से सामूहिक दुष्कर्म के मामले में एक आरोपी को सीएचसी इंदौराबाग के पास से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। पीड़िता की मां ने रिपोर्ट दर्ज करायी थी। पुलिस ने आरोपी बृजेश यादव निवासी मदेयगंज को गिरफ्तार कर लिया है।

आवास योजना के लिए कारवाई शुरू करें : केशव

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में आवासविहीन परिवारों को पक्की छत देने के उद्देश्य से उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने वर्ष 2026-27 के लिए मुख्यमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के लाभार्थियों के चयन और मांग पत्र भेजने के निर्देश ग्राम्य विकास विभाग के अधिकारियों को दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार हर आवासविहीन व्यक्ति को पक्का आवास उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। यह पहली बार है, जब आगामी वित्तीय वर्ष के लाभार्थियों का चयन कार्य प्रारंभ होने से पहले ही शुरू किया गया है।

प्रमुख सचिव वन ने मांगों पर दिया आश्वासन

अमृत विचार, लखनऊ : पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग की प्रमुख सचिव वी. हेकाली झिमोमी से गुरुवार को राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के महामंत्री अतुल मिश्र ने शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान कर्मचारी परिषद की ओर से वन विभाग से जुड़े विभिन्न संगठनों की समस्याएं और मांगें भी प्रमुख सचिव के समक्ष रखी गईं और शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेने का अनुरोध किया। परिषद के महामंत्री ने उम्मीद जताई कि कर्मचारी हितों को ध्यान रखेंगी। प्रमुख सचिव ने भरोसा दिलाया कि सरकार कर्मचारियों की समस्याओं के प्रति संवेदनशील है और उनके हित में सार्थक कदम उठाए जाएंगे।

जनगणना को लेकर दिया गया प्रशिक्षण

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में इस वर्ष होने वाली जनगणना पूरी तरह डिजिटल होगी, जिससे आंकड़े पहले से तेज और सटीक उपलब्ध होंगे। पूरा डेटा मोबाइल एप और केंद्रीय पोर्टल सीएमएमएस के माध्यम से संग्रहित और प्रबंधित किया जाएगा। पंचायती राज प्रशिक्षण संस्थान में गुरुवार को जिला पंचायत राज अधिकारियों के लिए राज्य स्तरीय एक दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया, जिसमें सभी जिलों के अधिकारी शामिल हुए। पंचायती राज विभाग के विशेष सचिव राजेश त्यागी ने कहा कि जनगणना के आंकड़े विकास की नींव होते हैं। जनगणना निदेशक शीतल वर्मा ने बताया कि इस बार लोगों को पहली बार स्व-गणना का अवसर मिलेगा, जिसमें वे स्वयं अपनी जानकारी दर्ज कर सकेंगे।

तीन माओवादियों को 10 वर्ष की सजा

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अदालत से सजा पाने वाले तीनों माओवादी।

अमृत विचार: प्रतिबंधित संगठन सीपीआई (माओवादी) के तीन सदस्यों को एनआईए व एटीएस की अदालत ने 10 वर्ष की कठोर कारावास और 29-29 हजार रुपये का जुर्माना लगाया है। तीनों को एसटीएफ ने 8 अक्टूबर 2010 को कनपुर के किदवई नगर से गिरफ्तार किया था। आरोपियों के पास से भारी मात्रा में सीपीआई (माओवादी) की विचारधारा से सम्बन्धित साहित्य, पम्पलेट, सीडी-कैसेट व मैगजीन बरामद हुए थे, जिन्हें वह संगठन के सदस्यों को वितरण करते थे।

एनआईए व एटीएस की कोर्ट ने प्रतिबंधित संगठन सीपीआई (माओवादी) के सक्रिय सदस्य उत्तराखंड के अल्मोड़ा स्थित नौरा निवासी शिवराज सिंह बग्दावल, दवारघाट छतगुल्ला का राजेन्द्र कुमार उर्फ अरविन्द और कुशीनगर कसया के दिलीप नगर निवासी कृपाशंकर उर्फ मनोज को गुरुवार को सजा सुनाई। आरोपियों को एसटीएफ ने कानपुर के किदवईनगर से गिरफ्तार किया था। उनके खिलाफ किदवईनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज की गई थी। जांच में एसटीएफ ने पाया कि प्रतिबंधित आतंकी संगठन सीपीआई (माओवादी) की विचारधारा से सम्बन्धित साहित्य, पम्पलेट, सीडी-कैसेट व मैगजीन बरामद हुए थे, जिन्हे वह संगठन के सदस्यों को वितरण करते थे।

सुसाइड अलर्ट पर त्वरित कार्रवाई के लिए सम्मान

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

डीजीपी को मिले पुरस्कार को प्राप्त करते गाजियाबाद के पुलिस कमिश्नर जे. रविन्द्र गौड़।

- मेटा सुसाइड अलर्ट से पुलिस ने बचाई 2181 लोगों की जान

अमृत विचार: यूपी पुलिस के डीजीपी राजीव कृष्ण को पुलिस सोशल मीडिया पर जारी भ्रामक सूचनाओं का फैक्ट चेक करने और मेटा पर सुसाइड अलर्ट पर त्वरित कार्रवाई के लिए सम्मान मिला है। इसके साथ ही तय हो गया है कि अत्याधुनिक टेक्नालाजी में यूपी किसी से कम नहीं हैं। इस सम्मान को नई दिल्ली के एक होटल में डीजीपी की तरफ से गाजियाबाद के पुलिस कमिश्नर जे. रविन्द्र गौड़ ने प्राप्त किया।

सोशल मीडिया पर जारी होने वाले तमाम भ्रामक सूचनाओं की सत्यता के लिए यूपी पुलिस ने वर्ष 2017 में यूपी पुलिस फैक्ट चेक प्लेटफॉर्म शुरू किया था। इसी तरह पुलिस ने मेटा के साथ मिलकर सुसाइड अलर्ट भी जारी किया है। इस पर यदि कोई व्यक्ति सुसाइड करने की पोस्ट डालता है तो तुरंत ही पुलिस को अलर्ट मिलता है।

खास बात यह है कि यूपी पुलिस देश की एकमात्र राज्य पुलिस है, जिसे इस वर्ष दो अलग-अलग श्रेणियों में यह सम्मान प्राप्त हुआ। आंकड़ों के मुताबिक जनवरी 2023 से फरवरी 2026 तक मेटा अलर्ट के जरिए पुलिस ने 2181 लोगों की जान बचाई जा चुकी है।

प्रतियोगी परीक्षा के छात्र समेत दो पर हमला कर लूटी बाइक व नकदी

काकोरी में आधे घंटे के अंदर दो वारदातें, घायलों को अस्पताल में कराया गया भर्ती

संवाददाता, काकोरी

बदमाशों के हमले में घायल लूटे गए पीड़ित।

अमृत विचार: थाना क्षेत्र के कुशमौरा मोड़ के पास घर लौट रहे युवक पर हमला कर मोबाइल व बाइक लूट ली। वारदात को अंजाम देने के बाद चारों बदमाश फरार हो गए। घायल होने व एडमिट कार्ड लूटने के चलते गुरुवार को युवक की रेलवे की परीक्षा छूट गयी। इसके साथ ही काकोरी में ही बदमाशों ने मजदूर को माचिस मांगने के नाम पर रोका फिर जानलेवा हमला कर नकदी, मोबाइल व बाइक लूटकर फरार हो गए। काकोरी पुलिस बदमाशों की तलाश में सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है।

रहीमाबाद के अटेर निवासी सुमित तिवारी (32) गोमतीनगर में किराए के मकान में अकेले रहकर परचून की दुकान में नौकरी करते है। साथ ही प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी भी कर रहे हैं। सुमित ने बताया कि गुरुवार को रेलवे की परीक्षा थी। बुधवार रात तबीयत खराब होने के कारण बाइक से पैतृक गांव रहीमाबाद जा रहे थे। काकोरी स्थित कुशमौरा मोड़ के पास रात करीब दस बजे ठंड लगने के कारण बाइक किनारे खड़ी कर स्वेटर पहन रहे थे तभी पीछे से एक बाइक से चार अज्ञात बदमाशों ने हमला कर दिया। सिर पर वारकर उन्हें सड़क किनारे फेंक दिया। उसके बाद मोबाइल, नकदी व बाइक लूटकर मलिहाबाद की ओर फरार हो गए। घायल सुमित को सीएचसी में भर्ती कराया गया है।

वहीं, दूसरी घटना समदा चौकी क्षेत्र के मौंदा में लगभग 10:30 बजे हुई। मौंदा निवासी मनोज रावत बाइक से देर रात खेत से घर वापस लौट रहे थे। मौंदा मोड़ स्थित पेट्रोल पंप के पास रुककर लघुशंका कर रहे थे। तभी पीछे से एक बाइक सवार तीन अज्ञात बदमाशों ने पहले माचिस मांगी। उसके बाद सिर पर लोहे की रॉड से हमला कर घायल कर दिया। हमले से लहूलुहान होकर मनोज बेहोश हो गया। बदमाश तीन हजार रुपये, मोबाइल और बाइक लूट कर फरार हो गए। इंस्पेक्टर सतीश चंद्र राठौर ने बताया कि दोनों मामलों में रिपोर्ट दर्ज कर ली गयी है।

घोटाले के आरोपी बैंक अफसरों के ठिकानों पर सीबीआई का छापा

प्रधानमंत्री मुद्रा लोन के नाम पर 2.77 करोड़ का घोटाला

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- बैंक ऑफ इंडिया के मैनेजर व फील्ड अफसर समेत 44 पर कोर्ट के आदेश पर दर्ज हुई थी रिपोर्ट

अमृत विचार: सीबीआई ने बाराबंकी स्थित बैंक ऑफ इंडिया में प्रधानमंत्री मुद्रा लोन के नाम पर 2.77 करोड़ के घोटाले में सीबीआई सक्रिय हो गई। सीबीआई की टीमों ने तत्कालीन बैंक मैनेजर अमन वर्मा और फील्ड अफसर शैलेंद्र प्रताप के लखनऊ और मैनपुरी के पांच ठिकानों पर छापेमारी की। वहां पर टीम ने आवश्यक दस्तावेज बरामद किए हैं।

मामला तीन वर्ष पुराना है। प्रधानमंत्री मुद्रा लोन योजना में दस लाख तक बेरोजगारों को कारोबार शुरू करने के लिए ऋण देने की सुविधा है। इस मामले में बाराबंकी की बैंक ऑफ इंडिया की बरौली मलिक शाखा में मुद्रा लोन देने के नाम पर 2.77 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी को अंजाम दिया गया। आरोप है कि 41 लोगों के नाम से खाते खोले गए। उसके बाद दलाल सुरेश रावत के जरिए फर्जी तौर पर खाते खोलकर उनके खातों में घोटाले की रकम को ट्रांसफर कर दिया गया। एक युवक सलमान के नाम से भी फर्जी तौर पर 9.10 लाख रुपये का मुद्रा लोन स्वीकृत किया गया।

इस मामले में बैंक मैनेजर राजीव बच्चन ने पहले पुलिस में तहरीर दी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। उसके बाद बैंक की ओर से मामला हाईकोर्ट जा पहुंचा। अदालत में सलमान ने भी अपने बयान दर्ज कराए गए। अदालत के आदेश पर बैंक मैनेजर, फील्ड अधिकारी व दलाल समेत 44 लोगों पर मुकदमा कायम करा दिया गया। उसके बाद सीबीआई सक्रिय हुई और छापेमारी शुरू कर दी। सूत्रों का दावा है कि छापे में सीबीआई को घोटाले के अहम साक्ष्य मिले हैं।

हॉस्टल में घुसकर छात्रा को पीटा और की छेड़छाड़

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- पीड़िता ने बीबीडी थाने में दर्ज कराई रिपोर्ट

अमृत विचार: बीबीडी थाना क्षेत्र में हॉस्टल के अंदर घुसकर स्नातक छात्रा संग मारपीट की गई। एक युवक के कहने पर तीन लड़कियों ने कमरे में घुसकर घटना को अंजाम दिया गया। छात्रा ने थाने में आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करायी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मूल रूप से आजमगढ़ की रहने वाली छात्रा मां एक हॉस्टल में रहकर पढ़ाई कर रही है। पीड़िता ने बताया कि 17 मार्च की शाम करीब 6 बजे दो-तीन लोग उनके हॉस्टल में जबरन घुस आए। तीनों ने छात्रा को कमरे में बंद कर दिया और उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। इस दौरान छात्रा पर चाकू से हमला करने का भी प्रयास किया गया। जिससे छात्रा को चोटें आईं। किसी तरह उसने खुद को बचाकर भागने की कोशिश की, लेकिन आरोपियों ने उसका हाथ पकड़कर घसीटा और नीचे रिसेप्शन तक ले जाकर सबके सामने मारपीट की। छात्रा का कहना है घटना हॉस्टल में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई। पीड़िता ने बताया कि जौनपुर निवासी एक युवक उसे पहले से अश्लील मैसेज करता था। जिसका छात्रा ने विरोध किया था। इंस्पेक्टर बीबीडी राम सिंह का कहना है कि तहरीर के आधार पर सिमरन, आकृति, आरूषि व निहाल के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गयी है।

पिता-पुत्र पर हमला आरोपी गिरफ्तार

अमृत विचार, लखनऊ: थाना क्षेत्र स्थित कस्बे में पुत्र के साथ भवन के निर्माण का कार्य करवा रहे उदयवीर पर भतीजे धर्मेंद्र सिंह ने तमंचे के बल पर पिटाई कर दी। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने तमंचा बरामद कर लिया है। उदयवीर ने बताया कि गुरुवार को कस्बे में स्थित निजी भूमि पर मकान का निर्माण कार्य करा रहा था। तभी भतीजा धर्मेंद्र सिंह अपने साथी गोविंद के साथ वहां पहुंचा और गाली गलौज करने लगा। विरोध पर पीड़ित व बेटे शिवा को पीटा। तमंचा तानने पर शिवा ने हिम्मत दिखायी और तमंचा छीन लिया। इंस्पेक्टर नवाब अहमद ने बताया कि आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

गिरवी जेवर हड़प कर गलाए आठ के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

संवाददाता, आलमबाग

अमृत विचार: कृष्णानगर कोतवाली में सर्राफ व्यवसायी परिवार के आठ लोगों के खिलाफ कोर्ट के आदेश पर धोखाधड़ी और धमकी का मुकदमा दर्ज किया गया है। आरोप है कि आरोपियों ने महिला के गिरवी रखे लाखों रुपये के जेवर हड़पकर उन्हें गलवा दिया।

मधुवन नगर निवासी प्रियंका सिंह के मुताबिक, वर्ष 2019 से जून 2024 के बीच उन्होंने गीतापल्ली स्थित ज्वैलर्स की दुकान पर कई बार में अपने जेवर गिरवी रखकर करीब 5.50 लाख रुपये उधार लिए थे। इस पर लगभग 1.92 लाख रुपये ब्याज भी चुका दिया। पीड़िता ने बताया कि दुकान की मालकिन मीरा देवी हैं और उनके बेटे अंकित, सूरज उर्फ रमन व ललित उर्फ लकी दुकान संभालते हैं।

आरोप है कि जब उन्होंने जेवर वापस मांगे तो उन्हें टालमटोल किया गया। बाद में पुलिस चौकी पर आरोपियों ने जेवर गलाने की बात स्वीकार की। समझौते में साकेतपुरी स्थित मकान का 25 लाख रुपये में बैनामा तय हुआ और 10 लाख रुपये दिए भी गए, लेकिन रजिस्ट्री के दिन आरोपी नहीं पहुंचे। जांच में मकान के बंधक होने की बात सामने आई। विरोध करने पर पीड़िता और उसके पति को धमकाया गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मानव संपदा पोर्टल से ही स्वीकृत होंगे अवकाश

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश सरकार ने कर्मचारियों की छुट्टी व्यवस्था को पूरी तरह डिजिटल करते हुए निर्देश जारी किए हैं कि अब सभी प्रकार के अवकाश केवल मानव संपदा पोर्टल के माध्यम से ही स्वीकृत होंगे। प्रमुख सचिव कार्मिक एम. देवराज ने इस संबंध में शासनादेश जारी करते हुए कहा कि सभी विभाग यह सुनिश्चित करें कि कर्मचारियों के अवकाश आवेदन ऑनलाइन ही निस्तारित हों।

उन्होंने स्पष्ट किया कि सभी विभाग अपने कर्मचारियों का शत-प्रतिशत पंजीकरण पोर्टल पर कराएं और अवकाश से जुड़े सभी आवेदन इसी माध्यम से स्वीकार व निस्तारित किए जाएं। इससे प्रक्रिया में पारदर्शिता आएगी और अनावश्यक देरी पर रोक लगेगी। प्रमुख सचिव ने बताया कि कर्मचारी मानव संपदा पोर्टल के लीव माड्यूल के जरिए अवकाश के लिए आवेदन करेंगे, जिसमें अवकाश का प्रकार, अवधि और कारण दर्ज करना होगा।

बेकरी संचालक पर किया जानलेवा हमला, रिपोर्ट

अमृत विचार, माल: थाना क्षेत्र के सैदापुर चौराहे पर स्थित मां चंद्रिका देवी बेकरी संचालक ने चार नामजद और अज्ञात पर रिपोर्ट दर्ज करायी है। पीड़ित विमल कुमार पासी ने बताया कि बुधवार दोपहर लगभग एक बजे मढ़वाना निवासी सचिन सिंह दुकान पर आया। कहा कि कुछ देर में धर्मवीर आएंगे उन्हें डेढ़ किलो पनीर दे देना। शाम लगभग पांच बजे सचिन शराब की नशे में धुत होकर कार से अपने आधा दर्जन साथियों के साथ दुकान पर पहुंचा। बड़े भाई कमलेश के मोबाइल से फोन कर जाति सूचक गालियां देते हुए दुकान पर बुलाकर जमकर पीटा। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

तिलक लगाने को लेकर युवक पर हमला

अमृत विचार, काकोरी: पारा के मायापुरम इलाके में तिलक लगाने को लेकर दूसरे समुदाय के युवकों ने गाली-गलौज की। विरोध पर एंगल से वारकर युवक का सिर फोड़ दिया। पुलिस ने 13 नामजद और आठ अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर तलाश शुरु कर दी है।

आदर्श सिंह ने तहरीर में बताया कि वह अपने मोहल्ले की एक दुकान पर इलेक्ट्रॉनिक चूल्हा ठीक कराने गए थे। इसी दौरान वहां मौजूद कुछ लोगों ने उनके माथे पर लगे तिलक को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी की। विरोध करने पर विवाद बढ़ गया। आरोप है कि मौके पर मौजूद लोगों ने उन पर हमला कर दिया। हमलावरों ने लोहे के एंगल से उनके सिर पर वार किया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल को एंबुलेंस की मदद से लोकबंधु अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने जीशान गाजी उर्फ भौकाली, गोलू गाजी उर्फ कंजा, अशरफ गाजी, निजाम गाजी, आसिफ गाजी, फैज गाजी, बदलू गाजी, सद्दाम खान, वारिस, अहसान गाजी, नदीम गाजी, निहाल गाजी और अरसलान गाजी समेत अन्य अज्ञात आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

घर में घुसकर हमला, पिटाई से दो भाइयों के सिर फटे

अमृत विचार, काकोरी: थाना क्षेत्र के ग्राम दोना में पुरानी रंजिश को लेकर दबंगों ने घर में घुसकर एक परिवार पर हमला कर दिया। पिटाई से दो भाइयों का सिर फट गया। काकोरी पुलिस तहरीर के आधार पर जांच कर रही है। ग्राम दोना निवासी पंकज ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 18 मार्च की रात वह अपने घर पर मौजूद थे। इसी दौरान पड़ोस के रहने वाले नवल, गजोधर, धर्मेन्द्र और दीपू ने उनके दरवाजे पर पहुंचे और बिना किसी कारण गाली-गलौज करने लगे। पीड़ित और उसके भाइयों अजीत व अनुज ने विरोध किया तो आरोपियों ने उन पर हमला कर दिया। हमले में पंकज और अजीत का सिर फट गया है।

कफ सिरप मामले का आरोपी गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- इंदिरानगर पुलिस ने गाजियाबाद से किया गिरफ्तार

अमृत विचार: इंदिरानगर पुलिस ने नशीली दवाओं के काले कारोबार से जुड़े गिरोह के सदस्य को गाजियाबाद से गिरफ्तार किया है। कोडिनयुक्त कफ सिरप मामले में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन ने 9 दिसंबर को इंदिरानगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इस मामले में एक सदस्य पहले ही गिरफ्तार किया गया था।

इंस्पेक्टर इंदिरानगर अजय नारायण सिंह के मुताबिक गिरफ्तार आरोपी आरूष सक्सेना तकरोही स्थित गल्ला मंडी का रहने वाला है। दिसंबर में रिपोर्ट दर्ज करने के बाद से वह फरार चल रहा था। सर्विलांस की मदद से लोकेशन मिलने पर पुलिस टीम ने दबिश देकर आरोपी को गाजियाबाद के राजनगर एक्सटेंशन स्थित द्वारिका राज के राज गोल्डन सिटी से गिरफ्तार किया। आरुष ने गाजियाबाद स्थित आवास को अपना ठिकाना बना रखा था। गुरुवार को आरुष को पुलिस टीम लेकर लखनऊ पहुंची। जहां कोर्ट में पेश किया गया और जेल भेज दिया गया। इस मामले में अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है।

रिटायर्ड मेजर व शिक्षक समेत पांच लोगों से 1.71 करोड़ ठगे

मेजर से महिला दोस्त बन ठगी की, शिक्षक को मैट्रिमोनियल साइट से बनाया शिकार, पीड़ितों ने साइबर क्राइम थाने में दर्ज कराई रिपोर्ट

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

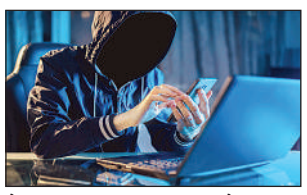

अमृत विचार: राजधानी में रिटायर्ड मेजर व शिक्षक समेत पांच लोगों को साइबर जालसाजों ने अपना शिकार बनाया। पांचों से 1.71 करोड़ रुपये की ठगी की। जालसाजों ने रिटायर्ड मेजर से इंस्टाग्राम पर न्यूयॉर्क की महिला मित्र बनकर ठगी की। वहीं, शिक्षक से मेट्रिमोनियल साइट पर मुलाकात और ट्रेडिंग के नाम पर ठगी की। साथ ही 80 वर्षीय बुजुर्ग से ट्रेडिंग में मोटे मुनाफे का लालच दिया। पांचों पीड़ितों ने साइबर क्राइम थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस के मुताबिक मामले की जांच की जा रही है।

पुलिस के मुताबिक आशियाना सेक्टर-जे निवासी मनोज तिवारी सेना में मेजर के पद से रिटायर्ड हैं। वर्तमान में आईटी सॉल्यूशन कंपनी में कार्यरत हैं। मनोज तिवारी के मुताबिक 2012-13 में उनकी मुलाकात न्यूयॉर्क में निकोल एंडरसन नाम की एक महिला से हुई थी। 15 दिसंबर को वो मुंबई एयरपोर्ट पर लैंड की। पिछले एक महीने से वो महिला इंस्टाग्राम पर उनके संपर्क में थी। इस दौरान सुबह करीब 10.30 योना गुप्ता नाम की महिला का कॉल आया और उसने खुद को इमीग्रेशन अफसर बताया। इसके बाद पूछा कि नीकोल एण्डरसेन को जानते हैं। इस पर हां जवाब दिया, फिर बोली कि नीकोल एक डिमांड ड्राफ्ट लाई हैं। जिसका ठीक से पेपर वर्क नहीं हुआ है। जो रुपए लाई थी उसकी पेनाल्टी भर दी है, बचा हुआ पैसा भेज दें। इसके बाद अलग-अलग एकाउंट में 9 बार में 15,63,175 रुपए ट्रांसफर करा लिया। इसके बाद फोन उठाना बंद कर दिया।

एप पर मुलाकात कर ठगे 49 लाख

साइबर जालसाजों ने जानकीपुरम सेक्टर-डी निवासी शिक्षक उमेश चंद्र त्यागी से 49 लाख रुपये ठग लिये। उमेश के मुताबिक 20 जून को मैट्रिमोनियल एप m4marry के जरिए ईशा देसाई नाम की युवती से मुलाकात हुई। जिसने खुद को मुंबई की एक टेक्सटाइल कंपनी का मालिक बताया। बातचीत कर भरोसा में आने पर ट्रेडिंग एकाउंट खुलवाने के लिए बोला। निवेश कराकर फर्जी प्रॉफिट दिखाती रही। कई बार में 49 लाख जमा करा लिया। जब पैसा निकालना चाह तो वेबसाइट पर 1 करोड़ का कोजी प्रॉफिट दिखाकर 33 लाख की डिमांड की जाने लगी। मना करने पर ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) एवं अन्य कानूनी कार्रवाई की धमकियां दी जाने लगी। जब इस बारे में परिचितों को बताया तो ठगी के बारे में जानकारी हुई।

निवेश के नाम पर 75 लाख ऐंठे

जानकीपुरम निवासी ज्योति भूषण सिंह के व्हाट्सएप पर मैसेज आया। जिसमें कई लोगों ने चैटिंग करके शेयर मार्केट में ट्रेडिंग करके मोटे मुनाफे का लालच दिया। मोटे मुनाफे के लालच में आकर 75 लाख बताए गए एकाउंट में ट्रांसफर कर दिया। आरोपियों ने 13 फरवरी से 28 फरवरी के बीच में यह रकम पांच खातों में ट्रांसफर कराया। पैसा निकालना चाह तो ब्लॉक कर दिया। परिचितों को इस संबंध में जानकारी दी। इसके बाद ठगी का पता चला। पीड़ित ने साइबर क्राइम थाने में संपर्क कर शिकायत की।

बुजुर्ग से ट्रेडिंग के नाम पर ठगी

पुराना आरटीओ लाटूश रोड निवासी 80वर्षीय अतुल कुमार गौतम के मुताबिक उनके व्हाट्सएप पर निवेश के लिए मैसेज आया। मैसेज के जरिए एप डाउनलोड करके निवेश करना शुरू किया। 23 दिन तक उन्होंने 24.5 लाख रुपए अपने एकाउन्ट से बताए गए बैंक एकाउंट में ट्रांसफर कर दिए। जब उन्होंने मुनाफे के साथ अपना रुपए वापस मांगा तो और निवेश का दबाव बनाया जाने लगा। मना करने पर अतुल का मोबाइल नंबर ब्लॉक कर दिया।

शेयर ट्रेडिंग के नाम पर रुपये कराए ट्रांसफर

इंदिरानगर सेक्टर-13 निवासी ओम नारायण श्रीवास्तव के मुताबिक 13 जनवरी को उनके व्हाट्सएप पर नीलम धवन का मैसेज आया। इसके बाद उनको एक्सिस सिक्योरिटीज ग्रुप में जोड़ा गया। अतुल मेहरा नाम के व्यक्ति ने शेयर ट्रेडिंग के बारे में जानकारी दी। निवेश करना शुरू किया। ग्रुप के सदस्यों का फार्म भरवाया गया। ब्लॉक ट्रेडिंग में प्रतिदिन 5 से 30 प्रतिशत का मुनाफा दिलाने का वादा किया। इसके बाद अलग-अलग खातों में रुपए जमा कराए। 8 बार में 8 अलग अलग खातों में 7,11,000 लाख रूपए जमा कराए। जब पैसा निकालना चाहा तो रुपए दूसरे खाते में ट्रांसफर कर दिया। इसके बाद महिला दूसरे नंबर से मैसेज करके 12 लाख रुपए देने का दबाव बनाने लगी। इंस्पेक्टर साइबर क्राइम थाना बृजेश कुमार यादव के मुताबिक पांचों पीड़ितों की तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर लिया गया है। मामले में रुपये किन रास्तों के जरिये ट्रांसफर किये गये इसके बारे में जानकारी हासिल की जा रही है।

प्लॉट में कब्जे के विरोध पर पत्नी को पीटा, की छेड़छाड़

संवाददाता, काकोरी

- पीड़िता की तहरीर पर दो नामजद व दो अज्ञात पर रिपोर्ट

अमृत विचार: पारा के कुल्हड़ कट्टा के सिपाही के प्लॉट पर दबंगों ने बाउंड्री कराकर कब्जा कर लिया। गुरुवार सुबह प्लॉट पर पहुंची सिपाही की पत्नी और भाई के विरोध करने पर आरोपियों ने मारपीट करते हुए छेड़छाड़ की। पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी। वहीं, दबंगों ने सिपाही के भाई का बाउंड्री गिराते हुए वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वॉयरल कर दिया।

इंस्पेक्टर सुरेश सिंह ने बताया कि पारा निवासी युवक पुलिस विभाग में सिपाही के पद पर तैनात है। सिपाही का पारा के कुल्हड़ कट्टा में नहर के किनारे प्लॉट है। इस प्लॉट पर दबंगों ने कब्जा कर बाउंड्री करा ली थी। गुरुवार की सुबह सिपाही की पत्नी अपने देवर संग प्लाट पर गई तो उसने देखा कि दबंग उसके प्लॉट पर निर्माण कार्य करा रहे थे। विरोध करने पर दबंग सचिन और आकाश सहित दो अज्ञात ने गाली-गलौज करते हुए लाठी-डंडे से हमला कर दिया। मारपीट के दौरान सिपाही की पत्नी के कपड़े भी फाड़ दिए। आरोप है कि आकाश और सचिन ने विरोध के दौरान बाउंड्री को गिराते हुए वीडियो बना लिया और सोशल मीडिया पर अवैध कब्जा करने का आरोप लगाते हुए वायरल करा दिया। दोनों पक्षों ने पुलिस से लिखित शिकायत की है। इंस्पेक्टर ने बताया कि जांच में प्लॉट सिपाही के नाम पर है। विपक्षी गलत तरीके से कब्जा कर रहे थे।

श्रीराम मंदिर भारत के राष्ट्र मंदिर का प्रतीक बना : सीएम

कहा- दुनिया में तमाम युद्ध चल रहे, अयोध्याधाम में लोग श्रीराम यंत्र की स्थापना कार्यक्रम में सहभागी बन रामराज्य की अनुभूति कर रहे हैं

अयोध्या कार्यालय।

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि श्रीराम जन्मभूमि मंदिर भारत के राष्ट्र मंदिर का प्रतीक बन गया है। यह रामराज्य की आधारशिला भी है। दुनिया में तमाम युद्ध चल रहे हैं, अव्यवस्था, आर्थिक अराजकता, भय-आतंक है और अयोध्याधाम में हजारों की संख्या में उपस्थित हम लोग भयमुक्त होकर राष्ट्रपति के अभिवादन और श्रीराम यंत्र की स्थापना कार्यक्रम में सहभागी बनकर रामराज्य की अनुभूति कर रहे हैं।

वे गुरुवार को श्रीराम मंदिर परिसर में आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे। सीएम ने कहा कि भारत इसलिए भारत बना है, क्योंकि इसे ऋषि-मुनियों की तपस्या, अन्नदाता किसानों के परिश्रम, कारीगरों की उद्यमिता और भारत की आस्था ने सदैव 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' के रूप में बनाए रखा। श्रीराम जन्मभूमि यज्ञ की पूर्णाहुति कार्यक्रम के साथ जुड़कर न केवल प्रदेशवासी, बल्कि देश-दुनिया के सनातन धर्मावलंबी के मन में भी आनंद की अनुभूति हो रही है।

इस दौरान राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु, राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, मां अमृतानंदमयी (अम्मा), राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक भैया जी, श्रीराम जन्म भूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरि, ट्रस्टी अनिल मिश्रा, मंदिर निर्माण में योगदान देने वाले कारीगरों के पारिवारिक सदस्यों समेत हजारों रामभक्त मौजूद रहे।

रामलला की आरती उतारतीं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, साथ में मौजूद राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी।

2025 में 156 करोड़ श्रद्धालु आए उत्तर प्रदेश

सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में 2025 में 156 करोड़ श्रद्धालु-पर्यटक धार्मिक व आध्यात्मिक स्थलों की यात्रा करने उत्तर प्रदेश आए। अयोध्या, काशी, प्रयागराज महाकुम्भ, मथुरा-वृंदावन में दर्शन करने जितने लोग आए, उतनी आबादी कई देशों की नहीं है। यह नया और बदलता भारत है।

बलिदान देने वाले रामभक्तों व संतों को किया नमन

सीएम ने राम मंदिर निर्माण यज्ञ में योगदान देने वाले संतों, रामभक्तों, कारीगरों/श्रमिकों का अभिनंदन किया। उन्होंने आंदोलन के दौरान बलिदान देने वाले रामभक्तों के साथ ही संतों व दिवंगत विहिप नेता अशोक सिंहल आदि को नमन किया। मुख्यमंत्री ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को स्मृति चिह्न प्रदान किया। कार्यक्रम का संचालन श्रीराम जन्म भूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने किया।

अयोध्या रामभक्तों के लिए सर्वप्रिय : राष्ट्रपति

अयोध्या, अमृत विचार : प्रभु श्रीराम ने अयोध्या नगरी में जन्म लिया। इस पवित्र भूमि का स्पर्श करना मेरे लिए अत्यंत सौभाग्य की बात है। स्वयं प्रभु श्री राम ने अपनी इस जन्मभूमि को स्वर्ग से भी श्रेष्ठ बताया था। अयोध्या राम भक्तों के लिए सर्व प्रिय है। ये बातें गुरुवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहीं। वह श्रीराम यंत्र स्थापना समारोह में आए अतिथियों को संबोधित कर रहीं थीं। जय श्री राम के उद्घोष के साथ अपना संबोधन प्रारंभ करते हुए कहा कि युद्ध में विजय प्राप्त करने के बाद माता सीता और लक्ष्मण जी के साथ प्रभु श्री राम के अयोध्या आगमन का कलात्मक रेखा चित्र हमारे संविधान के हस्तलिखित मूल प्रति में है। यह रेखाचित्र मूल अधिकार के अत्यंत महत्वपूर्ण भाग तीन के शुरू में दिखाई देता है। कहा कि प्रसन्नता हो रही है कि इस चित्र के विषय में जानकारी और जागरूकता प्रसारित किया जा रहा है। जनमानस को संवैधानिक आदर्शों और सांस्कृतिक प्रतीकों के साथ जोड़ा जा रहा है। चैत्र शुक्ल के प्रथम दिवस पर यहां आकर मैं स्वयं को कृतार्थ अनुभव कर रही हूं। देश-विदेश में रहने वाले सभी भारतवासियों और राम भक्तों को नए वर्ष की हार्दिक बधाई देती हूं। कहा कि राममंदिर का भूमिपूजन, विग्रह प्राण प्रतिष्ठा, शिखर पर धर्म ध्वजारोहण और सभी देश वासियों के लिए मंदिर खोले जाना इतिहास में स्वर्णिम तिथि है। राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा पर प्रधानमंत्री जी को मैंने एक पत्र लिखा था। जिसमें कहा था कि हम सबके लिए सौभाग्य की बात है। हम सब अपने राष्ट्र के पुनर्निर्माण और स्थापना के नई कालचक्र के आरंभ का साक्षी बना रहे हैं।

सुलतानपुर में तालाब में डूबने से दो किशोरों की गयी जान

कादीपुर-सुलतानपुर, अमृत विचार: कोतवाली क्षेत्र के मलिकपुर गांव में गुरुवार शाम एक दर्दनाक हादसे में दो किशोरों की तालाब में डूबने से मौत हो गई, जबकि एक बालक को ग्रामीणों ने बचा लिया। गुरुवार को दिन में लगभग 3:30 से 4:00 बजे के बीच मलिकपुर के तीन बच्चे रत्नेश (13) पुत्र जियाराम, कुंदन (14) पुत्र रविंद्र, और अमन (13) पुत्र प्रमोदगांव के पास स्थित तालाब में नहाने गए थे। इसी दौरान गहराई में जाने से तीनों बच्चे डूबने लगे। घटना को पास में मौजूद ग्रामीण आदि शक्ति दूबे व अच्छेलाल ने देखा तो तीनों को बाहर निकालने का प्रयास किया। कड़ी मशक्कत के बाद ग्रामीणों ने तीनों बच्चों को तालाब से बाहर निकाला और तत्काल डायल 112 को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से बच्चों को अस्पताल भेजा गया, जहां चिकित्सकों ने रत्नेश और कुंदन को मृत घोषित कर दिया, जबकि अमन की हालत में सुधार बताया जा रहा है। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और आवश्यक विधिक कार्रवाई में जुटी हुई है।

पेड़ से लटकता मिला युवक का शव

बल्दीराय, सुलतानपुर, अमृत विचार : स्थानीय थाना क्षेत्र के पूरे सूबेदार मजरे बिसावां में बुधवार की देर रात एक युवक का शव पेड़ से शर्ट के सहारे लटका मिला। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के ग्रामीणों की भारी भीड़ मौके पर जुट गई। ग्रामीणों के अनुसार मृतक की पहचान राहुल यादव (21) पुत्र राजेंद्र यादव के रूप में हुई है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

CHAMBAL FERTILISERS AND CHEMICALS LIMITED

"Sale of Bolero"

Sealed quotations are invited for sale of Vehicle RC No. UP-80-FS-1185, Mahindra Bolero Colour: white, Fuel: Diesel, model 2020, as is where is basis. All expenses related to transfer of ownership; registration of vehicle will be on buyer's account. The quoted rate will be inclusive of GST. The bidder is required to deposit security money through Cheque of Rs-30000/- along with quotation. The bidders can contact at 0522-4060905 for Inspection of Vehicle parked at **Urbanac Business Park A-1, Vibhuti Khand, Gomti Nagar Lucknow.** The quotation should be sent to SM-Purchase, Chambal Fertilisers and Chemicals Limited, PO, Gadepan, Kota-325208 (Rajasthan) latest by, 26-03-2026 super-scribing on the envelope "Quotation for Vehicle name & RC No" Contact-07442782621.

नदी में डूबने से किशोर की मौत

हैदरगढ़, बाराबंकी, अमृत विचार : बाबा टीकाराम धाम में गुरुवार को हादसा हो गया। दर्शन करने आए 17 वर्षीय किशोर की नदी में डूबने से मौत हो गई। अमेठी के कमरौली खास निवासी शिवांग कनौजिया (17) साथियों के साथ बाबा के दर्शन को आया था। बाजपुरा घाट में शिवांग नदी में कूद गया। बीच धारा में पहुंचते ही वह डूब गया। पुलिस ने शव बरामद किया।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-ऑक्शन सूचना

वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक, पूर्वोत्तर रेलवे, लखनऊ के द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई ऑक्शन से सम्बन्धित सूचना। **एडमिन यूनिट/जोन :** लखनऊ–पू.उ.रे.–मण्डल–वाणिज्य/पू.उ.रे., **नीलामी सूची सं./लॉट सं. : LJN-MISC03-2026, नीलामी सूची प्रकाशन तिथि :** 18.03.2026 समय 15:07 बजे, **नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट) :** 02.04.2026 समय 10:00 बजे, **नीलामी बंद करने की तिथि व समय :** 02.04.2026 समय 10:30 बजे, **नीलामी का प्रकार :** Close Ended, **वेबसाइट विवरण जहाँ पंजीकृत बोलीदाताओं द्वारा नीलामी का पूरा विवरण देखा जा सकता है :** E-Auction Module of **www.ireps.gov.in**

सहायक वाणिज्य प्रबन्धक,

मुजाधि/वाणिज्य-288 पूर्वोत्तर रेलवे, लखनऊ

गाड़ियों की छतों व पायदान पर कदापि यात्रा न करें

अदालती नोटिस

हेतु संदर्भित करने की सूचना/साधारण प्रारूप

बअदालत न्यायालय श्रीमान् जनपद न्यायाधीश, लखनऊ

प्रकीर्ण वाद संख्या–187/2026

ता0पेशी–16.04.2026

1–श्रीमती रामेश्वरी पत्नी स्व0 राम स्वरूप–2–मांशी पुत्री स्व0 राम स्वरूप आयु लगभग 13 वर्ष द्वारा माता विधिक संरक्षक श्रीमती रामेश्वरी निवासिनीगण–ग्राम रामगढ़ी, बेंती, जिला–लखनऊ उ0प्र0 –प्रार्थिनीगण

बनाम्

1–सर्वेश बालिग पुत्र स्व0 राम स्वरूप–2–अवधेश बालिग पुत्र स्व0 राम स्वरूप निवासीगण–ग्राम रामगढ़ी, बेंती, जिला–लखनऊ, उ0प्र0–3–उ0प्र0 सरकार द्वारा जिलाधिकारी, लखनऊ – विपक्षीगण

जन सामान्य हेतु सूचनार्थः–चूंकि उपरोक्त नामांकित –प्रार्थिनीगण ने इस न्यायालय में यह आवेदन किया है कि आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा–7/10 व 29 गार्जियन एण्ड वार्ड्स एक्ट हेतु। अतएव आपको एतद्द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इस आवेदन के खिलाफ हेतु संदर्भित करने के लिए 16.04.2026 के दिवस को 10.00 बजे पूर्वांन्ह में स्वयं या सम्यक रूपेण अनुविष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपसंजाता हो और ऐसा करने में असफल रहने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा और अवधारित किया जायेगा। मेरे हस्ताक्षर और मोहर न्यायालय की मुद्रा सहित आज दिनांक 20.02.2026 के दिवस को दिखायी गयी।

दस्तखत हाकिम–मोहर अदालत

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given that an application is being made to the Election Commission of India, New Delhi, for the registration of an Association of Individuals as a Political Party under Section 29A of the Representation of the People Act, 1951.

Name of the Party: Rashtriya Adhikar Morcha

Key Office Bearer

1. President : Astha Misra
2. Gen. Secretary : Richa Mishra
3. Treasurer : Abhinav Mishra

Address of the Headquarter: [538A/0401 Triveni Nagar 226020]

Any person or association with objections to the registration may submit them, with reasons, in writing to the Secretary to the Election Commission of India, Nirvachan Sadan, Ashoka Road, New Delhi-110001, within 30 (thirty) days from the publication of this notice.

Authorized Signatory
Astha Mishra
Rashtriya Adhikar Morcha
9151613332
[Date 20/03/2026]

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेल प्रबंधक (संकेत एवं दूरसंचार) उत्तर रेलवे, लखनऊ मंडल, लखनऊ द्वारा निर्धारित निविदा प्रपत्रो पर निम्नलिखित कार्य हेतु अनुभवी एवं स्थापित सक्षम ठेकेदारों द्वारा ई–निविदायें सिंगिल पैकेट सिस्टम द्वारा आमंत्रित की जाती है।

निविदा सं.	106-टेली/टेंडर/25/2025-26
कार्य का नाम	लखनऊ मंडल के अयोध्या कैंट स्टेशन पर यात्री सुविधाओं जैसे ट्रेन डिस्प्ले बोर्ड, घोषणा आदि के प्रावधान और सुधार का दूरसंचार कार्य।
अनुमानित लागत	रु.1,75,82,504.75/–
निविदा प्रपत्र की कीमत	शून्य
धरोहर राशि	रु.3,51,700.00/–
कार्य पूरा करने की अवधि	180 दिन
निविदा दस्तावेज जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय	08.04.2026 15:30 Hrs
वेबसाइट विवरण एवं नोटिस बोर्ड का स्थान जहाँ निविदा दस्तावेजों को देखा जा सकता है।	www.ireps.gov.in वरिष्ठ सिगनल एवं दूरसंचार अभियंता कार्यालय/मं.रे.प्र. कार्यालय परिसर/उत्तर रेलवे/लखनऊ

- ठेकेदारों को ई–निविदा सिस्टम में भाग लेने के लिए भारतीय रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in के अंतर्गत पंजीकृत होना अनिवार्य हैं।
- समस्त नियम एवं शर्तों निविदा प्रपत्र में देखी जा सकती है।
- मैनुउल निविदायें स्वीकृत नहीं की जायेगी।
- निविदा प्रपत्र एवं बयाना धनराशि का भुगतान सिर्फ नेट बैंकिग या पेंमेंट गेटवे द्वारा स्वीकृत की जायेंगी।

निविदा सू. सं. 106–टेली/टेंडर/25/2025–26 दिनांक : 18.03.2026 941/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

मामूली विवाद में की पत्नी की हत्या

कानपुर में वारदात

संवाददाता, मंगलपुर, कानपुर

अमृत विचार: डेरापुर थाना क्षेत्र के उरसान गांव में घरेलू विवाद के चलते एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। शराब के नशे में धुत पति ने पत्नी पर बसुला से हमला कर उसकी हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

उरसान गांव निवासी मिथिलेश कश्यप की शादी करीब 9 वर्ष पूर्व गांव के ही रजत कश्यप के साथ हुई थी। बताया जा रहा है कि रजत शराब का आदी था और आए दिन शराब पीकर घर आने के बाद पत्नी से विवाद करता था। मिथिलेश के विरोध करने पर दोनों के बीच अक्सर कहासुनी होती रहती थी। बताते हैं कि बुधवार की रात भी रजत शराब के नशे में घर पहुंचा, जिसके बाद पति-पत्नी के बीच विवाद शुरू हो गया।

इसी दौरान गुस्से में आकर रजत ने लकड़ी छीलने वाले बसुले से मिथिलेश पर हमला कर दिया। हमले में गंभीर रूप से घायल मिथिलेश की मौके पर ही मौत हो गई। गुरुवार सुबह घटना की सूचना मिलते ही डेरापुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच-पड़ताल शुरू की। क्षेत्राधिकारी राजीव सिरोही ने बताया कि आरोपी रजत कश्यप को गिरफ्तार कर लिया गया है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और घटना में प्रयुक्त बसुला भी पुलिस ने कब्जे में ले लिया है।

कन्नौज में खेत में गला रेतकर बच्चे की हत्या

तिर्वा, कन्नौज, अमृत विचार : कटरा बहसार गांव में बेर खिलाने के बहाने ले जाकर बालक की गला रेतकर हत्या कर दी गई। घटना के बाद से गांव में तनाव है जिससे पुलिस व पीएसी बल की तैनाती की गई है। फोरेंसिक टीम ने घटना स्थल पर जाकर साक्ष्य जुटाए। मृतक के पिता की ओर से दो लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। बुधवार को शाम करीब चार बजे बहसार गांव निवासी शानू का 8 वर्षीय पुत्र असर घर के बाहर खेल रहा था। इसी दौरान उसका पड़ोसी अरबाज पुत्र जाविर असर को बेर खिलाने के बहाने गांव से करीब डेढ़ किलोमीटर दूर तिलसरा की तरफ राई के खेत में ले गया। आरोप है कि यहां अरबाज ने असर के दोनों हाथों को बांध दिया तथा चाकू से गला रेत डाला। उसके बाद हाथ में भी चाकू से वार किए। इसके बाद असर को मरा समझ कर मौके से भाग गया। परिजन मौके पर पहुंचे और बच्चे को लेकर मेडिकल कॉलेज पहुंचे। यहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे गंभीर अवस्था में कानपुर भेजा गया। रात में इलाज के दौरान बच्चे की मौत हो गई।

युवक ने फंदा लगाकर दी जान

रसूलाबाद, कानपुर, अमृत विचारः सलेमपुर महेरा ग्राम में एक प्राइवेट बस के हेल्पर युवक ने बुधवार रात गांव के ही उच्च प्राथमिक विद्यालय के पीछे खड़े नीम के पेड़ में अपनी शर्ट से फांसी का फंदा बनाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने शव को पीएम हेतु भेजा है। सलेमपुर महेरा निवासी मोहन सिंह का पुत्र हर्षित उर्फ हनु (19) प्राइवेट बस में हेल्पर था। बुधवार रात वह घर से चला गया। सुबह पेड़ से लटकता हुआ उसका शव मिला।

अमेठी में आमने-सामने टकरायीं बाइकें, दो की मौत

जगदीशपुर, अमेठी, अमृत विचार। जगदीशपुर थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार का कहर एक बार फिर देखने को मिला, जहां दो मोटरसाइकिलों की आमने-सामने हुई भीषण टक्कर में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना गुरुवार रात करीब साढ़े आठ बजे रनकापुर के पास हुई। तेज रफ्तार से आ रही दो बाइकें आमने-सामने टकरा गईं। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों मोटरसाइकिलों के परखचे उड़ गए और उन पर सवार चारों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से सभी घायलों को अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने एक बुजुर्ग को मृत घोषित कर दिया। वहीं, एक युवक ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। मृतकों की पहचान जामो थाना क्षेत्र के दतनपुर कटारी गांव निवासी 60 वर्षीय बाबूलाल और जगदीशपुर थाना क्षेत्र के मोहब्बतपुर गांव निवासी 17 वर्षीय सोनू के रूप में हुई है। घटना में गंभीर रूप से घायल दो अन्य लोगों को प्राथमिक उपचार के बाद लखनऊ ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया गया।

रिवाल्वर साफ करते समय चली गोली, व्यापारी की मौत

हादसा

मनकापुर, गोंडा, अमृत विचारः पटेल नगर निवासी प्रतिष्ठित व्यापारी की लाइसेंसी रिवाल्वर साफ करते समय चली गोली से घायल होने के बाद लखनऊ में इलाज के दौरान मौत हो गई। घटना से परिवार व व्यापारिक वर्ग में शोक की लहर है।

पटेल नगर निवासी प्रतिष्ठित साइकिल व्यापारी संदीप कुमार जैन (55) के साथ बुधवार सुबह हादसा हो गया। बताया जा रहा है कि वह घर पर लाइसेंसी रिवाल्वर की सफाई कर रहे थे, तभी अचानक रिवाल्वर चल गई और गोली लगने से वे गंभीर रूप से घायल हो गए। परिजन उन्हें मुख्यालय स्थित एक निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें लखनऊ रेफर कर दिया। लखनऊ में मेदांता अस्पताल में उपचार के दौरान गुरुवार को उन्होंने दम तोड़ दिया।

मौत की खबर मिलते ही परिवार वालों में कोहराम मच गया। संदीप जैन अपने पीछे पत्नी रुचि जैन, बेटा जतिन कुमार जैन, बेटी मोनी जैन सहित भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं। परिजनों के अनुसार, पोस्टमार्टम के बाद उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। घटना से नगर के व्यापारिक व सामाजिक वर्ग में शोक व्याप्त है।

एक साल और जेल में रहेगा ड्रग माफिया अज्जन

बाराबंकी, अमृत विचार : मादक पदार्थों के खिलाफ कार्रवाई के तहत राज्य सरकार ने कड़ा कदम उठाया है। टिकरा का कुख्यात तस्कर अज्जन उर्फ मिस्बाहुर्रहमान अभी एक साल और जेल में गुजारेगा। यह आदेश पिट-एनडीपीएस एक्ट के तहत जारी हुआ है। गुजरे बुधवार को प्रदेश सरकार द्वारा प्रिवेंशन ऑफ इलिसिट ट्रैफिक इन नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सब्सटेंस एक्ट, 1988 की धारा 3(1) के अंतर्गत यह कार्रवाई की गई। आरोपी टिकरा मुर्तजा थाना जैदपुर का निवासी है। पुलिस के अनुसार, अज्जन उर्फ मिस्बाहुर्रहमान पिछले करीब 25 वर्षों से मादक पदार्थों के अवैध कारोबार में सक्रिय रहा है। उसके खिलाफ बाराबंकी और लखनऊ के विभिन्न थानों में कई मुकदमे दर्ज हैं। उसे अंतरजनपदीय गैंग आईआर-09 में सूचीबद्ध करने के साथ ही जिला स्तर पर ड्रग माफिया घोषित किया गया है। गैंग नंबर 32 का वह स्वयं लीडर है।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता (जोन-4)
जलकल विभाग, नगर निगम लखनऊ

प0सं0– 570/L.J.S./E.E.-4/2025-26 दिनाँक– 18/03/2026

अति अल्पकालिक निविदा सूचना

जलकल विभाग में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य हेतु अल्पकालिक निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र किसी भी कार्य दिवस में दिनांक 24/03/2026 को अपरान्ह 3:00 बजे तक अधिशासी अभियन्ता जोन–4 के कार्यालय के कैश काउन्टर से प्राप्त किये जा सकते हैं। सील्ड निविदायें दिनांक 24/03/2026 को अधिशासी अभियन्ता जोन–4 के कार्यालय में अपरान्ह 3.30 बजे तक सील्ड टेण्डर बॉक्स में प्राप्त की जायेंगी। प्राप्त सभी निविदायें दिनांक 24/03/2026 को उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष 4:00 बजे जोन–4 के कार्यालय में खोली जायेंगी। कार्यालय में अवकाश होने की दशा में निविदायें उसी क्रम में समयानुसार अगले कार्य दिवस में खोली जायेगी। कार्यालय में अवकाश होने की दशा में निविदायें उसी क्रम में समयानुसार अगले कार्य दिवस में खोली जायेगी।

1. 15 different tubel place fire hydredent complete fitting in Zone-4 Gomti Nagar Lucknow. धरोहर धनराशि 4000.00 एवं निविदा मूल्य 200+18% G.S.T = 236.00
2. Supply of 300 mm & 100 mm dia sluice valve Vibhuti Khand, CWR, Gomti Nagar, Zone-4 Lucknow. धरोहर धनराशि 7100.00 एवं निविदा मूल्य 350.00+18% G.S.T = 413.00
3. Laying and Jointing work of 300 mm dia C.I Pipeline 196 Mtr. From park Ke last boundry main road to Hyatt Regency Hotel Vibhuti Khand Gomti Nagar. धरोहर धनराशि 8300.00 एवं निविदा मूल्य 400.00+18% G.S.T = 472.00
4. Water Supply of all Special DF Bend, Air Valve, Pig Lead 300 mm dia etc Vibhuti Khand Gomti Nagar Zone-4 धरोहर धनराशि 6850.00 एवं निविदा मूल्य 300.00+18% G.S.T = 354.00

(प्र0) अधिशासी अभियन्ता (जोन–4)
जलकल विभाग,
नगर निगम, लखनऊ

द्वितीय आमंत्रण

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता,
अयो0अ0वृत्त, लो0नि0वि0, अयोध्या
निविदा आमंत्रण सूचना (एस0बी0डी0)
(ई–प्रोक्यूरमेंट सूचना)

पत्रांकः– 1725/2काम–अयो0अ0वृत्त/2026 दिनांक – 17.03.2026

उत्तर प्रदेश के महामहिम राज्यपाल महोदया की ओर से अधीक्षण अभियन्ता, अयो0अम्बे0वृत्त, लो0नि0वि0, अयोध्या द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु आनलाईन निविदा http://etender.up.nic.in एवं प्रहरी पोर्टल के माध्यम से मार्ग कार्य में लो0नि0वि0 के पंजीकृत फर्म/ठेकेदार से आइटम दर के आधार पर दिनांक 20.03.2026 से दिनांक 27.03.2026 के दोपहर 12.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। ई–निविदा की प्री–क्वालिफिकेशन/टेक्निकल बिड दिनांक 27.03.2026 को अपरान्ह 12.30 बजे अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय कक्ष में उपस्थित लो0नि0वि0 के पंजीकृत फर्म/ठेकेदार के प्रतिनिधि के समक्ष अधोहस्ताक्षरी द्वारा गठित समिति के सदस्यों द्वारा आनलाईन खोली जायेगी। टेक्निकल बिड में क्वालीफाईड पाये गये ठेकेदारों की फाइनेन्सियल बिड अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में खोली जायेगी। कार्यालय बन्द होने अथवा अवकाश होने की दशा में प्री–क्वालिफिकेशन/टेक्निकल बिड एवं फाइनेन्सियल बिड उसी क्रम एवं समयानुसार अगले कार्य दिवस में खोली जायेगी। कार्यो का विवरण निम्नवत है :–

क्र0 सं0	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (रू0 लाख में)	धरोहर धनराशि (रू0 लाख में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	निविदा प्रपत्र का मूल्य व जी0एस0टी0 सहित (रू0 में)	ठेकेदार के पंजीयन की श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7
जनपद अयोध्या						
स्वीकृति की प्रत्याशा में						
1	जनपद अयोध्या में मांझा जमथरा के नजूल भूमि गाटा संख्या 57 मि0 में निर्माणाधीन 33 एम0एल0डी0 एस0टी0पी0 के पहुंच मार्ग (साकेत सदन से बंधा तक) का उच्चीकरण किए जाने का कार्य।	730.00	14.60	12 माह	2714.00	शा0सं0 28/2023/1556/तेइस–7–2023–176सा/2006 दिनांक 05.12.2023 के अनसुार

निविदा से संबंधित नियम/शर्ते तथा विवरण http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध हैं।

1– बिल ऑफ क्वान्टिटी में लगायी दरें जी0एस0टी0 को छोडते हुये लगायी गयी है।

2– निविदा आनलाईन दिनांक 20.03.2026 से दिनांक 27.03.2026 को अपरान्ह 12.00 बजे तक अपलोड की जा सकती है। उक्त निविदा की तकनीकी बिड दिनांक 27.03.2026 को 12.30 बजे खोली जायेगी तथा अर्ह निविदादाताओं की वित्तीय बिड कार्यालय आदेशानुसार निर्धारित समय, दिनांक एवं स्थान पर खोली जायेगी।

3– शासनादेश संख्या 1/2018–3070/78–2–2018/42आई0टी0/2017(22) दिनांक 03.01.2018 में निहित व्यवस्थानुसार निविदा की तकनीकी एवं वित्तीय बिड खोले जाने के उपरान्त निविदादाता द्वारा मूल अभिलेख व्यक्तिगत रूप से विभाग/कार्यालय मे प्रस्तुत किये जाने हैं। निविदादाता द्वारा मूल अभिलेख प्रस्तुत न किये जाने की दशा मे शासनादेश मे निहित प्राविधानो के अनुरूप कार्यवाही की जायेगी।

4– निविदादाता संबंधित अधिक जानकारी वेब साईट https://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है

प्रमाणित किया जाता है कि निविदा में लगायी गयी समस्त शर्तो/नियमों को अधोहस्ताक्षरी द्वारा जांच कर ली गयी है, जो सही है।

(सत्य प्रकाश भारतीय)
अधिशासी अभियन्ता,
प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0,
अयोध्या

(ओम प्रकाश वर्मा)
अधीक्षण अभियन्ता,
अयो0अम्बे0वृत्त, लो0नि0वि0,
अयोध्या
For and behalf of Governor of UP

UP - 248551 दिनांकः 18/03/2026
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

अमृत विचार क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

मेरे पुत्र रुद्र प्रताप पुत्र पुनीत कुमार के घरेलू नाम से बीमा पॉलिसी संख्या 265566050 है जबकि पुत्र का सही नाम अर्चित प्रताप व पुत्र के पिता का सही नाम शोभित कुमार है जो पुत्र के आधार कार्ड व अन्य शैक्षिक प्रमाण पत्रों में अंकित है। दोनो एक ही व्यक्ति के नाम है। **शोभित कुमार पुत्र आशा राम ,दुर्गा नगर तिर्वा गंज,जिला कन्नौज।**

सूचना

I, RAJ KUMAR S/O RAM PRASAD, R/O-180A, VISHNU LOK COLONY, MANAS NAGAR, PS- SAROJINI NAGAR, LUCKNOW, UP, HEREBY INFORM EVERYONE THAT I HAVE CHANGED MY NAME TO RAJ KUMAR CHAUDHARY SHOULD BE KNOWN, IDENTIFIED, AND ADDRESSED AS RAJ KUMAR CHAUDHARY.

सूचना

मैने अपना नाम SHAMSHAD से बदलकर SHAMSAD ALI रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0-VISMILLA ADD- KOTHA, KEDARPUR, PAINTEPUR DEHAT DIST-SITAPUR-261203(U.P.)

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा हाईस्कूल वर्ष 1991 अनु0 465263 का अंकपत्र एवं प्रमाण पत्र वास्तव में खो गया है। **केशव दत्ता निवासी– ग्राम–पोस्ट ककरघटा, शाहाबाद, हरदोई**

सूचना

मैने अपना नाम SIMARANDEEP KAUR से बदलकर SIMRAN DEEP KAUR रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। W/0-SATENDRA PAL SINGH ADD-VILL AND POST-NAURANGABAD, DIST-LAKHIMPUR KHERI-262905(U.P.)

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा हाईस्कूल संस्थागत 2018 अनु0 1181307 एवं इण्टरमीडिएट 2021 संस्थागत अनु0 215873082 का अंक पत्र सह प्रमाण पत्र वास्तव में खो गया है। **गुन्जन वर्मा, निवासी– ग्राम नगला भाग, शाहाबाद, हरदोई**

सूचना

सूचित हो कि पहले मेरा नाम MOHAMMAD IRATAJ था से बदलकर MOHAMMAD IRTAJ रख लिया है। अब मुझे MOHAMMAD IRTAJ के नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0-NISAR ADD-VILL-KATURIKHURD POST-KATURI KALAN PS-BADDUPUR DIST-BARABANKI-225306 (U.P.)

सूचना

सूचित हो कि मेरा हाईस्कूल का अंकपत्र रोल नंबर 1252309740 वर्ष 2025 वास्तव में खो गया है। चौधरी ओंकारनाथ इंटर कालेज चन्द्र नगर नन्दवल से उत्तीर्ण किया था। **गोपाल पुत्र अवधेश कुमार ग्राम सिरौली कला विकास खंड फखरपुर बहराइच।**

सूचना

मै अपने पुत्र सुरेन्द्र जिसका चाल चलन आचरण ठीक नहीं है, उससे अपना समस्त रिश्ता व आवागमन बंद करता हूं तथा उसके द्वारा कृत्य कार्यो का वह स्वयं जिम्मेदार होगा। मेरा व मेरे परिवार के अन्य सदस्यों से उसके कृत्यों से कोई सरोकार नहीं रहेगा।– **प्रार्थी परशुराम पुत्र हरीलाल निवासी ग्राम व पोस्ट कन्थईपुर थाना बदोसरांय जिला बाराबंकी।**

नीलामी सूचना

दिनांक 27.03.2026 प्रातः 10:00 बजे ए.एम.सी. सेन्टर एण्ड कालेज, (सी.क्यू.एम. डिपार्टमेंन्ट), नील लाइन्स, लखनऊ में पब्लिक ग्रान्ट स्टोर्स के अनुपयोगी/निष्प्रयोज्य घोषित सामग्रियों की नीलामी होगी। सिक्योरिटी रू0 10,000/– बैंकड्राफ्ट ''कमान्डेन्ट, ए.एम.सी. सेन्टर एण्ड कालेज, लखनऊ'' के नाम फर्म के वैध जी.एस.टी. पंजीकरण, आधार, पैनकार्ड के साथ जमा होगी। **आई.पी. सिंह एण्ड सन्स**

सूचना

मेरा हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट की अंकतालिकाएं (मार्कशीट) वास्तव मे खो गया है। जिनका विवरण निम्न है–
नाम व पता– राहुल कुमार पुत्र राजकुमार निवासी ग्राम बरगदवा, पोस्ट ककरहवा थाना मोहाना जिला सिद्धार्थनगर।
हाईस्कूल–परीक्षा वर्ष–2021–रोल नंबर–212743572
इंटरमीडिएट– परीक्षा वर्ष–2023
रोल नंबर–2237376862
बोर्ड– उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद

मै **भगौती पुत्र अंगनू निवासी ग्राम धनौरा मजरा दनौर परगना व तहसील मलिहाबाद जिला लखनऊ,** मेरे बड़े पुत्र अनूप व उसकी पत्नी रागिनी का चालो–चलन व आचरण मेरे व मेरे परिवार के प्रति ठीक नही है। मुझसे व मेरे परिवार से हमेशा दुर्व्यवहार करता है अर्थात मारपीट करता है। मैं अपने बड़े पुत्र अनूप व उसकी पत्नी रागिनी के खराब चालो–चलन व आचरण से काफी आहत हूँ इसलिए मै अनूप व उसकी पत्नी को अपनी समस्त चल–अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूँ। आज से मेरा व मेरे परिवार से समस्त रिश्ते–नाते समाप्त हो गये हैं यदि उपरोक्त अपकृत्य या अपराध करते हैं तो वह स्वयं जिम्मेदार होगा मेरी व मेरे परिवार के किसी भी सदस्य की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

सूचना

आप सभी को सूचित किया जाता है कि हमारे अपने मूल दस्तावेज से सम्बंधित सभी रसीदे और अनुबंध पत्र, पजेशन पत्र, अलाटमेंट पत्र इत्यादि जोकि पार्श्वनाथ डेवलपर्स लिमिटेड द्वारा मेरे बुकिंग फ्लैट नंबर T–5/302 पार्श्वनाथ प्लैनेट रेसीडेंसियल प्रोजेक्ट विभूति खंड गोमती नगर लखनऊ के विरुद्ध जारी किए गए सभी मूल रसीदें और अन्य कागजात कही खो गए हैं जोकि बहुत ढूढ़ने पर भी मिल नहीं रहे है। इन सभी दस्तावेजों को अगर भविष्य में कोई भी पाता है और किसी भी तरह का उपयोग/दुरुपयोग कर्ता है तो वह अमान्य माना जाएगा। अगर किसी को भी ये सारे दस्तावेज प्राप्त होते है तो कृपया इसलिए पते पर संपर्क करें – **श्री गिरधर गोपाल अग्रवाल एवं श्रीमती निरुपमा अग्रवाल, पता – रजनीगंधा अपार्टमेंट, 3–सी, गोखले मार्ग लखनऊ उ0प्र0, पिन– 226001**

सूचना

सूचित हो हम पति–पत्नी अपने दोनों पुत्र नवीन कुमार यादव व प्रवीर्ण कुमार यादव के गलत कार्य व्यवहार के कारण परेशान होकर अपनी समस्त चल–अचल सम्पत्ति से बेदखल करते हैं एवं अपने सम्बन्धों को भी समाप्त कर रहे हैं। उक्त दोनों के किसी भी कार्य से हम लोगों का कोई वास्ता व सरोकार नहीं रहेगा। वे अपने कार्य के स्वयं जिम्मेदार होंगे।
–रामकिशोर यादव पुत्र स्व0 हरी राम व नीलम यादव पत्नी रामकिशोर यादव, पता–प्लाट नं0–8, यूनिटी सिटी, वृन्दावन विहार, कल्यानपुर, लखनऊ मो0: 7800501790, 7275604616

अमृत विचार

लखनऊ, शुक्रवार, 20 मार्च 2026

न्यूज ब्रीफ

हादसे में घायल मजदूर की इलाज के दौरान मौत

संतकबीरनगर, अमृत विचार। दुधारा थाना क्षेत्र में सड़क हादसे में घायल मजदूर की बुधवार की देर रात इलाज के दौरान मौत हो गई। परिजन उसे जिला अस्पताल बस्ती से रेफर होने के बाद लखनऊ ले जा रहे थे, लेकिन रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए अज्ञात बाइक चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। दुधारा क्षेत्र के सैथवलिया निवासी सूर्यलाल (60) 16 मार्च की शाम साइकिल से घर लौट रहे थे। इसी दौरान सैथवलिया मोड़ के पास तेज रफ्तार बाइक सवार ने साइकिल में टक्कर मार दी थी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए थे।

शांतिपूर्ण तरीके से सभी लोग मनायें अपने त्योहार : एसडीएम

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। सभी लोग शांतिपूर्ण तरीके से अपना त्योहार मनायें।किसी वर्ग के लोगों को ठेस पहुंचाने का कार्य कत्तई नहीं करना चाहिए। कानून तोड़ने वालों के विरुद्ध प्रशासन कठोर कार्यवाही अवश्य करेगा। उक्त जानकारी उपजिलाधिकारी कुणाल ने इटवा थाना पर आयोजित पीस कमेटी की बैठक में दिया है। उन्होंने बताया कि हमारे देश की गंगा जमुनी तहजीब पूरे विश्व मे प्रसिद्ध है। प्रशासन त्योहारों को लेकर पूरी तरह से सतर्क है। असामाजिक तत्वों पर कड़ी नजर रखी जा रही है। किसी को भी कानून तोड़ने की इजाजत नहीं है। नवरात्र व ईद पर सभी लोग अपने-अपने त्योहार शांतिपूर्ण ढंग से मनाएं। एक दूसरे को ठेस पहुंचाने का कार्य कत्तई न करें। आने वाले कुछ दिनों में गेहूं की कटाई शुरू हो जाएगी। आप लोग इसका डंठल कत्तई न जलायें। गेहूं के फसल का अवशेष जलाने से बगल के खेत मे खड़े फसल तथा रिहायशी क्षेत्र में भी आग लगने की संभावना हो सकती है।

डीएम व विधायक ने मां पलटा देवी के दरबार में टेका माथा

संवाददाता, सिद्धार्थनगर

अमृत विचार। पावन चैत्र नवरात्र के प्रथम दिवस के अवसर पर क्षेत्र के प्रसिद्ध पलटा देवी मंदिर पर विधायक शोहरतगढ़ विनय वर्मा एवं जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जी.एन. द्वारा विधिवत पूजा-अर्चना कर मां दुर्गा का आशीर्वाद प्राप्त किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हुई, जहां मंदिर के पुजारियों द्वारा पूरे विधि-विधान से पूजा संपन्न कराई गई। विधायक शोहरतगढ़ विनय वर्मा एवं जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जी.एन. ने जनपदवासियों की सुख-समृद्धि, शांति एवं उन्नति की कामना की। विधायक विनय वर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि नवरात्रि का यह पावन पर्व हमें समाज में आपसी भाईचारा, एकता और सद्भाव बनाए रखने की प्रेरणा देता है। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं को नवरात्रि की शुभकामनाएं देते हुए आग्रह किया कि वे इस पर्व को श्रद्धा एवं उल्लास के साथ मनाएं। जिलाधिकारी ने कहा कि नवरात्रि का पर्व हमें शक्ति, संयम और सकारात्मक ऊर्जा का संदेश देता है, जो समाज के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। पूजा-अर्चना के उपरांत जनप्रतिनिधि एवं प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा मंदिर परिसर में आए हुए श्रद्धालुओं के बीच फल वितरण किया गया। फल वितरण कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं, बच्चों एवं बुजुर्गों ने भाग लिया और सभी ने इस पुण्य कार्य की सराहना की। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि नवरात्र के दौरान मंदिर परिसर में साफ-सफाई, पेयजल, सुरक्षा एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं।

मंदिर के पुजारी के साथ विधायक विनय वर्मा व डीएम शिवशरणप्पा जी.एन.।

मां के दरबार में उमड़ा आस्था का सैलाब

मां के दरबार में पूजा-अर्चना करते श्रद्धालु। अमृत विचार

कुशीनगर, अमृत विचार : शक्ति की आराधना का पावन पर्व चैत नवरात्र पर गुरुवार को दुर्गा मंदिरों में श्रद्धालुओं का ऐसा जनसैलाब उमड़ा कि हर ओर सिर्फ आस्था, श्रद्धा और भक्ति की ही झलक दिखाई दी। मंदिरों के कपाट खुलते ही भक्तों की लंबी कतारें लग गईं। माता के जयकारों व घंटियों की गूंज और शंखध्वनि से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। मां दुर्गा के प्रथम स्वरूप शैलपुत्री की पूजा-अर्चना के लिए श्रद्धालु पूरे विधि-विधान के साथ जनपद के खन्वार, मैनपुर कोट, कुलकुला देवी, खिरकिया मंदिर,करमहा मंदिर, वंचरा देवी, मंझरिया देवी चेडा माता सहित अन्य दुर्गा मंदिर मंदिर पहुंचे जहा तड़के भोर से ही भक्तों की लंबी कतारें लग गईं और घंटों इंतजार कर मां के दर्शन करते नजर आए। महिलाओं ने सिर पर चुनरी ओढ़े, हाथों में पूजा की थाली सजाए माता के दरबार में हाजिरी लगाई, तो वहीं युवाओं और बच्चों में भी खासा उत्साह देखने को मिला।

सादे कपड़ों में आए लोगों ने कार सवार युवक को उठाया

संतकबीरनगर, अमृत विचार। कोतवाली खलीलाबाद क्षेत्र में गुरुवार को एक संदिग्ध घटना ने लोगों के बीच हलचल पैदा कर दी। मेंहदावल बाईपास स्थित एक पेट्रोल पंप के पास दो वाहनों से आए सादे कपड़ों में आधा दर्जन लोगों ने एक कार सवार युवक को कथित रूप से अपने साथ ले लिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सभी लोग युवक को कार से उतारकर अपने वाहन में बैठाकर बस्ती जनपद की दिशा में रवाना हो गए। घटना के बाद इलाके में अफवाहों का दौर तेज हो गया। स्थानीय लोगों के बीच तरह-तरह की चर्चाएं चल रही हैं। कोई इसे अपहरण की घटना मान रहा है, तो कुछ लोग इसे किसी जांच एजेंसी की कार्रवाई बता रहे हैं। हालांकि, अभी तक किसी भी स्तर पर इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी है। सूत्रों के मुताबिक, मामला किसी जांच या विशेष एजेंसी से जुड़ा हो सकता है, लेकिन इस संबंध में पुलिस या प्रशासन की ओर से कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी गई है। जिम्मेदार अधिकारी भी फिलहाल कुछ भी कहने से बच रहे हैं। उधर, घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस सक्रिय हो गई है और पूरे प्रकरण की जानकारी जुटाई जा रही है। कोतवाल जयप्रकाश दूबे ने घटना से अनभिज्ञता जताई है। साथ ही तहरीर मिलने पर जांच किए जाने की बात कही है। फिलहाल, घटना को लेकर क्षेत्र में असमंजस की स्थिति बनी हुई है।

846 युवाओं का चयन, मिले नियुक्ति पत्र

खलीलाबाद के एचआर पीजी कॉलेज में वृहद रोजगार मेले का किया गया आयोजन

संवाददाता, संतकबीरनगर

अमृत विचार। खलीलाबाद स्थित हीरालाल रामनिवास पीजी कॉलेज के संयुक्त तत्वावधान में गुरुवार को महाविद्यालय परिसर में एकदिवसीय वृहद रोजगार मेले का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष बलिराम यादव ने मां सरस्वती के चित्र पर पुष्प अर्पित कर एवं दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर महाविद्यालय प्रशासन एवं सेवायोजन विभाग की ओर से उन्हें भगवान श्रीराम का चित्र भेंटकर सम्मानित किया गया।

हीरालाल रामनिवास पीजी कॉलेज में आयोजित वृहद रोजगार मेले में युवाओं को नियुक्ति पत्र देते जिला पंचायत अध्यक्ष बलराम यादव व अन्य।

मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में कहा कि वर्तमान समय में रोजगार केवल जीविका का साधन नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता और आत्मसम्मान का प्रतीक बन चुका है। एक युवा को रोजगार मिलने से उसके परिवार और समाज का भी समग्र विकास होता है। उन्होंने कहा कि ऐसे रोजगार मेलों के माध्यम से युवाओं को एक ही स्थान पर विभिन्न कंपनियों से जुड़ने का अवसर मिलता है। रोजगार मेले में कुल 1238 अभ्यर्थियों ने प्रतिभाग किया, जिनमें से 846 अभ्यर्थियों का प्रारंभिक चयन किया गया। मेले में 22 कंपनियों ने हिस्सा लिया। चयनित अभ्यर्थियों को मुख्य अतिथि द्वारा नियुक्ति पत्र वितरित किए गए। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ब्रजेश कुमार त्रिपाठी ने कहा कि यह मेला युवाओं को रोजगार के साथ-साथ उनकी प्रतिभा और कौशल को पहचानने का मंच भी प्रदान करता है। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे अपने कौशल का विकास करें और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ें। जिला सेवायोजन अधिकारी माधवी उपाध्याय ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। कार्यक्रम का संचालन प्लेसमेंट सेल प्रभारी डॉ. विजय कुमार मिश्र ने किया। डॉ. मनोज मिश्र ने अतिथियों का स्वागत किया, जबकि दीप्शी सिंह ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर उदय नारायण, नोडल प्रधानाचार्य राजकीय आईटीआई भगौसा तथा बृजेश कुमार, प्रधानाचार्य राजकीय आईटीआई खलीलाबाद सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

मंदिर से निकाली गई भव्य कलश शोभा यात्रा

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। क्षेत्र के ग्राम पंचायत गौरी पाठक स्थित श्रीराम-जानकी मंदिर परिसर में गुरुवार को सात दिवसीय अमृतमयी श्रीराम कथा एवं महायज्ञ का शुभारंभ भव्य कलश शोभायात्रा के साथ हुआ। आयोजन को लेकर पूरे क्षेत्र में भक्तिमय माहौल और उत्साह का दृश्य देखने को मिला। सुबह यज्ञ स्थल से प्रारंभ हुई कलश यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु, विशेषकर महिलाएं, पीला वस्त्र पहनकर, सिर पर मंगल कलश धारण कर शामिल हुईं। शोभायात्रा यज्ञ स्थल से शुरू होकर श्री राम जानकी मंदिर से होते हुए बनकटा स्थित राप्ती नदी के तट पर पहुंची। इसके बाद राप्ती नदी तट पर वैदिक मंत्रोच्चार के बीच जल भरकर विधि-विधान से कलश पूजन किया गया।

दीर्घ सेतु निर्माण को मिली स्वीकृति

संवाददाता कुशीनगर।

अमृत विचार: हाटा विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत गंडक नदी के सिकटिया-बनटोलवा घाट पर प्रस्तावित दीर्घ सेतु निर्माण के लिए प्रदेश सरकार द्वारा 19 करोड़ 24 लाख की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गई है। जिससे क्षेत्रीय जनता में हर्ष का माहौल है।

विधायक मोहन वर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि चुनाव के दौरान किए गए वादों को चरणबद्ध तरीके से पूरा किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों में जहां केवल आश्वासन दिए जाते थे, वहीं वर्तमान सरकार जनहित के कार्यों को प्राथमिकता देते हुए उन्हें धरातल पर उतार रही है। उन्होंने बताया कि सेतु निर्माण से मुहम्दा जमीन सिकटिया, अथरहां, परसौनी, लंगड़ी, पिपरा, पुरैनी, विजयपुर चौराहा सहित दर्जनों गांवों के लोगों को सीधा लाभ मिलेगा। इससे आवागमन सुगम होगा तथा समय और धन दोनों की बचत होगी।विधायक ने इस स्वीकृति के लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह निर्णय सरकार की दूरदर्शी सोच और जनकल्याण के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि उनके अनुरोध पर सरकार ने जनहित में यह बड़ा कदम उठाया है।मोहन वर्मा ने कहा कि लोक निर्माण विभाग से वित्तीय स्वीकृति मिलने के बाद क्षेत्र की जनता का भरोसा सरकार पर और मजबूत हुआ है। उन्होंने क्षेत्रीय जनता को बधाई देते हुए उनके सहयोग, समर्थन और विश्वास के लिए आभार व्यक्त किया।

जानकारी देते विधायक हाटा मोहन वर्मा।

- **विधायक मोहन वर्मा ने कहा, चुनाव के समय जनता से किया वादा पूरा किया**

हाईवे किनारे कूड़े के ढेर हटाने का आदेश

संतकबीरनगर, अमृत विचार। रसूलाबाद क्षेत्र में हाईवे किनारे डंप किए गए कूड़ा-कचरे के मामले को गंभीरता से लेते हुए स्थानीय प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। उप जिला मजिस्ट्रेट (एसडीएम) सदर/खलीलाबाद ने गुरुवार को अधिशासी अधिकारी खलीलाबाद व मगहर के एक व्यक्ति को नोटिस जारी कर तत्काल प्रभाव से कूड़े के ढेर को हटाने का निर्देश दिया है। एसडीएम सदर अरुण कुमार की ओर से जारी नोटिस में स्पष्ट कहा गया है कि सड़क के किनारे जमा कूड़ा न केवल स्वच्छता व्यवस्था को प्रभावित कर रहा है बल्कि राहगीरों के लिए भी परेशानी का कारण बन रहा है।

19 से 27 तक अनारक्षित मेला विशेष गाड़ी का संचलन

गोरखपुर, अमृत विचार। रेलवे प्रशासन द्वारा चैत्र नवरात्र मेला के अवसर पर श्रद्धालु यात्रियों की सुविधा के लिए 05016/05015 गोंडा-तुलसीपुर-गोंडा अनारक्षित मेला विशेष गाड़ी का संचलन गोंडा से 19 से 27 मार्च तक प्रतिदिन तथा तुलसीपुर से 20 से 28 मार्च तक प्रतिदिन 09 फेरों के लिए किया जायेगा। 05016 गोंडा-तुलसीपुर अनारक्षित मेला विशेष गाड़ी प्रतिदिन गोंडा से 22:45 बजे प्रस्थान कर सुभागपुर से 23:02 बजे, इंटियाथोक से 23.19 बजे, भवानीपुर कलां से 23.29 बजे, बलरामपुर से 23.39 बजे, झारखण्डी से 23.52 बजे, दूसरे दिन गैंजहवा से 00.02 बजे, कौवापुर से 00.12 बजे तथा लक्ष्मणपुर से 00.20 बजे छूटकर तुलसीपुर 00.45 बजे पहुँचेगी। वापसी यात्रा में 05015 तुलसीपुर-गोंडा अनारक्षित मेला विशेष गाड़ी 20 से 28 मार्च, 2026 तक प्रतिदिन तुलसीपुर से 03.10 बजे प्रस्थान कर लक्ष्मणपुर से 03.19 बजे, कौवापुर से 03.26 बजे, गैंजहवा से 03.36 बजे, झारखण्डी से 03.45 बजे, बलरामपुर से 03.52 बजे, भवानीपुर कलां से 04.04 बजे, इंटियाथोक से 04.12 बजे तथा सुभागपुर से 04.28 बजे छूटकर गोंडा 05.00 बजे पहुंचेगी। यह गाड़ी डेमू रेक से चलाई जायेगी।

30 मार्च तक ट्रेनों को 5 मिनट का ठहराव

गोरखपुर, अमृत विचार। रेलवे प्रशासन द्वारा नवरात्र मेला के अवसर पर श्रद्धालु यात्रियों की सुविधा के लिए पश्चिम मध्य रेलवे के जबलपुर मण्डल के मैहर स्टेशन पर 18 से 30 मार्च के बीच विभिन्न गाड़ियों को 05 मिनट का ठहराव प्रदान किया जायेगा। इनमें 11055 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-गोरखपुर एक्सप्रेस, 11059 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-छपरा एक्सप्रेस, 12669 पुरट्टिच तलैवर डॉ0 एम.जी. रामचंद्रन (चेन्नै सेंट्रल)-छपरा एक्सप्रेस, 19051 वलसाड-मुजफ्फरपुर एक्सप्रेस, 15268 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-रक्सौल एक्सप्रेस, 18201 दुर्ग-नौतनवा एक्सप्रेस, 11037 पुणे-गोरखपुर एक्सप्रेस, 18610 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-रांची एक्सप्रेस, 22131 पुणे-बनारस एक्सप्रेस, 19045 सूरत-छपरा एक्सप्रेस, 11056 गोंडा-लोकमान्य तिलक टर्मिनस एक्सप्रेस, 11060 छपरा-लोकमान्य तिलक टर्मिनस एक्सप्रेस, 12670 छपरा-पुरट्टिच तलैवर डॉ0 एम.जी. रामचंद्रन (चेन्नै सेंट्रल) एक्सप्रेस, 19052 मुजफ्फरपुर-वलसाड एक्सप्रेस, 15267 रक्सौल-लोकमान्य तिलक टर्मिनस एक्सप्रेस, 18202 नौतनवा-दुर्ग एक्सप्रेस, 11038 गोरखपुर-पुणे एक्सप्रेस, 18609 रांची-लोकमान्य तिलक टर्मिनस एक्सप्रेस, 22132 बनारस-पुणे एक्सप्रेस और 19046 छपरा-सूरत एक्सप्रेस शामिल हैं।

एसपी ने बखिरा थाने में नवनिर्मित भोजनालय का किया उद्घाटन

संवाददाता, संतकबीरनगर

अमृत विचार। एसपी संदीप कुमार मीना ने गुरुवार को बखिरा थाना परिसर में नवनिर्मित भोजनालय (मेस) का फीता काटकर उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने भोजनालय की व्यवस्था का जायजा लेते हुए स्वच्छता और भोजन की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। एसपी ने कहा कि पुलिसकर्मियों को स्वस्थ और पौष्टिक भोजन मिलना अत्यंत आवश्यक है, जिससे वे बेहतर तरीके से अपनी ड्यूटी का निर्वहन कर सकें।

उद्घाटन के बाद एसपी ने थाना परिसर में संचालित मिशन शक्ति केंद्र का निरीक्षण किया। उन्होंने ड्यूटी पर तैनात महिला पुलिसकर्मियों से संवाद कर उन्हें निर्देशित किया कि थाने पर आने वाली पीड़ित महिलाओं की समस्याओं को गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ सुना जाए। साथ ही मिशन शक्ति अभियान के तहत गांवों व सार्वजनिक स्थलों पर महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति लगातार जागरूक करने पर जोर दिया। इसके पश्चात उन्होंने मालखाना और थाना अभिलेखों का निरीक्षण किया। लंबित माल के शीघ्र निस्तारण और शस्त्रों की नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने थाना कार्यालय में रखे विभिन्न रजिस्टरों और अभिलेखों को अद्यतन रखने की आवश्यकता पर भी बल दिया।

मजिस्ट्रेटों को पुलिस दबाव में न आने का निर्देश

विधि संवाददाता, प्रयागराज

अमृत विचार। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मजिस्ट्रेटों को दबावमुक्त वातावरण में कार्य करने का निर्देश देते हुए स्पष्ट किया कि असुविधाजनक मामलों में जांच के आदेश देने पर कभी-कभी वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मजिस्ट्रेटों को प्रभावित करने या दबाव बनाने की कोशिश करते हैं, लेकिन इससे मजिस्ट्रेटों को अपने वैधानिक कर्तव्यों के निर्वहन में संकोच नहीं करना चाहिए। अगर किसी मजिस्ट्रेट को किसी पुलिस अधिकारी द्वारा दबाव या शर्मिंदगी का सामना करना पड़ता है, तो वह उच्च न्यायालय में अवमानना कार्यवाही का सहारा ले सकते है।

कोर्ट ने कहा कि केवल असुविधा या दबाव के कारण मजिस्ट्रेट आवश्यक आदेश पारित करने से पीछे नहीं हट सकते हैं। उक्त आदेश न्यायमूर्ति जे.जे. मुनीर और न्यायमूर्ति विनय कुमार द्विवेदी की खंडपीठ ने संदीप औदिच्य की आपराधिक याचिका खारिज करते हुए पारित किया। याचिका में पुलिस अधीक्षक, फर्रुखाबाद को 19 अगस्त 2025 को दिए गए आवेदन पर प्राथमिकी दर्ज करने के संबंध में समयबद्ध निर्णय करने का निर्देश देने की मांग की गई थी। कोर्ट ने ऐसे प्रार्थना-पत्रों पर नाराजगी जताते हुए कहा कि अधिकारियों को केवल अभ्यावेदन पर निर्णय लेने के निर्देश देने की मांग से न्यायालय वास्तव में "शक्तिहीन" हो जाता है। इससे याचिकाओं की अनावश्यक बाढ़ आ जाती है, जिनमें न्यायालय को किसी वास्तविक विवाद का निस्तारण नहीं करना होता। कोर्ट ने मामले पर विचार करते हुए स्पष्ट किया कि अगर थाना प्रभारी संज्ञेय अपराध की सूचना दर्ज नहीं करता, तो पहले पुलिस अधीक्षक को बीएनएसएस की धारा 173(4) के तहत लिखित सूचना भेजी जा सकती है और अगर वहां भी कार्रवाई न हो तो न्यायिक मजिस्ट्रेट के समक्ष बीएनएसएस की धारा 175(3) के तहत आवेदन किया जा सकता है, जहां मजिस्ट्रेट जांच का आदेश देने के लिए सक्षम है। कोर्ट ने यह भी कहा कि जब बीएनएसएस के तहत प्रभावी वैधानिक वैकल्पिक उपाय उपलब्ध हैं, तो अनुच्छेद 226 के तहत हस्तक्षेप का कोई औचित्य नहीं बनता। अंत में कोर्ट ने याचिका को संक्षेप में खारिज कर दिया।

डीएम ने मेडिकल कॉलेज का किया निरीक्षण, गंदगी मिलने पर हुए नाराज

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जी.एन. ने गुरुवार को माधव प्रसाद त्रिपाठी राजकीय मेडिकल कालेज का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने अस्पताल की व्यवस्थाओं को देखा तथा मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता को देखा गया। जिलाधिकारी ने सर्वप्रथम ओपीडी, इमरजेंसी वार्ड, दवा वितरण काउंटर एवं विभिन्न वार्डों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने भर्ती मरीजों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं के बारे में जानकारी ली तथा उपचार एवं सुविधाओं के संबंध में फीडबैक प्राप्त किया। कुछ मरीजों द्वारा बताई गई समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए उन्होंने संबंधित अधिकारियों को तत्काल निराकरण के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने अस्पताल परिसर में साफ-सफाई की स्थिति, पेयजल व्यवस्था, शौचालयों की स्वच्छता एवं दवाओं की उपलब्धता की भी समीक्षा की। उन्होंने साफ-सफाई में लापरवाही मिलने प नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित कर्मचारियों को सख्त निर्देश दिए कि अस्पताल परिसर को हर समय स्वच्छ एवं व्यवस्थित रखा जाए। जिलाधिकारी ने चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों की उपस्थिति की भी जांच की और समय से ड्यूटी पर उपस्थित रहने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मरीजों के उपचार में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और सभी डॉक्टर एवं स्टाफ अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक पालन करें। इसके अतिरिक्त उन्होंने दवा स्टॉक रजिस्टर, जांच रिपोर्ट व्यवस्था एवं अन्य अभिलेखों का भी अवलोकन किया तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने अस्पताल प्रशासन को निर्देशित किया कि सभी आवश्यक दवाएं एवं उपकरण पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध रहें।

आयोजन | यांत्रिक कारखाना, गोरखपुर में महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने को हुए कार्यक्रम

महिलाओं की उन्नति संगठन व समाज की प्रगति का आधार

गोरखपुर, अमृत विचार। महाप्रबंधक पूर्वोत्तर रेलवे उदय बोरवणकर के दिशा-निर्देश पर यांत्रिक कारखाना, गोरखपुर में महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने एवं महिलाओं की सहभागिता, सम्मान एवं समान अवसरों को प्रोत्साहित करने हेतु समावेशी एवं सकारात्मक कार्यसंस्कृति को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से 17 से 19 मार्च 2026 तक विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इसके अंतर्गत 17 मार्च, 2026 को महिला कर्मचारियों द्वारा कला एवं सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिसमें गीत, कविता तथा अन्य रचनात्मक प्रस्तुतियों के माध्यम से प्रतिभाओं का प्रभावी प्रदर्शन किया गया।

इसी क्रम में 19 मार्च को मुख्य कारखाना प्रबन्धक यांत्रिक कारखाना डॉ0 सुनील कुमार शर्मा की उपस्थिति में महिला विश्राम कक्ष का उद्घाटन वरिष्ठ महिला कर्मचारी स्नेहलता दुबे ने किया तथा मुख्य कारखाना प्रबन्धक डॉ0 सुनील कुमार शर्मा ने बढ़ते कदम नामक पत्रिका का विमोचन किया, जो कारखाना की महिला कर्मचारियों की स्वप्रेरणा से प्रारंभ की गई पहल का परिणाम है। विमोचन के अवसर पर मुख्य कारखाना प्रबंधक डॉ. सुनील कुमार शर्मा ने कहा कि महिलाएँ कारखाने की कार्यसंस्कृति को सुदृढ़ बनाते हुए अपनी क्षमता, दक्षता एवं नेतृत्व के माध्यम से प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। महिलाओं की उन्नति संगठन एवं समाज दोनों की प्रगति का आधार है, इसलिए ऐसा कार्य वातावरण आवश्यक है जहां समानता, सम्मान एवं संवेदनशीलता स्वाभाविक रूप से विकसित हों। उप मुख्य यांत्रिक अभियंता अनुज मिश्रा ने कहा कि एक स्वस्थ एवं प्रगतिशील कार्यस्थल वही होता है, जहाँ सभी कर्मचारियों को समान अवसर, सम्मान एवं सुरक्षित वातावरण मिल सके।

महिला विश्राम कक्ष का उद्घाटन करतीं वरिष्ठ महिला कर्मचारी स्नेहलता दुबे।

जगमोहनी में हुआ ग्राम चौपाल का आयोजन

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। उप संचालक चकबन्दी, सिद्धार्थनगर तथा बन्दोबस्त अधिकारी चकबन्दी के दिशा निर्देश में तहसील नौगढ के ग्राम जगमोहनी में ग्राम चौपाल का आयोजन राजेन्द्र प्रसाद यादव चकबन्दी अधिकारी नौगढ की अध्यक्षता में किया गया। ग्राम जगमोहनी में आयोजित बैठक में सहायक चकबन्दी अधिकारी नौगढ राजेश मिश्रा के साथ शमशुल कमर खां चकबन्दी कर्ता, अत्रीमणि त्रिपाठी एवं ओम प्रकाश यादव चकबन्दी लेखपाल एवं अन्य चकबन्दी कर्मचारी तथा ग्राम प्रधान एवं चकबंदी समिति के सदस्यगण की उपस्थिति में ग्राम चौपाल का आयोजन सफलतापूर्वक किया गया है।

कंचन के आंगन में चहक रहीं गौरैयां

सुनील मिश्रा, सिद्धार्थनगर

गौरैया दिवस पर विशेष

अमृत विचार। आधुनिकता के इस चकाचौध में जहां एक तरफ गौरैया विलुप्त होती जा रही है, वहीं कुछ ऐसे भी दिलेर है जो गौरैया को अपने बच्चों की तरह पाल पोस रहे है। गौरैया को प्रतिदिन दाना-पानी देने के साथ उनके दिनचर्या की शुरुवात होती है।

जी हां, हम बात कर रहे है विकास खण्ड वर्डपुर के ग्राम पंचायत सूर्यकुड़िया के रहने वाले समाजसेवी कंचन वर्मा के पूरे परिवार की, जिन्होंने गौरैया को संरक्षण देने का संकल्प ले रखा है। कंचन वर्मा व उनके परिवार को गौरैया से अगाध प्रेम है। जिन्होनें ने अपने घर पर 500 से अधिक गौरैया को पाल रखा है। गौरैया को किसी बड़े पंछियों से किसी भी प्रकार नुकसान न होने पाए, गौरैया के बच्चे घोसले से बाहर न गिरे, इसके लिए कंचन के परिवार की आराधना वर्मा, अभय वर्मा व अर्चिता वर्मा द्वारा गौरैया को दाना -पानी से देने से लेकर हर प्रकार का पूरा ख्याल रखा जाता है। कंचन वर्मा का कहना है कि लगभग 15 वर्षों से वे गौरया को संरक्षण देने के साथ अपने बच्चों की तरह पालन पोषण कर रहे है।उन्होंने बताया कि प्रतिदिन गौरैया को दाना पानी देने के साथ उनके दिनचर्या की शुरुवात होती है।परिवार के सभी सदस्य द्वारा गौरैया को दाना पानी देने का साथ ही उनका पूरा ख्याल रखा जा रहा है।गौरैया को सुरक्षित रखने के लिए उन्होंने अपने घर पर ही 150 से अधिक संख्या में घोंसला (घर) बनाए हुए है।

गौरैया के लिए बनाए गए घर।

न्यूज ब्रीफ

पश्चिम एशिया नौ क्षेत्रों से उड़ान न संचालित करने की सलाह

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष के बीच नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने बृहस्पतिवार को विभिन्न एयरलाइन को क्षेत्र के नौ हवाई क्षेत्रों के इस्तेमाल से बचने की सलाह दी है तथा सुरक्षा जोखिम मूल्यांकन के हिस्से के रूप में मजबूत वैकल्पिक योजनाएं सुनिश्चित करने को कहा है। डीजीसीए के एक परामर्श के अनुसार, भारतीय एयरलाइन को बहरीन, ईरान, इराक, इजराइल, जॉर्डन, कुवैत, लेबनान, कतर और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के हवाई क्षेत्रों का इस्तेमाल न करने की सलाह दी है। उसने कहा कि यह परामर्श तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है और 28 मार्च तक प्रभावी रहेगा।

एसबीआई के पूर्व अधिकारी की 98 लाख की संपत्ति कुर्क की

नई दिल्ली। ईडी ने भारतीय स्टेट बैंक के पूर्व शाखा प्रबंधक मनोज कुमार और उनके परिवार के सदस्यों की 97 .92 लाख रुपये की दो अचल संपत्तियां कुर्क की हैं। ईडी के रांची जोनल कार्यालय ने गुरुवार को कहा कि कुर्क की गई संपत्तियों में झारखंड के साहिबगंज में एक आवासीय घर और बिहार के पटना में एक फ्लैट शामिल है। ईडी ने सीबीआई की धनबाद की एसीबी और शिकारीपाड़ा थाने द्वारा दर्ज कई प्राथमिकी और आरोप पत्रों के आधार पर अपनी जांच शुरू की थी। आधारभूत अपराधों में आईपीसी और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत एक लोक सेवक द्वारा आपराधिक साजिश, धोखाधड़ी, जालसाजी और आपराधिक कदाचार शामिल हैं।

वाशिंगटन डीसी में सैन्य बेस के ऊपर मंडराए ड्रोन, हड़कंप

व्हाइट हाउस में हुई उच्चस्तरीय सुरक्षा बैठक, बढ़ाई गई विदेश मंत्री रूबियो और रक्षा मंत्री हेगसेथ की सुरक्षा

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन डीसी स्थित एक प्रमुख सैन्य बेस ''फोर्ट मैकनेयर'' के ऊपर कई अज्ञात ड्रोन देखे जाने के बाद अमेरिकी सुरक्षा हल्कों में हड़कंप मच गया है। ये ड्रोन कहां से आए, इसका अभी तक पता नहीं चल पाया है। इस घटना के बाद व्हाइट हाउस में एक उच्च स्तरीय बैठक बुलाई गई जिसके बाद सुरक्षा उपायों को और कड़ा कर दिया गया है।

'द वाशिंगटन पोस्ट' की रिपोर्ट के अनुसार, इसी सैन्य बेस पर अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो और रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ का निवास स्थान भी है। सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि पिछले 10 दिनों के भीतर एक ही रात में कई ड्रोन देखे गए। ड्रोन दिखने के बाद प्रशासन ने रूबियो और हेगसेथ को किसी और सुरक्षित स्थान पर भेजने पर भी विचार किया, हालांकि फिलहाल दोनों अपने वर्तमान आवास पर ही बने हुए हैं। प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि 28 फरवरी से ईरान पर शुरू हुए अमेरिका-इजराइल हमलों के बाद से अमेरिकी सेना हाई अलर्ट पर है। इस घटना के बाद अलर्ट स्तर को और अधिक बढ़ा दिया गया है। पेंटागन के मुख्य प्रवक्ता सीन पार्नेल ने रक्षा मंत्री हेगसेथ की सुरक्षा और उनकी आवाजाही पर टिप्पणी करने से इन्कार करते हुए इसे अत्यंत गैरजिम्मेदाराना बताया।

ईरान के मिसाइल हमले के बाद संयुक्त अरब अमीरात के हबसान गैस प्लांट से उठती लपटें और धुआं।

ईरान के मिसाइल हमले से उत्तरी इजराइल में बिजली ग्रिड क्षतिग्रस्त हाइफा रिफाइनरी पर भी गिरा बम

दुबई। ईरान की ओर से किए गए मिसाइल हमले से उत्तरी इजराइल में बिजली ग्रिड क्षतिग्रस्त हो गई है। इजराइल के ऊर्जा मंत्री एली कोहेन ने कहा कि उत्तरी इजराइल में बिजली ग्रिड को नुकसान पहुंचा है। कर्मचारियों ने कुछ क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति बहाल कर दी है और उन क्षेत्रों में भी बिजली बहाल करने का प्रयास जारी है जहां अब भी बिजली नहीं है। इस बीच इजराइली मीडिया ने उत्तरी शहर हाइफा में तेल रिफाइनरी से उठते काले धुएं की तस्वीरें दिखाईं। मीडिया के अनुसार शुरुआती आकलन से पता चलता है कि ईरानी क्लस्टर बम का एक हिस्सा रिफाइनरी से टकराया।

ईयू ने की अपील, तुरंत रोका जाए युद्ध क्योंकि रूस को मिल रहा है फायदा

ब्रुसेल्स। यूरोपीय संघ की विदेश नीति प्रमुख काजा कल्लास ने ईरान युद्ध को तत्काल समाप्त करने और तनाव कम करने की पुरजोर वकालत की है। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि यह संघर्ष जारी रहा तो इससे न केवल पश्चिम एशिया में अस्थिरता बढ़ेगी, बल्कि यूक्रेन में रूस के खिलाफ जारी प्रयासों को भी गहरा धक्का लगेगा। कल्लास ने गुरुवार को यूरोपीय परिषद के शिखर सम्मेलन से पहले ब्रुसेल्स में पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि ईरान युद्ध से बाहर निकलना अब अनिवार्य हो गया है। उन्होंने तर्क दिया कि इस युद्ध के कारण वैश्विक ऊर्जा बाजार का स्वरूप बदल रहा है, जिसका अप्रत्यक्ष लाभ मॉस्को को मिल रहा है।

इजराइल-हिज्बुल्ला के बीच युद्ध में 1,000 से ज्यादा लोग मारे गए

दुबई। लेबनान सरकार के अनुसार, ईरान समर्थित समूह हिज्बुल्ला के खिलाफ इजराइली हमलों के कारण 10 लाख से अधिक लोग विस्थापित हुए हैं और 1,000 से अधिक लोग मारे गए हैं। लेबनान सरकार ने कहा कि इजराइली हमलों के कारण विस्थापित हुए लोग कुल आबादी का करीब 20 प्रतिशत है। इस बीच इजराइल ने कहा है कि उसके हमलों में हिजबुल्ला के 500 से अधिक लड़ाके मारे गए हैं।

ईरान ने कतर, कुवैत, यूएई से मांगा अपने नुकसान के लिए मुआवजा

नई दिल्ली/न्यूयॉर्क। ईरान ने बृहस्पतिवार को कतर, कुवैत और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) पर अमेरिकी और इजराइली हमले के लिए अपनी जमीन उपलब्ध कराने पर तीखा हमला बोला और अपने सभी तरह के नुकसान के लिए मुआवजे की मांग की।

संयुक्त राष्ट्र में ईरान के राजदूत और स्थायी प्रतिनिधि आमिर सईद इरावानी ने संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के अध्यक्ष को लिखे एक पत्र में कहा कि 28 फरवरी को ईरान के खिलाफ हमले की शुरुआत के बाद से, कतर और कुछ और पड़ोसी देशों के क्षेत्र का उपयोग ईरान के खिलाफ हमले करने के लिए किया गया है। यह पत्र रियाध (सऊदी अरब) में इस्लामिक और खाड़ी देशों के 12 विदेश मंत्रियों की बैठक के बाद आया है, जिसमें पड़ोसी खाड़ी देशों पर ईरान के हमलों की कड़ी निंदा

- कहा- अमेरिकी-इजराइली हमलों के लिए अपनी जमीन मुहैया करा रहे ये देश

की गई थी। इरावानी ने कहा कि हमलावरों को अपनी धरती को उपलब्ध कराने के अवैध कृत्य के बारे में पहले कतर के अधिकारियों को सूचित किया था और इसे संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के आधिकारिक दस्तावेज के रूप में भी प्रकाशित किया गया था। ईरानी राजदूत ने कहा, कतर, कुवैत और यूएई द्वारा हमलावरों को दी गई सहायता के परिणामस्वरूप, उन्होंने ईरान में हजारों नागरिकों और नागरिक ठिकानों को निशाना बनाया है। ये कार्य आपसी सम्मान और अच्छे पड़ोस के सिद्धांतों का घोर उल्लंघन हैं। ईरान आत्मरक्षा के अपने अंतर्निहित अधिकार के तहत यह मानता है कि उस पर हमले के लिए इस्तेमाल किए जा रहे किसी भी सैन्य अड्डे को निशाना बनाना वैध है।

बारह इस्लामिक देशों के विदेश मंत्रियों ने पड़ोसी देशों पर ईरानी हमलों की निंदा की

रियाध/नई दिल्ली। अरब और इस्लामी देशों के 12 विदेश मंत्रियों ने पड़ोसी देशों पर ईरानी हमलों की कड़ी निंदा करते हुए कहा है कि ऐसे हमलों को किसी भी बहाने उचित नहीं ठहराया जा सकता है। अज़रबैजान, बहरीन, मिस्र, जॉर्डन, कुवैत, लेबनान, पाकिस्तान, कतर, सऊदी अरब, सीरिया, तुर्की और संयुक्त अरब अमीरात के विदेश मंत्रियों ने गुरुवार को रियाध में एक बैठक की और तत्काल शत्रुता समाप्त करने एवं अंतरराष्ट्रीय कानून का सम्मान करने का आह्वान किया। इसके साथ ही संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुच्छेद 51 के अनुसार राज्यों के आत्मरक्षा के अधिकार की पुष्टि भी की गई।

सऊदी अरब ने कहा- गलतफहमी छोड़े ईरान

- बैठक के बाद सऊदी विदेश मंत्री प्रिंस फैसल बिन फरहान अल सऊद ने कहा कि तेहरान को राजनीतिक एवं व्यापक परिणाम भुगतने पड़ेंगे। सऊदी अरब को आवश्यक कदम उठाने का अधिकार है और उचित समय पर सही निर्णय लिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि अगर ईरान यह मानता है कि खाड़ी देश जवाबी कार्रवाई करने में असमर्थ हैं तो गलतफहमी में है। प्रिंस फैसल ने क्षेत्र में अमेरिका की उपस्थिति को हमलों से जोड़ने वाले ईरान के तर्कों को खारिज करते हुए कहा कि ये दावे विश्वसनीय नहीं हैं क्योंकि लक्ष्यों में ऐसे देश और सुविधाएं शामिल थीं जिनका उन बातों से कोई संबंध नहीं था।

पूर्व नेशनल काउंटर टेररिज्म चीफ केंट पर खुफिया जानकारी लीक करने का आरोप

वाशिंगटन। अमेरिका की संघीय जांच एजेंसी (एफबीआई) 'नेशनल काउंटर टेररिज्म सेंटर' के पूर्व प्रमुख जो केंट के खिलाफ गोपनीय खुफिया जानकारी लीक करने के आरोपों की जांच कर रही है। रिपोर्टों के अनुसार, यह जांच उनके इस सप्ताह दिए गए इस्तीफे से पहले ही शुरू हो गई थी। सीबीएस न्यूज के सूत्रों के मुताबिक, एफबीआई का क्रिमिनल डिवीजन इस मामले को देख रहा है। हालांकि, अभी तक लीक हुई जानकारी की प्रकृति के बारे में सार्वजनिक रूप से कोई विवरण साझा नहीं किया गया है।

छत्तीसगढ़: सामूहिक धर्मांतरण कराने पर अब होगी उम्रकैद

रायपुर, एजेंसी

- कमजोर वर्ग के लोगों के धर्मांतरण पर 20 वर्ष तक की कैद का कानून में प्रावधान

छत्तीसगढ़ सरकार ने बृहस्पतिवार को विधानसभा में 'छत्तीसगढ़ धर्म स्वातंत्र्य विधेयक, 2026' पारित कर दिया। इस विधेयक में जबरदस्ती, प्रलोभन, धोखाधड़ी या गलत जानकारी देकर धर्म परिवर्तन कराने और सामूहिक धर्मांतरण के मामलों में कड़ी सजा का प्रावधान किया गया है।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने सदन में यह विधेयक प्रस्तुत किया।

विधेयक में अवैध धर्मांतरण कराने वालों के लिए सख्त सजा का प्रावधान किया गया है। इस विधेयक के तहत सामूहिक धर्मांतरण के मामलों में आजीवन कारावास तक की सजा का प्रावधान किया गया है जबकि नाबालिगों, महिलाओं, मानसिक रूप से कमजोर लोगों और अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति व अन्य पिछड़ा वर्ग से जुड़े मामलों में में 20 वर्ष तक की कैद का प्रावधान है। सदन में कांग्रेस सदस्यों की अनुपस्थिति में विधेयक पर चर्चा जारी रही। उपमुख्यमंत्री ने जब विधेयक पेश करने की अनुमति मांगी, तब कांग्रेस सदस्यों ने इसे प्रवर समिति को भेजने की मांग की। विधानसभा अध्यक्ष द्वारा यह मांग खारिज किए जाने पर कांग्रेस सदस्यों ने सदन की कार्यवाही का बहिष्कार कर दिया। शर्मा ने इस बीच आरोप लगाया कि विपक्ष ने बहस से इसलिए किनारा कर लिया, क्योंकि इससे उनके 'वोट बैंक' को नुकसान पहुंच सकता है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि मौजूदा कानूनी प्रावधानों को मजबूत करने और उन्हें आज के समय के हिसाब से अद्यतन करने की जरूरत है। शर्मा ने बस्तर संभाग के नारायणपुर और कांकेर जिलों में धर्म परिवर्तन की घटनाओं का जिक्र किया।

थल सेना को जल्द ही मिलेगी पिनाका रॉकेट की पहली खेप

नागपुर। भारतीय थल सेना गुरुवार को नागपुर स्थित एक कंपनी से विस्तारित दूरी वाले पिनाका रॉकेटों की पहली खेप प्राप्त करने के लिए तैयार है। ये रॉकेट 45 किलोमीटर तक के लक्ष्यों पर प्रहार करने में सक्षम हैं।

बुधवार को आयोजित प्रमाणन परीक्षणों में पिनाका

रॉकेट सफल साबित हुए हैं। सेना में शामिल करने से पहले इन परीक्षणों में उत्पादन खेप में से चुने गए रॉकेटों की गुणवत्ता की जांच की जाती है। इस प्रणाली के उपयोगकर्ता परीक्षण पहले ही पूरे हो चुके हैं। यह पिनाका प्रणाली के विस्तारित दूरी वाले संस्करण का पहला समावेश है, जो 40 किलोमीटर से कम दूरी वाले मौजूदा संस्करण का उन्नत रूप है। इन रॉकेटों की आपूर्ति के आदेश सोलर डिफेंस एंड एयरोस्पेस लिमिटेड और म्यूनिशन्स इंडिया लिमिटेड को दिए गए हैं। बाद वाली कंपनी की खेप का प्रमाणन परीक्षण इस महीने के अंत में होने की उम्मीद है।

पश्चिम बंगाल : भाजपा ने जारी की दूसरी सूची

सूची में कुल 111 उम्मीदवार, संदेशखलि आंदोलन का चेहरा रहीं रेखा पात्रा भी मैदान में

कोलकाता, एजेंसी

भाजपा ने बृहस्पतिवार को पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के लिए 111 उम्मीदवारों की दूसरी सूची जारी की, जिसमें 'संदेशखलि आंदोलन' का चेहरा मानी जाने वाली रेखा पात्रा और पूर्व केंद्रीय मंत्री निशीथ अधिकारी को शामिल किया गया है। अन्य प्रमुख उम्मीदवारों में पूर्व सांसद अर्जुन सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष तपस रॉय और अभिनेत्री से नेता बनीं रूपा गांगुली शामिल हैं।

रेखा पात्रा को नजदीकी हिंगलगंज विधानसभा सीट से उम्मीदवार बनाया गया है, जहां उनका मुकाबला सत्तारूढ़ दल के आनंद सरकार से होगा। रेखा पात्रा ने 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा उम्मीदवार के रूप में पहली बार चुनाव लड़ा था, लेकिन वह हार गई थीं। रूपा गांगुली सोनारपुर दक्षिण सीट से तृकां की लवली मैत्रा के खिलाफ चुनाव लड़ेंगी, जबकि एक अन्य अभिनेता और खड़गपुर सदर के मौजूदा विधायक हिरण चटर्जी

कोलकाता में बृहस्पतिवार को चुनाव प्रचार करते भाजपा प्रत्याशी और उनके समर्थक।

वाम मोर्चा की दूसरी सूची में 32 उम्मीदवार

कोलकाता। वाम मोर्चा ने गुरुवार को पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के लिए 32 उम्मीदवारों की अपनी दूसरी सूची घोषित कर दी है। इस सूची में मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के वरिष्ठ नेताओं मोहम्मद सलीम और सुजान चक्रवर्ती के नाम शामिल नहीं हैं, जिन्होंने पिछले विधानसभा और लोकसभा चुनावों में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई थी। पार्टी के पश्चिम बंगाल मुख्यालय मुजफ्फर अहमद भवन में माकपा के राज्य सचिव सलीम की ओर से घोषित 32 उम्मीदवारों की दूसरी सूची में 28 उम्मीदवार स के हैं, जबकि एक उम्मीदवार रिवोल्यूशनरी सोशलिस्ट पार्टी (आरएसपी) और तीन भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) द्वारा मैदान में उतारे गए हैं। वाम मोर्चे के समर्थन से भाकपा-एमएल लिबरेशन द्वारा 10 सीटों पर उम्मीदवारों की घोषणा के साथ ही, गठबंधन ने अब तक राज्य की 294 विधानसभा सीटों में से 234 पर अपने प्रत्याशियों की घोषणा कर दी है।

को हावड़ा के श्यामपुर से तृणमूल कांग्रेस (तृकां) के नदबासी जना के खिलाफ उम्मीदवार बनाया गया है। अधिवक्ता प्रियंका तिब्रेवाल को एंटाली से उम्मीदवार बनाया गया है, जिन्होंने कोलकाता हाईकोर्ट में तृणमूल सरकार के खिलाफ कई मामलों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। तिब्रेवाल ने 2021 में भवानीपुर विधानसभा उपचुनाव में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ चुनाव लड़ा था, लेकिन उन्हें हार का सामना करना पड़ा था।

बैरकपुर के पूर्व सांसद अर्जुन सिंह को नोआपाड़ा से उम्मीदवार बनाया गया है, जहां उनका मुकाबला तृकां नेता त्रिणांकुर भट्टाचार्य से होगा। भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष तापस रॉय को मणिकतला से तृकां की श्रेया पांडे के खिलाफ मैदान में उतारा गया है। पूर्व केंद्रीय मंत्री निशीथ प्रमाणिक को माथाभांगा से उम्मीदवार बनाया गया है, जबकि पूर्वी मेदिनीपुर के एगरा से नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी के भाई दिव्येंदु अधिकारी को मैदान में उतारा गया है। भाजपा ने अभी तक पानीहाटी सीट के लिए उम्मीदवार की घोषणा नहीं की है, हालांकि आरजीकर अस्पताल की दुष्कर्म और हत्या पीड़िता की मां ने उसी दिन यह दावा किया था कि वह इस सीट से चुनाव लड़ेंगी।

सातों गिरफ्तार विदेशियों के फोन डेटा विश्लेषण को भेजे

नई दिल्ली, एजेंसी

- राष्ट्रीय सुरक्षा के खिलाफ साजिश का पता लगाने की कोशिश

सुरक्षा एजेंसियों ने गिरफ्तार किए गए एक अमेरिकी समेत सात विदेशियों के मोबाइल फोन डेटा के विश्लेषण के लिए भेजे हैं ताकि भारतीय जातीय समूहों का इस्तेमाल कर राष्ट्रीय सुरक्षा को प्रभावित करने की बड़ी साजिश का पता लगाया जा सके।

अधिकारियों ने बताया कि आरोपियों के सोशल मीडिया खातों की जांच की जा रही है ताकि वित्तपोषण के स्रोत, साजिश के सूत्र और उनके अज्ञात सहयोगियों का पता लगाया जा सके। उन्होंने कहा कि इन आरोपियों में छह यूक्रेनी नागरिक हैं। पिछले सप्ताह एक गुप्त सूचना के आधार पर, आव्रजन ब्यूरो ने इन सात व्यक्तियों को उस समय हिरासत में लिया जब वे भारत के प्रमुख पारगमन केंद्रों से होकर गुजरने का प्रयास कर रहे थे। बाद में एनआईए ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। एनआईए की प्राथमिकी के अनुसार, 14 यूक्रेनी नागरिक अलग-अलग तारीखों पर पर्यटक वीजा पर भारत में दाखिल हुए थे और असम के गुवाहाटी गए थे तथा फिर वहां आवश्यक प्रतिबंधित क्षेत्र परमिट (आरएपी)/संरक्षित क्षेत्र परमिट (पीएपी) के बिना मिजोरम पहुंच गए।

कहा गया है कि तब इस समूह ने म्यांमा में ''अवैध रूप से'' प्रवेश किया ताकि वहां के जातीय सशस्त्र समूहों (ईएजी) के लिए एक पूर्व-निर्धारित प्रशिक्षण आयोजित किया जा सके। ये ईएजी ड्रोन युद्ध और जैमिंग तकनीक के क्षेत्र में भारत में सक्रिय आतंकवादी संगठनों का समर्थन करने के लिए जाने जाते हैं। प्राथमिकी में कहा गया है, ये ईएजी प्रतिबंधित भारतीय विद्रोही समूहों को हथियार और अन्य आतंकवादी उपकरण मुहैया कराकर एवं उन्हें प्रशिक्षण देकर उन्हें सहयोग पहुंचा रहे हैं, जिससे भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा और हित प्रभावित हो रहे हैं।

मेघालय के पश्चिम गारो हिल्स जिले में रात्रि कर्फ्यू

शिलांग। मेघालय के पश्चिम गारो हिल्स जिले में हिंसा की घटनाओं और सार्वजनिक सुरक्षा के लिए खतरों का हवाला देते हुए पूरे जिले में बृहस्पतिवार को अनिश्चितकालीन रात्रि कर्फ्यू लगा दिया गया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

10 अप्रैल के बाद भी कर सकते हैं मतदाता बनने के आवेदन

अयोध्या कार्यालय।

अमृत विचार : प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने कहा कि 10 अप्रैल के बाद भी फॉर्म छह भरकर अपना नाम मतदाता सूची में बढ़वा सकते हैं। यह उन लोगों के लिए होगा, जिनका नाम 10 अप्रैल को मतदाता सूची के अंतिम प्रकाशन में नाम नहीं होगा। वह गुरुवार को यहां राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों और प्रशासन के अफसरों के साथ बैठक के बाद पत्रकारों से बात कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि एसआईआर के तहत नोटिस पर सुनवाई प्रदेश में 99.70 फीसदी और जिले में 99.40 फीसदी पूरी हो चुकी है। 27 अप्रैल तक यह काम पूरा हो जाएगा। 10 अप्रैल को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन होगा। उन्होंने कहा कि आम लोगों में यह भ्रम नहीं होना चाहिए। कि आगे मतदाता सूची में नाम नहीं बढ़ेगा। यदि सूची में उनका नाम नहीं है तो वह फिर फॉर्म छह भरकर मतदाता बन सकते हैं। बताया कि जिन लोगों ने छह मार्च के बाद फॉर्म छह भरा है उनका नाम भी सूची में शामिल होगा लेकिन 10 अप्रैल के बाद। सूची में यदि नाम में गड़बडी दिखती है तो फॉर्म आ भरकर उसे दुरुस्त करा लें। बताया कि राजनीतिक दलों के साथ बैठक में कोई बड़ी शिकायत नहीं रही। सभी पांच विधानसभा के सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों के साथ बैठक में अब तक के कार्यों की समीक्षा की गई।

उन्होंने बताया कि आयोग ने चुनाव के दौरान कई नई सुविधाएं देने पर विचार किया है। अब मोबाइल फोन मतदान केंद्र तक ले जा सकेंगे। केवल वोट डालने के दौरान अंदर नहीं ले जा सकेंगे। वहां मोबाइल फोन रखने की व्यवस्था होगी। अन्य सुविधाएं भी होंगी।बताया कि अब फॉर्म छह भरने वालों को वोटर आईडी के लिए इंतजार नहीं करना पड़ेगा। 15 दिन के भीतर उन्हें वोटर आईडी डाक से मिल जाएगी।

भारत ने उजागर किया पाकिस्तान के गुप्त परमाणु प्रसार का इतिहास

कहा- दुनिया भर के लिए खतरा हैं पाकिस्तान के ऐसे अभियान

नई दिल्ली, एजेंसी

पाकिस्तानी मिसाइल कार्यक्रम अमेरिका के लिए खतरा

वाशिंगटन। अमेरिका की राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड ने पाकिस्तान के मिसाइल कार्यक्रम को अमेरिका के लिए बड़ा संभावित खतरा बताया है। सिनेट में खूफिया समिति के समक्ष 2026 वार्षिक खतरा मूल्यांकन (एनुअल थ्रेट असेसमेंट) रिपोर्ट पेश करते हुए गबार्ड ने रूस, चीन, उत्तर कोरिया और ईरान के साथ पाकिस्तान को भी उन देशों के रूप में शामिल किया, जो तेजी से परिष्कृत मिसाइल प्रणाली विकसित कर रहे हैं और अमेरिका के लिए संभावित बड़े खतरे हो सकते हैं। उन्होंने कहा, रूस, चीन, उत्तर कोरिया, ईरान और पाकिस्तान परमाणु और पारंपरिक पेलोड के साथ कई नवीन, उन्नत या पारंपरिक मिसाइल प्रणालियों पर शोध और विकास कर रहे हैं। इन मिसाइलों की पहुंच हमारे अपने देश तक हो सकती है।

अमेरिका की एक रिपोर्ट में इस्लामाबाद के परमाणु हथियारों और मिसाइल कार्यक्रमों से जुड़े नए खतरों को उजागर किए जाने के बाद भारत ने बृहस्पतिवार को इस्लामाबाद के गुप्त परमाणु प्रसार के इतिहास को उजागर किया। भारत ने यह खुलासा उस अमेरिकी खुफिया रिपोर्ट के बाद किया है जिसमें पाकिस्तान को उन कुछ देशों में से एक बताया गया है जो परमाणु और पारंपरिक दोनों तरह के पेलोड ले जाने में सक्षम उन्नत मिसाइल प्रणालियों का विकास कर रहे हैं।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने अपनी साप्ताहिक प्रेस वार्ता में कहा, जहां तक पाकिस्तान का सवाल है, उसका गुप्त परमाणु प्रसार का एक लंबा इतिहास रहा है। जायसवाल ने पाकिस्तान के परमाणु और मिसाइल कार्यक्रमों को लेकर रिपोर्ट में उठाई गई चिंताओं का जिक्र करते हुए कहा, ऐसे बयान एक बार फिर दुनिया के सामने यह स्पष्ट कर देते हैं कि वे किस प्रकार का खतरा पैदा करते हैं और उनके गुप्त परमाणु अभियान किस प्रकार के खतरे उत्पन्न करते हैं। रिपोर्ट में विशेष रूप से पाकिस्तान की मिसाइल प्रणाली का उल्लेख किया गया था। इसमें कहा गया है, अमेरिका की सुरक्षित परमाणु निवारक क्षमता हमारे देश में हमारी सुरक्षा सुनिश्चित करती रहती है। कहा गया है, हालांकि, चीन, रूस, उत्तर कोरिया, ईरान और पाकिस्तान परमाणु और पारंपरिक पेलोड से लैस कई तरह की नवीन, उन्नत या पारंपरिक मिसाइल वितरण प्रणालियों पर शोध और विकास कर रहे हैं।

खुशहाली

ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के वेलबीइंग रिसर्च सेंटर ने विश्व प्रसन्नता दिवस से पहले जारी की वार्षिक रिपोर्ट

भारत खुशहाल देशों की रैंकिंग में नेपाल-पाकिस्तान से पीछे

लंदन, एजेंसी

खुशहाल देशों की रैंकिंग में भारत इस साल 116वें स्थान पर रहा है जो पड़ोसी देश पाकिस्तान और नेपाल से भी पीछे है। 2024 में भारत की रैंक 118 और 2023 में 126वीं थी। विश्व प्रसन्नता रिपोर्ट 2026 में ये आंकड़े दिए गए हैं जो प्रत्येक वर्ष 20 मार्च के आसपास अंतरराष्ट्रीय प्रसन्नता दिवस के अवसर पर जारी की जाती है। इसमें 140 से ज्यादा देशों के आंकड़ों को अग्रणी अध्ययनकर्ताओं के विश्लेषण के साथ संकलित किया जाता है।

यह वार्षिक रिपोर्ट ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के वेलबीइंग रिसर्च

सेंटर द्वारा संयुक्त राष्ट्र सतत विकास समाधान नेटवर्क के सहयोग से प्रकाशित की जाती है। इस वर्ष का विषय 'प्रसन्नता और सोशल मीडिया' था। समग्र 'प्रसन्नता रैंकिंग' में भारत ने इस बार कई क्षेत्रों में संतोषजनक प्रदर्शन किया। भ्रष्टाचार संबंधी धारणा (भ्रष्टाचार से संबंधित प्रश्न) में यह 64वें स्थान पर था जबकि उदारता (दान) में 78वें स्थान पर था। रिपोर्ट के अनुसार भारत स्वतंत्रता (चुनने की आजादी) में 61वें स्थान पर, क्रय शक्ति समता के संदर्भ में प्रति व्यक्ति जीडीपी में 89वें स्थान पर, विश्व स्वास्थ्य संगठन के आंकड़ों के आधार पर स्वस्थ जीवन प्रत्याशा में 95वें स्थान पर और सामाजिक समर्थन (जरूरत के समय किस पर भरोसा किया जा सकता है) में 123वें स्थान पर है।

भारत के पड़ोसी देशों में नेपाल 99वें स्थान पर रहा जो 2025 में 92वें पर था। पाकिस्तान 104वें स्थान पर रहा जो 2025 में 109वें पर था। श्रीलंका 134वें और बांग्लादेश 127वें स्थान पर रहा। चीन 65वें स्थान पर रहा, जो पिछले वर्ष के 68वें स्थान से नीचे है। रूस 79वें स्थान पर है जबकि 2025 में वह 66वें स्थान पर था। अमेरिका 23वें स्थान पर रहा, 2025 में वह 24वें स्थान नंबर पर था।

फिनलैंड लगातार नौवें वर्ष खुशहाल देश

हेलसिंकी। फिनलैंड ने लगातार नौवीं बार दुनिया के खुशहाल देशों की सूची में शीर्ष पर जगह बनाई है। साथ ही वर्ल्ड ब्रांड इंडेक्स में भी स्थिति बेहतर की है और 7वें से ऊपर उठकर 5वें स्थान पर पहुंच गया है। राष्ट्रपति अलेक्जेंडर स्टब ने इस उपलब्धि पर कहा कि फिनलैंड के लगातार अच्छे प्रदर्शन के पीछे कोई जादुई फॉर्मूला नहीं है। उन्होंने देश की मजबूत सामाजिक नींव की ओर इशारा किया। स्टब के अनुसार फिनलैंड की सफलता कुछ प्रमुख सामाजिक स्तंभों के मेल पर आधारित है, जिनमें कल्याण-आधारित व्यवस्था, एक मजबूत और सुलभ शिक्षा ढांचा, सुरक्षा की उच्च भावना और प्रकृति के साथ गहरा जुड़ाव शामिल है।

सबसे दुखी अफगानिस्तान

भारत के पड़ोसी देशों में अफगानिस्तान एक बार फिर दुनिया का सबसे दुखी देश रहा। इस साल भी यह 147वें स्थान पर है, जो 2025 के समान ही है।

ये देश टॉप 10 में : आइसलैंड, डेनमार्क, स्वीडन और नॉर्वे जैसे अन्य ''नॉर्डिक'' देश शीर्ष 10 देशों में शामिल हैं।

अमृत विचार

शुक्रवार, 20 मार्च 2026

प्रेम का मार्ग कोई उम्मीद न रखने का मार्ग है। प्यार तभी मौजूद होता है, जब पूर्ण स्वीकृति हो और कुछ भी बदलने की कोई इच्छा न हो। -**ओशो**, दार्शनिक

आग के सबक

पालम और इंदौर में हुई अग्नि त्रासदियां हमारे शहरी जीवन की असुरक्षित सच्चाइयों का आईना हैं। पालम में नौ और इंदौर में सात लोगों की मौत के यह आंकड़े नहीं, बुझती हुई जिंदगियों की दर्दनाक कहानियां हैं। हर ऐसी घटना के बाद शोक, मुआवजा और आश्वासन का क्रम चलता है, लेकिन इनसे हम कोई सबक नहीं लेते। चिंताजनक यह है कि इस बार आग की ये घटनाएं भीषण गर्मी के चरम से पहले ही सामने आ गईं। यह संकेत है कि समस्या केवल मौसम नहीं, बल्कि हमारी तैयारियों और व्यवस्था की कमी है। शहरी इलाकों में ज्वलनशील सामग्री का अनियंत्रित भंडारण, बिजली के असुरक्षित कनेक्शन, संकरी गलियां और अग्नि सुरक्षा के प्रति उदासीनता-ये सभी मिलकर ऐसी त्रासदियों को जन्म देते हैं। पालम की घटना में रिहायशी इलाके में ही ज्वलनशील पदार्थों का संग्रह होना गंभीर प्रशासनिक चूक है। आखिर ऐसी गतिविधियों की अनुमति कैसे दी गई? स्थानीय निकायों की नियमित निगरानी का क्या हुआ? इंदौर की घटना में आधुनिक तकनीक जैसे ऑटोमैटिक लॉकिंग दरवाजे भी मौत का कारण बने। विडंबना है कि सुविधा के लिए अपनाई गई तकनीक, संकट के समय जाल बन जाती है। हम तकनीक तो अपना लेते हैं, लेकिन उसके जोखिमों के प्रति जागरूक नहीं होते। इन दोनों घटनाओं में निवासियों की भूमिका को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। घरों में ज्वलनशील सामग्री जमा करना, अग्निशमन के प्राथमिक उपायों की अनदेखी करना और आपातकालीन निकास की व्यवस्था न होना। ये सब लापरवाही के उदाहरण हैं, लेकिन नागरिकों की यह लापरवाही भी व्यवस्था की ढिलाई से ही जन्म लेती है, जहां नियमों का पालन न तो सख्ती से होता है और न ही जागरूकता का पर्याप्त प्रसार होता है। सबसे दुखद है आपदा के समय हमारी तैयारी की पोल खुलना। फायर ब्रिगेड का देर से पहुंचना, उपकरणों का खराब होना और आवश्यक संसाधनों की कमी, ऐसी तकनीकी खामियां जीवन और मृत्यु के बीच का अंतर हैं। यदि संकरी गलियों में पहुंचने के लिए छोटे फायर टेंडर या वैकल्पिक व्यवस्था होती, यदि हाइड्रोलिक सिस्टम दुरुस्त होता, बचाव के साधन उपलब्ध होते, तो शायद कुछ जानें बचाई जा सकती थीं।

बेशक कुछ लाख रुपये किसी परिवार के खोए हुए सदस्य की भरपाई कर सकते हैं? यह केवल प्रतीकात्मक राहत है, असली आवश्यकता है ऐसी घटनाओं को रोकने की। इन त्रासदियों से स्पष्ट है कि हमें सुधार की त्रिस्तरीय व्यवस्था की तत्काल आवश्यकता है। पहला-प्रशासनिक स्तर पर, सख्त नियम, नियमित निरीक्षण और अवैध गतिविधियों पर तत्काल कार्रवाई। दूसरा-तकनीकी स्तर पर, भवन निर्माण और सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन करवना, अग्निशमन व्यवस्था का आधुनिकीकरण करना, जबकि तीसरा सुधार सामाजिक स्तर पर, नागरिकों में जागरूकता, जिम्मेदारी और आपातकालीन तैयारी की संस्कृति विकसित करना। ऐसे अग्निकांड प्राकृतिक नहीं मानवजनित आपदाएं हैं। इसलिए यदि इच्छा और व्यवस्था दोनों मजबूत हों, तो इन्हें रोका जा सकता है। पालम और इंदौर की आग हमें यही याद दिलाती है कि लापरवाही की कीमत हमेशा जान से चुकानी पड़ती है। अब भी समय है कि हम चेतें, वरना अगली खबर फिर किसी और शहर से आएगी और हम सिर्फ शोक और मुआवजे तक सीमित रह जाएंगे।

प्रसंगवश

खुशी: उपलब्धियों से परे एक आंतरिक अनुभूति

मनुष्य के जीवन की सबसे बड़ी चाह क्या है? यदि इस प्रश्न का सरल उत्तर खोजा जाए, तो शायद एक ही शब्द सामने आता है- खुशी। हर व्यक्ति अपने जीवन में सुख, संतोष और आनंद की तलाश में निरंतर प्रयास करता है। बचपन से लेकर वृद्धावस्था तक मनुष्य के अधिकांश निर्णय, प्रयास और संघर्ष इसी उद्देश्य के इर्द-गिर्द घूमते हैं, लेकिन विडंबना यह है कि आज जब दुनिया ने अभूतपूर्व आर्थिक और तकनीकी प्रगति हासिल कर ली है, तब भी सच्ची खुशी लोगों के जीवन से कहीं दूर होती दिखाई देती है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा 20 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय खुशी दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस पहल का उद्देश्य यह संदेश देना है कि विकास केवल आर्थिक प्रगति तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि लोगों के जीवन में वास्तविक खुशी और संतोष भी उतना ही महत्वपूर्ण है। यह दिन हमें ठहरकर यह सोचने का अवसर देता है कि क्या आधुनिक जीवनशैली वास्तव में हमें अधिक सुखी बना रही है या हम केवल सुविधाओं के विस्तार को ही खुशी समझ बैठे हैं?

संध्या अग्रवाल
साहित्यकार

आज के समय में सुविधाओं की कोई कमी नहीं है। तकनीक ने जीवन को सरल और तेज बना दिया है। संचार के साधन पहले से अधिक सुलभ और प्रभावी हो गए हैं। भौतिक संसाधनों में भी निरंतर वृद्धि हुई है, जिससे जीवन स्तर में सुधार देखने को मिलता है। इसके बावजूद, तनाव, अकेलापन और मानसिक असंतोष जैसी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। यह स्थिति इस बात की ओर संकेत करती है कि केवल बाहरी प्रगति ही जीवन को पूर्ण नहीं बना सकती। आधुनिक जीवन की इस विडंबना का एक बड़ा कारण यह है कि मनुष्य ने अपनी आंतरिक शांति और संतुलन को कहीं पीछे छोड़ दिया है। प्रतिस्पर्धा की दौड़, निरंतर तुलना और अधिक पाने की लालसा ने जीवन को जटिल बना दिया है। हम अक्सर यह भूल जाते हैं कि खुशी केवल उपलब्धियों या भौतिक संपन्नता से नहीं मिलती, बल्कि यह एक आंतरिक अनुभूति है, जो हमारे विचारों, संबंधों और जीवन के प्रति दृष्टिकोण से जुड़ी होती है।

वास्तविक खुशी का संबंध हमारे संबंधों और संवेदनाओं से भी गहराई से जुड़ा है। परिवार के साथ बिताया गया समय, मित्रों का साथ, किसी की मदद करने का संतोष और प्रकृति के साथ बिताए गए शांत क्षण ये सभी जीवन को अर्थपूर्ण बनाते हैं। जब हम अपने आसपास के लोगों के साथ जुड़ाव महसूस करते हैं, तो हमारे भीतर संतोष और सुरक्षा की भावना विकसित होती है। यही भावनात्मक जुड़ाव हमें वास्तविक खुशी के करीब ले जाता है।

आज के तेज रफ्तार जीवन में मानसिक स्वास्थ्य का महत्व पहले से कहीं अधिक बढ़ गया है। अपेक्षाओं का दबाव, काम का तनाव और भविष्य की चिंताएं कई लोगों को मानसिक रूप से थका देती हैं। ऐसे में यह आवश्यक हो जाता है कि हम अपने जीवन में संतुलन बनाए रखें। हमें यह समझना होगा कि विश्राम, आत्मचिंतन और अपनी भावनाओं को समझना भी उतना ही जरूरी है, जितना सफलता प्राप्त करना। अंतर्राष्ट्रीय खुशी दिवस हमें यह भी याद दिलाता है कि खुशहाल समाज केवल व्यक्तिगत प्रयासों से नहीं बनता। इसके लिए सामाजिक और सामूहिक वातावरण भी उतना ही महत्वपूर्ण होता है। जब समाज में समान अवसर, पारस्परिक सम्मान और सहयोग की भावना होती है, तब लोगों के जीवन में संतोष और स्थिरता बढ़ती है। एक संवेदनशील और सहयोगी समाज ही वास्तविक खुशी का आधार बन सकता है। अंततः यह स्पष्ट है कि सच्ची खुशी किसी एक लक्ष्य की प्राप्ति में नहीं, बल्कि जीवन के प्रति संतुलित दृष्टिकोण में निहित होती है। (यह लेखिका के निजी विचार हैं।)

मार्च में दिसंबर की दस्तक बिखरता ऋतुचक्र

पंकज चतुर्वेदी
वरिष्ठ लेखक

भारतीय कैलेंडर में मार्च का महीना उस संधि काल का प्रतीक है, जहां शिशिर की विदाई होती है और ग्रीष्म अपनी दस्तक देने लगता है। यह वह समय है जब पलाश के फूल दहकते हैं और गेहूं की बालियां सूरज की सुनहरी किरणों को सोखकर पकने की ओर बढ़ती हैं। किंतु इस वर्ष उत्तर भारत के आसमान ने जो रंग दिखाया है, वह न केवल अस्वाभाविक है, बल्कि डराने वाला भी है। दिल्ली, गाजियाबाद, कानपुर और लखनऊ जैसे शहरों में मार्च के पहले हफ्ते में अचानक छा जाने वाला घना कोहरा कोई साधारण मौसमी फेरबदल नहीं है। जब हवाई जहाजों को रास्ता बदलकर दूसरे राज्यों में उतरना पड़े और सड़कों पर दृश्यता शून्य हो जाए, तो समझ लेना चाहिए कि प्रकृति का संतुलन बुरी तरह डगमगा चुका है। इसे मौसम वैज्ञानिकों ने जलवायु आपातकाल की संज्ञा दी है, जो इस बात का प्रमाण है कि वायुमंडल अब अपनी मर्यादाएं भूलने लगा है। रही बची कसर पूरी हो गई अचानक हुई बरसात और ओला वृष्टि से इससे फसलें तक चौपट हो गई।

इस विचित्र कोहरे के पीछे के वैज्ञानिक कारणों को समझना अनिवार्य है। सामान्यतः कोहरा सर्दियों की रात में तब बनता है, जब धरती तेजी से अपनी गर्मी छोड़ती है और नमी का स्तर अधिक होता है। इस वर्ष फरवरी के अंतिम सप्ताह से ही गर्मी ने अपने पिछले कई दशकों के रिकॉर्ड तोड़ दिए। अचानक बढ़ी इस तपिश ने धरती की ऊपरी सतह को अत्यधिक गर्म कर दिया। बंगाल की खाड़ी से आने वाली नमी युक्त पूर्वी हवाएं इस गर्म सतह के संपर्क में आईं और उसी दौरान रात के तापमान में अचानक छह से सात डिग्री की गिरावट दर्ज की गई, तो विकिरण की प्रक्रिया ने एक घना आवरण तैयार कर दिया। इसे विज्ञान की भाषा में विकिरण कोहरा कहा जाता है। उत्तर भारत की भौगोलिक स्थिति और हवा की गति का अचानक मंद पड़ जाना इस स्थिति को और भयावह बना देता है। वायुमंडल के निचले स्तर पर हवा की स्थिरता ने उस धुंध और प्रदूषण के मिश्रण को जमने का अवसर दे दिया, जिसे हम अक्सर कड़ाके की ठंड में देखते हैं।

होली बीतते ही दिन और रात के तापमान में आ रहा यह भारी अंतर प्रकृति के बदलते मिजाज का एक गंभीर संकेत है। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार, उत्तर भारत के कई हिस्सों में दिन का तापमान सामान्य से 8 से 12 डिग्री सेल्सियस अधिक दर्ज किया गया है, जबकि रातें तुलनात्मक रूप से ठंडी बनी हुई हैं। इस तापमान की गड़बड़ी का बड़ा कारण पश्चिमी विक्षोभ का अत्यंत कमजोर होना है। आमतौर पर ये विक्षोभ बारिश और बर्फबारी लाते हैं, जो तापमान को नियंत्रित रखते हैं। इनकी अनुपस्थिति के कारण आसमान पूरी तरह साफ है, जिससे दिन में सूरज की किरणें सीधे धरती को तपा रही हैं।

याद करें, इस बार जनवरी और फरवरी में करीब 60 प्रतिशत कम हुई। इसके चलते मिट्टी में नमी न होने के कारण दिन की गर्मी वाष्पीकरण में खर्च होने के बजाय सीधे सतह को गर्म करती है। रात में, साफ आसमान होने के कारण धरती की गर्मी तेजी से वापस अंतरिक्ष में चली जाती है, जिससे रातें ठंडी हो जाती हैं। इसके साथ पश्चिमी भारत के ऊपर बने उच्च वायुदाब के क्षेत्रों के कारण हवाएं नीचे की ओर दब रही हैं। यह दबती हुई हवा गर्म हो जाती है और बादलों को बनने से रोकती है, जिससे दिन में 'हीटवेव' जैसी स्थिति बन रही है।

इस अनियमित तापमान से उपज रहे कोहरे के व्यापक और दूरगामी नुकसान भी हैं। सबसे बड़ी मार हमारी कृषि व्यवस्था पर पड़ रही है। रबी की फसल, विशेषकर गेहूं, इस समय अपने पकने के अंतिम चरण में है। तापमान में यह अनिश्चित उतार-चढ़ाव गेहूं के दानों की गुणवत्ता को प्रभावित करता है। कोहरे के कारण बढ़ने वाली नमी और फिर अचानक निकलने वाली तेज धूप फसलों में पीला रतुआ और विभिन्न प्रकार की फफूंद जनित बीमारियों को जन्म देती है। कृषि विशेषज्ञों का मानना है कि यदि यह अनिश्चितता बनी रही, तो खाद्य सुरक्षा के मोर्चे पर हमें बड़ी चुनौती का सामना करना पड़ सकता है। केवल अनाज ही नहीं, बल्कि बागवानी फसलों जैसे आम के बौर पर भी इसका विपरीत प्रभाव पड़ता है। अचानक आई नमी और ठंडक फूलों को झाड़ देती है, जिससे उत्पादन में भारी गिरावट की आशंका प्रबल हो जाती है।

पारिस्थितिक नुकसान के साथ-साथ यह मानवीय स्वास्थ्य के लिए भी एक बड़ा संकट है। मार्च के इस कोहरे में केवल जलवाष्प नहीं है, बल्कि इसमें वातावरण में मौजूद सूक्ष्म धूल कण और जहरीली गैसें भी फंसी हुई हैं। यह एक प्रकार का विषैला धुंआ है, जो सीधे फेफड़ों पर प्रहार करता है। श्वसन रोगियों और बुजुर्गों के लिए यह स्थिति बेहद घातक सिद्ध होती है। यातायात के क्षेत्र में होने वाली बाधाएं आर्थिक तंत्र को प्रभावित करती हैं। यह एक ऐसा दुष्चक्र है, जहां जलवायु परिवर्तन के कारण कोहरा बनता है और उस कोहरे के कारण होने वाले उपाय पुनः पर्यावरण को दूषित करते हैं।

मार्च में दिसंबर जैसा यह दृश्य एक बड़ी आपदा की आहट है। यह हमारी जीवनशैली और विकास के उन मॉडलों पर सवालिया निशान खड़ा करता है, जो प्रकृति की कीमत पर तैयार किए गए हैं। हमें यह समझना होगा कि अब मौसम के पूर्वानुमान केवल बारिश या धूप तक सीमित नहीं रह गए हैं, बल्कि वे अस्तित्व की रक्षा के संकेत बन चुके हैं।

यदि हमने स्थानीय स्तर पर प्रदूषण नियंत्रण और वैश्विक स्तर पर कार्बन उत्सर्जन को कम करने की दिशा में ठोस कदम नहीं उठाए, तो ऋतुओं का यह विलोपन हमारे जीवन को अनिश्चितता के अंधेरे में धकेल देगा। यह कोहरा केवल दृश्यता कम नहीं कर रहा, बल्कि हमें भविष्य की उस धुंधली तस्वीर को देखने के लिए मजबूर कर रहा है, जिसे हमने खुद निर्मित किया है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

इस विचित्र कोहरे के पीछे के वैज्ञानिक कारणों को समझना अनिवार्य है। सामान्यत: कोहरा सर्दियों की रात में तब बनता है, जब धरती तेजी से अपनी गर्मी छोड़ती है और नमी का स्तर अधिक होता है।

आमने सामने

हम महिलाओं को राहुल गांधी को देखकर बहुत ज्यादा असहजता महसूस होती है, क्योंकि एकदम वो जैसे टपोरी की तरह आते हैं और किसी को भी ऐ तू ऐसे करके तू-तड़ाक करते हैं। उनको अपनी बहन, प्रियंका गांधी वाड्रा के आचरण और व्यवहार को देखना चाहिए, "जो बहुत अच्छा है"। -**कंगना रनौत**
सांसद, बीजेपी

कंगना रनौत को मेडिकल मदद की जरूरत है। उनके साथ कुछ बहुत ही गलत हो रहा है। शायद इसलिए कि उनकी फिल्में अच्छा नहीं कर रही हैं। वह किसी तरह के डिप्रेशन में हो सकती हैं। इसीलिए वह इस तरह के बयान दे रही हैं। आपको ऐसे लोगों की टिप्पणियों को ज्यादा अहमियत देने की जरूरत नहीं है। राहुल गांधी जैसे हैं, वैसे ही हैं।
- **एस. ज्योतिमणी**, सांसद, कांग्रेस

आखिर कब तक चलेगा पाकिस्तान का पाखंड

विवेक शुक्ला
वरिष्ठ पत्रकार

पाकिस्तान खुद को दुनिया का सबसे बड़ा इस्लामिक देश बताता है। इसका झंडा हिलाल (चांद का टुकड़ा) और तारा से सजा है, जो इस्लामिक परंपरा और मूल्यों के प्रतीक हैं। इसके नाम में 'इस्लामिक रिपब्लिक' जुड़ा है और ये हर मौके पर इस्लाम का हवाला देता है, लेकिन हकीकत में यह देश मुसलमानों के खिलाफ ही सबसे ज्यादा हिंसा और जुल्म का इतिहास रखता है। यह पाखंड की एक लंबी कहानी है, जहां इस्लाम का नाम सिर्फ सत्ता और नियंत्रण के लिए इस्तेमाल होता है, जबकि अमल उसके ठीक उलट है।

इसका सबसे ताजा और दिल दहला देने वाला उदाहरण बीते सोमवार (16 मार्च) को काबुल में मिलता है। पाकिस्तानी एयर स्ट्राइक ने अफगानिस्तान की राजधानी में ओमिद एडिक्शन ट्रीटमेंट हॉस्पिटल (एक ड्रग रिहैबिलिटेशन सेंटर) को निशाना बनाया। तालिबान सरकार के अनुसार, इस हमले में 400 से ज्यादा लोग मारे गए और 250 से अधिक घायल हुए। हमला रमजान के पवित्र महीने में हुआ, जब लोग रोजा रखकर इबादत में मग्न थे। अस्पताल में ज्यादातर गरीब अफगान मुसलमान थे, जो नशे की लत से मुक्ति पाने आए थे।

पाकिस्तान का दावा है कि उसने सिर्फ आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया, लेकिन तालिबान और अफगान मीडिया इसे साफ-साफ सिविलियन अस्पताल पर हमला बता रहा है। सवाल वही है कि रमजान में मुसलमानों के अस्पताल को उड़ाना क्या इस्लाम की कोई शिक्षा है? मारे गए तो आम मुसलमान ही थे। यह कोई नई बात नहीं। 1971 में पूर्वी पाकिस्तान (अब बांग्लादेश) में पाकिस्तानी सेना ने ऑपरेशन सर्चलाइट के तहत लाखों बंगाली मुसलमानों का कत्लेआम किया था। बंगालियों ने आजादी की मांग की, तो उन्हें 'काफिर', 'गद्दार' और 'हिंदू एजेंट' कहकर मार डाला गया। अनुमान के मुताबिक 3 लाख से ज्यादा लोग मारे गए और 2 से 4 लाख महिलाओं के साथ बलात्कार हुआ। स्कूल, कॉलेज, गांव सब तबाह कर दिए गए। पाकिस्तानी जनरल टिक्का खान को 'बचर ऑफ बंगाल' कहा गया। पाकिस्तान आज भी इसे 'सिविल वॉर' कहकर सच छुपाता है, लेकिन बांग्लादेश हर साल 16 दिसंबर को विजय दिवस मनाता है। एक 'इस्लामिक' देश ने अपने ही मुसलमानों पर ऐसा जुल्म ढाया, यह पाखंड नहीं तो क्या है?

पाकिस्तान के अंदर भी मुसलमान सुरक्षित नहीं। अहमदिया समुदाय को 1974 के संविधान संशोधन और ऑर्डिनेंस XX के जरिए 'नॉन-मुस्लिम' घोषित कर दिया गया। उन्हें मस्जिद कहने, अजान देने, सलाम कहने या कुरान छूने तक की मनाही है। अगर कोई अहमदिया खुद को मुसलमान कहे, तो ब्लास्फेमी का केस बन जाता है। हाल के वर्षों में कई अहमदिया डॉक्टर, दंत चिकित्सक और आम नागरिक गोली मारे गए। खुशाब में 90 अहमदिया कब्रें तोड़ी गईं। अमेरिकी स्टेट डिपार्टमेंट की रिपोर्ट्स और एमनेस्टी इंटरनेशनल जैसी संस्थाएं बताती हैं कि पुलिस भी अहमदिया घरों पर हमलों में शामिल होती है। शिया मुसलमान भी निशाने पर हैं, खासकर हजारा शिया। इन पर बलूचिस्तान और कुर्रम एजेंसी में बार-बार हमले होते हैं। 2024 में 40 से ज्यादा शिया मारे गए, 2013 के क्वेटा हमले में 90 से अधिक। सेना और कानून इन पर कार्रवाई नहीं करती, बल्कि चुप रहती है। एक देश जो खुद को इस्लाम का गढ़ कहता है, वहां शिया और अहमदिया को दूसरे दर्जे का नागरिक बना दिया गया है।

वहीं जनवरी 2024 में पाकिस्तान ने ईरान पर 'ऑपरेशन मार्ग बार सरमाचार' के तहत मिसाइल हमले किए। दोनों देश मुस्लिम हैं। ईरान शिया बहुल, पाकिस्तान सुन्नी, लेकिन हमला फिर मुसलमानों पर ही हुआ।

सवाल है कि पाकिस्तान मुसलमानों को क्यों मारता है? मुख्य कारण सेना की सर्वोच्चता है। आर्मी इस्लाम के नाम पर सत्ता संभालती है, लेकिन उसकी नीतियां सेक्टेरियन हैं। सुन्नी बहुल सेना शिया, अहमदिया और अन्य समुदायों को कमजोर रखना चाहती है। दूसरा, राजनीतिक खेल तालिबान, जैश-ए-मोहम्मद जैसे गुटों को पाला जाता है, लेकिन अब टीटीपी पाक फौज पर हमला कर रही है, तो बदले में अफगानिस्तान पर हमला। मुसलमान ही मुसलमान का शिकार बन रहा है। तीसरा, इस्लाम का दुरुपयोग सिस्टम इस्लाम के नाम पर चलता है, लेकिन असल में पावर और नियंत्रण का खेल है। अहमदिया को 'काफिर', बंगालियों को 'हिंदू एजेंट' कहकर मार डाला जाता है।

दुनिया को यह सच देखना चाहिए। पाकिस्तान अभी भी इस्लाम का सिपाही होने का दावा करता है, लेकिन हकीकत में वह मुसलमानों का कातिल है। अगर सच में इस्लामिक देश बनना है, तो पहले अपने मुसलमानों की हिफाजत करे। अहमदिया और शिया को बराबरी दे, अफगानिस्तान से बातचीत करे, 1971 के नरसंहार की माफी मांगे, लेकिन ऐसा लगता है कि सेना की ताकत और सेक्टेरियन नीतियां जारी रहेंगी। पाकिस्तान का 'इस्लामिक' चेहरा नाम का है। असल में यह मुसलमान-विरोधी नीतियों का देश बन चुका है। रमजान में अस्पताल उड़ाना, लाखों मुसलमान मारना, शिया-अहमदिया पर जुल्म ये सब इस्लाम के खिलाफ हैं। दुनिया के मुसलमानों को समझना चाहिए कि पाकिस्तान का चेहरा दोहरा है। एक तरफ मक्का-मदीना का नाम, दूसरी तरफ मुसलमानों का खून। यह पाखंड कब तक चलेगा?

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

पाकिस्तान का दावा है कि उसने सिर्फ आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया, लेकिन तालिबान और अफगान मीडिया इसे साफ-साफ सिविलियन अस्पताल पर हमला बता रहा है।

सोशल फोरम

अर्थव्यवस्था पर युद्ध का प्रभाव

युद्ध का सीधा प्रभाव अर्थव्यवस्था और शेयर बाजार पर भी पड़ता है। युद्ध शुरू होते ही बाजार में घबराहट पैदा होती है और शुरुआती दिनों में तेज गिरावट देखी जाती है, लेकिन अक्सर यह गिरावट स्थायी नहीं होती। अधिकांश युद्धों में एक दिलचस्प पैटर्न दिखाई देता है कि यदि युद्ध एक महीने से अधिक समय तक चलता है, तो अगले कुछ महीनों में बाजार धीरे-धीरे उस स्थिति के साथ खुद को अनुकूलित कर लेते हैं और गिरावट का प्रभाव कम होने लगता है।

मनोज अभिज्ञान
अधिवक्ता

युद्ध जब भी शुरू होता है, तो अनिश्चितता सबसे बड़ी समस्या बनती है। निवेशकों को यह स्पष्ट नहीं होता कि युद्ध कितना लंबा चलेगा, किन देशों तक फैलेगा और अर्थव्यवस्था पर कितना प्रभाव पड़ेगा। इसी अनिश्चितता के कारण निवेशक घबराकर अपने शेयर बेचने लगते हैं, जिससे बाजार तेजी से गिरता है। अगस्त 1990 में जब इराक ने कुवैत पर हमला किया, तब अमेरिकी शेयर बाजार लगभग 15 प्रतिशत तक गिर गया, लेकिन जनवरी 1991 में युद्ध शुरू होने के बाद कुछ ही महीनों में बाजार तेजी से उभर गया और उसी साल नया उच्च स्तर बना लिया। 2022 का रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू होते ही वैश्विक बाजारों में गिरावट आई, लेकिन कुछ महीनों बाद निवेशकों ने स्थिति को न्यू नॉर्मल मानकर निवेश शुरू कर दिया।

इससे समझ में आता है कि बाजार घटना से अधिक अनिश्चितता से डरता है। जब घटना स्पष्ट हो जाती है, तो बाजार धीरे-धीरे स्थिर होने लगता है। लंबे समय तक चलने वाले युद्धों में सरकारें और उद्योग तेजी से खुद को ढाल लेते हैं। रक्षा उद्योग में उत्पादन बढ़ता है। ऊर्जा और कच्चे माल के नए स्रोत खोजे जाते हैं। सप्लाई चेन धीरे-धीरे नई परिस्थितियों के अनुसार बदल जाती है। इस प्रक्रिया के कारण आर्थिक गतिविधियां पूरी तरह रुकती नहीं हैं, बल्कि नए रूप में जारी रहती हैं। यही कारण है कि शुरुआती झटके के बाद बाजार अक्सर संभलने लगते हैं। निवेश की दुनिया में घबराहट के समय अवसर छिपे होते हैं। जब युद्ध या किसी बड़े संकट के कारण बाजार गिरता है, तब कई अच्छी कंपनियों के शेयर भी सस्ते हो जाते हैं। यह भी समझना जरूरी है कि हर युद्ध का प्रभाव एक जैसा नहीं होता। कुछ युद्ध बहुत सीमित होते हैं, जबकि कुछ पूरे वैश्विक आर्थिक ढांचे को प्रभावित कर सकते हैं। इसलिए निवेश करते समय कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए। मजबूत और लाभकारी कंपनियों में निवेश करें, अत्यधिक कर्ज वाली कंपनियों से बचें, एक ही सेक्टर में पूरा पैसा न लगाएं और लंबी अवधि का दृष्टिकोण रखें। **-फेसबुक वॉल से**

सामयिकी

साझा चूल्हा: संकट से समाधान की राह

रसोई गैस की कीमतों को लेकर समय-समय पर देश में राजनीतिक बहस तेज हो जाती है। महंगाई निश्चित रूप से आम आदमी के जीवन को प्रभावित करती है, लेकिन इस चर्चा में अक्सर समाज की अपनी सामूहिक शक्ति पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जाता। भारतीय समाज की संरचना मूलतः सामूहिकता पर आधारित रही है। परिवार केवल सीमित दायरे तक नहीं, बल्कि व्यापक रिश्तों और समुदाय से जुड़ा होता है। विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में यह भावना और गहरी दिखाई देती है, जहां कठिन समय में लोग एक-दूसरे का सहारा बनते हैं। इसी सामाजिक परंपरा का एक महत्वपूर्ण प्रतीक रहा है- 'साझा चूल्हा'। यह केवल खाना बनाने का साधन नहीं, बल्कि सामूहिक जीवन का केंद्र था। सीमित संसाधनों के दौर में कई परिवार एक ही चूल्हे पर भोजन बनाते थे, जिससे ईंधन की बचत होती थी और श्रम का विभाजन भी सहज हो जाता था। इससे लोगों के बीच संवाद और संबंध भी मजबूत होते थे।

डॉ. प्रियंका सौरभ
शिक्षिका

समय के साथ तकनीकी विकास और शहरीकरण ने जीवन को सुविधाजनक तो बनाया, लेकिन सामूहिक परंपराओं को कमजोर भी किया। आज लगभग हर घर में अलग रसोई है, जो व्यक्तिगत स्वतंत्रता का प्रतीक है, लेकिन इसके साथ ही सामाजिक दूरी भी बढ़ी है। पड़ोसी भी कई बार एक-दूसरे से अपरिचित रहते हैं। ऐसे में जब गैस सिलेंडर की बढ़ती कीमतों की चर्चा होती है, तो हमें केवल राजनीतिक दृष्टिकोण तक सीमित नहीं रहना चाहिए। 'साझा चूल्हा' का विचार आज भी प्रासंगिक हो सकता है, यदि उसे आधुनिक संदर्भ में समझा जाए। हमारे समाज में भंडारे और लंगर की परंपरा इसका जीवंत उदाहरण है। मंदिरों और गुरुद्वारों में हजारों लोग एक ही रसोई से भोजन करते हैं। वहां न कोई भेदभाव होता है और न ही किसी प्रकार की असमानता। यह केवल सेवा ही नहीं, बल्कि सामाजिक एकता का प्रतीक है। इसी भावना को छोटे स्तर पर भी अपनाया जा सकता है। मोहल्लों या समुदायों में कुछ परिवार मिलकर सामूहिक भोजन व्यवस्था कर सकते हैं, खासकर तब जब खर्च अधिक हो या संसाधन सीमित हों। इससे न केवल आर्थिक बचत होगी, बल्कि सामाजिक संबंध भी मजबूत होंगे। साझा चूल्हा केवल आर्थिक समाधान नहीं, बल्कि सामाजिक जुड़ाव का माध्यम भी है। जब लोग साथ बैठकर काम करते हैं और भोजन साझा करते हैं, तो उनके बीच विश्वास और सहयोग बढ़ता है। इससे सामाजिक तनाव भी कम होते हैं।

ग्रामीण जीवन में यह परंपरा आज भी कहीं न कहीं जीवित है। खेती-किसानी और श्रम से जुड़े लोग अक्सर सामूहिक रूप से भोजन की व्यवस्था करते हैं। यह जीवन को सरल और संतुलित बनाने का एक व्यावहारिक तरीका है। इसके विपरीत, शहरी जीवन में सुविधाएं तो बढ़ी हैं, लेकिन सामाजिक जुड़ाव कम हुआ है। लोग अपने-अपने घरों तक सीमित हो गए हैं, जिससे अकेलेपन की भावना भी बढ़ रही है। ऐसे समय में 'साझा चूल्हा' केवल एक परंपरा नहीं, बल्कि सामाजिक पुनर्संरचना का प्रतीक बन सकता है। यह हमें याद दिलाता है कि समाज की असली ताकत आपसी सहयोग में है। हालांकि आज की परिस्थितियों में इसे हर जगह लागू करना संभव नहीं है, लेकिन इसके मूल विचार सहयोग और साझेदारी को जरूर अपनाया जा सकता है। इतिहास गवाह है कि जब भी संकट आया, भारतीय समाज ने एकजुट होकर उसका सामना किया है। आज भी यदि हम इस भावना को पुनर्जीवित करें, तो कई समस्याओं का समाधान सहज हो सकता है। 'साझा चूल्हा' केवल अतीत की स्मृति नहीं, बल्कि भविष्य की एक दिशा है। यह हमें सिखाता है कि यदि आधुनिकता और परंपरा के बीच संतुलन स्थापित किया जाए, तो समाज और अधिक सशक्त बन सकता है। (यह लेखिका के निजी विचार हैं।)

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 से मुद्रित एवं 25/16-ए, जापलिंग रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.) से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- अनिल त्रिगुणायत*** 0522-4008111 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-50986/1989 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा)।

खोज

वाई-फाई का आविष्कार

वाई-फाई (Wi-Fi) आज हमारी रोजमर्रा की जिंदगी का अहम हिस्सा है, लेकिन इसका आविष्कार एक ही व्यक्ति द्वारा नहीं, बल्कि कई वैज्ञानिकों के शोध और प्रयोगों के परिणामस्वरूप हुआ। सबसे पहले इसकी नींव 19 वीं सदी में पड़ी, जब जेम्स क्लर्क मैक्सवेल ने विद्युतचुंबकीय तरंगों का सिद्धांत दिया। बाद में हाइनरिख हर्ट्ज़ ने इन तरंगों को प्रयोग में सिद्ध किया। यही तरंगें आगे चलकर वायरलेस संचार का आधार बनीं। 20 वीं सदी में रेडियो और वायरलेस तकनीक का विकास हुआ, लेकिन असली क्रांति 1990 के दशक में आई। ऑस्ट्रेलिया की संस्था CSIRO के वैज्ञानिकों की एक टीम ने वायरलेस डेटा ट्रांसमिशन की एक नई तकनीक विकसित की। इस टीम का नेतृत्व जॉन ओ' सुलिवन कर रहे थे। असल में यह टीम अंतरिक्ष में ब्लैक होल से आने वाले रेडियो सिग्नल्स को समझने पर काम कर रही थी। इसी दौरान उन्होंने एक ऐसी तकनीक विकसित की, जिससे रेडियो तरंगों के माध्यम से डेटा को साफ और तेजी से भेजा जा सकता था। यही तकनीक आगे चलकर Wi-Fi का आधार बनी।

इसके बाद 1997 में IEEE ने 802.11 नाम का पहला वायरलेस नेटवर्क मानक जारी किया। यही वह तकनीकी ढांचा है, जिस पर आज का Wi-Fi आधारित है। 'Wi-Fi' नाम खुद कोई तकनीकी शब्द नहीं है, बल्कि यह एक ब्रांड नाम है, जिसे Wi-Fi Alliance ने 1999 में अपनाया। इसका उद्देश्य वायरलेस नेटवर्किंग को आसान और लोकप्रिय बनाना था। आज Wi-Fi रेडियो तरंगों का उपयोग करके आपके मोबाइल, लैपटॉप और अन्य डिवाइस को इंटरनेट से जोड़ता है। इसमें एक राउटर होता है, जो इंटरनेट सिग्नल को वायरलेस रूप में फैलाता है, और आपके डिवाइस उस सिग्नल को पकड़कर डेटा भेजते और प्राप्त करते हैं। Wi-Fi किसी एक आविष्कार का परिणाम नहीं, बल्कि विज्ञान, अंतरिक्ष अनुसंधान और संचार तकनीक के लंबे विकास का नतीजा है, जिसने दुनिया को बिना तारों के जोड़ दिया।

वैज्ञानिक के बारे में

जॉन ओ सुलिवन का व्यक्तिगत जीवन उतना ही रोचक है, जितना उनका वैज्ञानिक योगदान। उनका जन्म 1946 में ब्रिस्बेन में हुआ था। बचपन से ही उन्हें विज्ञान और गणित में गहरी रुचि थी, जिसने आगे चलकर उनके करियर की दिशा तय की। उन्होंने अपनी उच्च शिक्षा यूनिवर्सिटी ऑफ सीडनी से प्राप्त की, जहां उन्होंने भौतिकी में अध्ययन किया। बाद में उन्होंने सैद्धांतिक भौतिकी में विशेषज्ञता हासिल की। निजी जीवन में वे काफी सरल, शांत और शोध में डूबे रहने वाले व्यक्ति माने जाते हैं।

वे प्रचार-प्रसार से दूर रहकर अपने काम पर ध्यान केंद्रित करना पसंद करते थे। उनका पारिवारिक जीवन भी संतुलित रहा है। वे विवाहित हैं और अपने परिवार के साथ साधारण जीवन जीते रहे हैं। अपने काम के अलावा उन्हें संगीत और पढ़ने का भी शौक रहा है, जो उनके व्यक्तित्व के एक संवेदनशील और रचनात्मक पक्ष को दर्शाता है।

आकाश में चंद्रमा और तारों (या ग्रहों) को देखने का रोमांच कुछ ऐसा है, जो दिल को छू लेता है। यह सिर्फ देखना नहीं, बल्कि महसूस करना है, जैसे ब्रह्मांड खुद आपको बुला रहा हो और आप उसकी विशालता में खो जाना चाहें। खासकर जब चंद्रमा किसी चमकीले ग्रह के पास आता है, तो वह दृश्य रोमांटिक, रहस्यमयी और जादुई लगता है। अब चंद्र ग्रहण से आगे चलते हैं और इस रोमांच पर विस्तार से बात करते हैं कि मार्च, 2026 में आकाश में और क्या घटित होने वाला है।

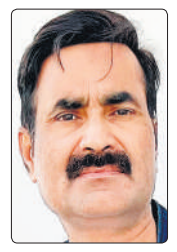

डॉ. इरफान ह्यूमन
विज्ञान लेखक

मार्च में आकाश दर्शन

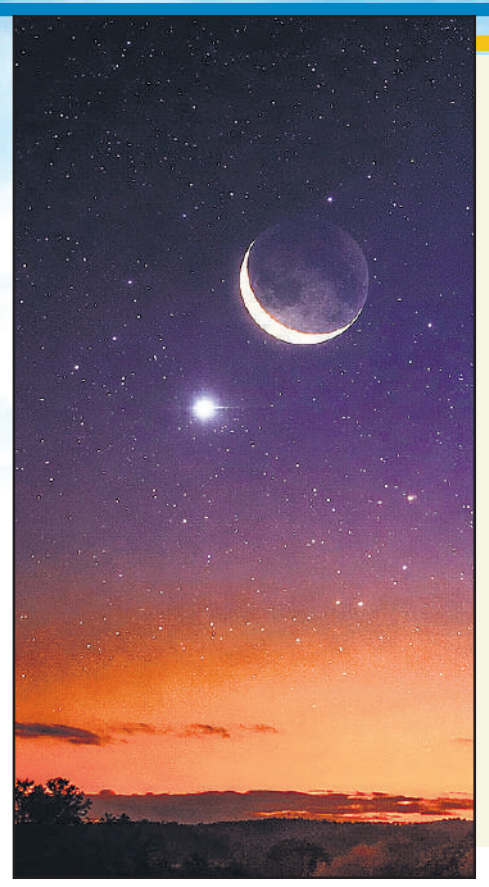

चंद्रमा और शुक्र का संयोजन

आज यानी 20 मार्च को चंद्रमा और शुक्र का संयोजन की घटना घटित होगी, जहां चंद्रमा शुक्र के उत्तर में लगभग 4.4-4.6 की दूरी पर होगा। समय यूटीसी में शाम, भारत में सूर्यास्त के समय (लगभग 18:30-19:00 आईएसटी) दिखेगा। चंद्रमा सिर्फ 1-5 प्रतिशत प्रकाशित (बहुत पतला क्रिसेंट) होगा। शुक्र बहुत चमकीला-4 magnitude के आसपास) होगा, जो शाम का सबसे चमकीला तारा (संध्या तारा) के रूप में दिखाई देगा। यह पश्चिमी आकाश में निम्न क्षितिज पर होगा और चंद्रमा उसके ऊपर या पास दिखेगा। यह दृश्य सिर्फ 30-60 मिनट तक रहेगा, क्योंकि दोनों जल्दी अस्त हो जाएंगे। इस दृश्य को सूर्यास्त के ठीक बाद पश्चिम में देखा जा सकता है। इसे देखने के लिए किसी दूरबीन की जरूरत नहीं होगी। यह इस माह का सबसे आसान और चमकीला संयोजन होगा।

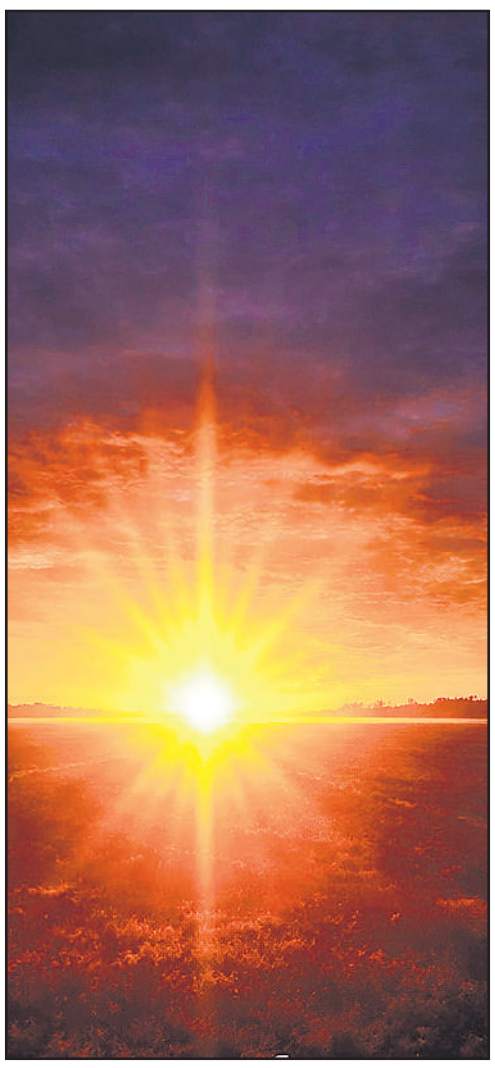

ठीक भूमध्य रेखा पर सूर्य

20 मार्च को मार्च विषुव की घटना घटित होगी। यह घटना 14:46 यूटीसी (कोऑर्डिनेटेड यूनिवर्सल टाइम) और 8:16 पीएम आईएसटी (इंडियन स्टैंडर्ड टाइम) पर होगी, तब सूर्य सीधे भूमध्य रेखा पर चमकता दिखाई देगा और दुनियाभर में दिन और रात लगभग बराबर होंगे। यह उत्तरी गोलार्ध में वसंत का पहला दिन भी होता है और दक्षिणी गोलार्ध में पतझड़ अर्थात शरद ऋतु विषुव का पहला दिन भी। अर्थात उत्तरी गोलार्ध में वसंत की शुरुआत और सर्दियों के अंत को चिह्नित करने के लिए मार्च विषुव को लिया जा सकता है, लेकिन दक्षिणी गोलार्ध में शरद ऋतु की शुरुआत और गर्मियों की समाप्ति को चिह्नित करता है।

यह हर साल 19, 20 या 21 मार्च के बीच पड़ता है। 2026 में यह ठीक 20 मार्च को है। एक सामान्य वर्ष के लिए गणना किए गए समय में कमी पिछले वर्ष की तुलना में 5 घंटे 49 मिनट बाद है और पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 18 घंटे 11 मिनट पहले लीप वर्ष के लिए है। खगोल विज्ञान में, मार्च विषुव काल के नक्षत्र समय का शून्य बिंदु माना जाता है। विषुव ऐसा समय-बिंदु होता है, जिसमें दिवस और रात्रि लगभग बराबर होते हैं। इसका शब्दिक अर्थ होता है-समान।

किसी क्षेत्र में दिन और रात की लंबाई को प्रभावित करने वाले कई दूसरे कारक भी होते हैं। पृथ्वी अपनी धुरी पर साढ़े तेईस डिग्री झुके हुए सूर्य के चक्कर लगाती है, इस प्रकार वर्ष में एक बार पृथ्वी इस स्थिति में होती है, जब वह सूर्य की ओर झुकी रहती है और एक बार सूर्य से दूसरी ओर झुकी रहती है। इसी प्रकार वर्ष में दो बार ऐसी स्थिति भी आती है, जब पृथ्वी का झुकाव न सूर्य की ओर ही होता है और न ही सूर्य से दूसरी ओर, बल्कि बीच में होता है। इस स्थिति को विषुव या इक्विनॉक्स कहा जाता है। इन दोनों तिथियों पर दिन और रात की लंबाई लगभग बराबर होती है। यदि दो लोग भूमध्य रेखा से समान दूरी पर खड़े हों तो, उन्हें दिन और रात की लंबाई बराबर महसूस होगी। ग्रेगोरियन वर्ष के आरंभ होते समय (जनवरी माह में) सूरज दक्षिणी गोलार्ध में होता है और वहां से उत्तरी गोलार्ध को अग्रसर होता है। वर्ष के समाप्त होने (दिसंबर माह) तक सूरज उत्तरी गोलार्ध से होकर पुनः दक्षिणी गोलार्द्ध पहुंच जाता है। इस तरह से सूर्य वर्ष में दो बार भू-मध्य रेखा के ऊपर से गुजरता है।

चंद्रमा और बृहस्पति का संयोजन

26 मार्च को चंद्रमा और बृहस्पति के संयोजन की घटना घटित होगी, जहां चंद्रमा बृहस्पति के उत्तर में लगभग 3.5 की दूरी पर होगा। समय यूटीसी में दोपहर, भारत में रात के समय (शाम से मध्यरात्रि तक) दिखेगा। चंद्रमा 58 प्रतिशत प्रकाशित होगा। इसकी दृश्यता की बात करें, तो बृहस्पति का मैग्नीट्यूड -2.3 के आसपास बहुत चमकीला होगा। यह रात में दक्षिणी आकाश में ऊंचा दिखेगा। चंद्रमा बृहस्पति के पास होगा, जो एक शानदार जोड़ी बनेगी। दूरबीन या छोटे टेलीस्कोप से बृहस्पति के 4 गैलीलियन चंद्रमा भी दिख सकते हैं। इस घटना को शाम 7-8 बजे से रात भर दक्षिण या दक्षिण-पूर्व दिशा में देखें।

वैज्ञानिक फैक्ट

पृथ्वी पर ऑक्सीजन का उत्पादन और महासागर

क्या आपने कभी सोचा है कि ऑक्सीजन आखिर आती कहां से है? आमतौर पर हमारा ध्यान घने वर्षावनों, विशेषकर अमेजन जैसे क्षेत्रों की ओर जाता है, जिन्हें 'पृथ्वी के फेफड़े' कहा जाता है, लेकिन एक रोचक वैज्ञानिक तथ्य यह है कि पृथ्वी पर उपलब्ध ऑक्सीजन का एक बहुत बड़ा हिस्सा समुद्रों से आता है। वैज्ञानिकों और समुद्री अनुसंधानों के अनुसार, वैश्विक स्तर पर उत्पादित ऑक्सीजन का लगभग 50 से 60 प्रतिशत भाग महासागरों में रहने वाले सूक्ष्म जीवों द्वारा निर्मित होता है। समुद्रों में पाए जाने वाले फाइटोप्लवक, सूक्ष्म शैवाल और सायनोबैक्टीरिया जैसे जीव प्रकाश संश्लेषण की प्रक्रिया के माध्यम से कार्बन डाइऑक्साइड और सूर्य के प्रकाश का

उपयोग कर ऑक्सीजन का उत्पादन करते हैं। ये जीव आकार में अत्यंत सूक्ष्म होते हैं, लेकिन संख्या में इतने विशाल होते हैं कि उनका सामूहिक योगदान पूरे ग्रह के वायुमंडलीय संतुलन को बनाए रखने में निर्णायक भूमिका निभाता है। विशेष रूप से 'प्रोक्लोरोकोकस' नामक सूक्ष्म जीव को पृथ्वी का सबसे अधिक मात्रा में ऑक्सीजन उत्पन्न करने वाला जीव माना जाता है। यह अकेला ही वैश्विक ऑक्सीजन उत्पादन में महत्वपूर्ण योगदान देता है। इसके अतिरिक्त, समुद्री शैवाल की बड़ी प्रजातियां, जैसे केल्प, भी तटीय क्षेत्रों में ऑक्सीजन उत्पादन और कार्बन अवशोषण में अहम भूमिका निभाती हैं। महासागर केवल ऑक्सीजन ही नहीं बनाते, बल्कि वे पृथ्वी के जलवायु तंत्र को भी नियंत्रित करते हैं। ये समुद्री जीव कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित कर उसे जैविक पदार्थ में परिवर्तित करते हैं, जिससे ग्रीनहाउस गैसों का प्रभाव कम होता है। इसे 'ब्लू कार्बन' प्रक्रिया कहा जाता है, जो जलवायु परिवर्तन को नियंत्रित करने में महत्वपूर्ण मानी जाती है। हालांकि यह संतुलन अब खतरे में है। समुद्री प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन, महासागरों का तापमान बढ़ना और अम्लीकरण इन सूक्ष्म जीवों के अस्तित्व को प्रभावित कर रहे हैं। यदि फाइटोप्लवक की संख्या में कमी आती है, तो इसका सीधा प्रभाव वैश्विक ऑक्सीजन उत्पादन और जलवायु संतुलन पर पड़ेगा। इसलिए यह समझना आवश्यक है कि ऑक्सीजन केवल जंगलों से ही नहीं, बल्कि महासागरों की गहराइयों में बसे सूक्ष्म जीवन से भी आती है। यह ज्ञान हमें पर्यावरण संरक्षण की व्यापक दृष्टि अपनाने के लिए प्रेरित करता है, जिसमें समुद्रों की सुरक्षा भी उतनी ही महत्वपूर्ण है जितनी वनों की।

पारिस्थितिकी के विघटन की चेतावनी लुप्त होती गौरैया

भारतीय जनजीवन में प्रकृति और जीव-जंतुओं के साथ सह-अस्तित्व की परंपरा अत्यंत प्राचीन रही है। इसी परंपरा की एक सहज अभिव्यक्ति है गौरैया, जो केवल एक पक्षी नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के साथ विकसित हुई सांस्कृतिक स्मृति भी है। ग्राम्य जीवन में मिट्टी के घर, खपरैल की छतें, खुले आंगन और वृक्षों से युक्त वातावरण गौरैया के लिए आदर्श आवास प्रदान करते थे। उस समय मानव और प्रकृति के बीच कोई कृत्रिम दूरी नहीं थी, इसलिए गौरैया हर घर का हिस्सा बनकर रहती थी और उसकी चहचहाहट जीवन की सरलता का प्रतीक मानी जाती थी। समय के साथ औद्योगिक विकास और शहरीकरण ने इस संतुलन को प्रभावित किया। आधुनिक निर्माण पद्धतियों, रासायनिक कृषि और कृत्रिम जीवनशैली के कारण गौरैया का प्राकृतिक आवास और भोजन स्रोत दोनों ही प्रभावित हुए हैं। परिणामस्वरूप, जो पक्षी कभी सर्वत्र दिखाई देता था, वह आज अनेक क्षेत्रों में दुर्लभ हो गया है।

वैज्ञानिक दृष्टि से गौरैया का महत्व अत्यंत व्यापक है। यह एक कीटभक्षी पक्षी है, जो विशेष रूप से अपने बच्चों के पालन-पोषण के समय कीटों का सेवन करती है। कीट प्रोटीन से भरपूर होते हैं, जो बच्चों के शारीरिक विकास के लिए आवश्यक होते हैं। किंतु रासायनिक कीटनाशकों के अत्यधिक उपयोग ने कीटों की संख्या को गंभीर रूप से कम कर दिया है। इससे गौरैया के बच्चों के पोषण पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है और उनकी मृत्यु दर बढ़ जाती है। रासायनिक खादों का प्रभाव भी इस संकट को बढ़ाता है। इनके निरंतर उपयोग से मृदा की गुणवत्ता और उसमें रहने वाले सूक्ष्म जीव प्रभावित होते हैं, जो खाद्य श्रृंखला की आधारशिला हैं। जब यह आधार कमजोर होता है, तो उसका प्रभाव पूरे पारिस्थितिकी तंत्र पर पड़ता है। इसके साथ ही रासायनिक अवशेष गौरैया के शरीर में पहुंचकर उसकी प्रजनन क्षमता और जीवनकाल को भी प्रभावित करते हैं।

डॉ. जितेंद्र शुक्ला
वन्य जीव विशेषज्ञ

सामाजिक परिवर्तन भी इस संकट के लिए उत्तरदायी हैं। पहले लोग अपने घरों में दाना-पानी रखते थे और पक्षियों के लिए स्थान छोड़ते थे। आज की जीवनशैली में यह परंपरा लगभग समाप्त हो गई है। इसके अतिरिक्त जल स्रोतों की कमी और शहरी क्षेत्रों में बढ़ती स्वच्छता की प्रवृत्ति ने भी गौरैया के लिए उपलब्ध संसाधनों को सीमित कर दिया है। यह सभी परिवर्तन मिलकर उसके अस्तित्व को चुनौती देते हैं। पारिस्थितिकी तंत्र में गौरैया का महत्व अत्यंत व्यापक है। यह केवल कीट नियंत्रण तक सीमित नहीं है, बल्कि यह ऊर्जा प्रवाह और पोषण चक्र का भी एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। यह बीजों के प्रसार में सहायक होती है और पौधों की विविधता बनाए रखने में योगदान देती है। इसके अतिरिक्त यह स्वयं भी अन्य जीवों के लिए भोजन का स्रोत बनती है। इस प्रकार यह खाद्य जाल की एक महत्वपूर्ण कड़ी है। जब यह कड़ी कमजोर होती है, तो पूरे तंत्र पर उसका प्रभाव पड़ता है। यही कारण है कि गौरैया को जैव संकेतक के रूप में भी देखा जाता है। इसकी संख्या में गिरावट यह संकेत देती है कि पर्यावरण में ऐसे परिवर्तन हो रहे हैं, जो अन्य जीवों के लिए भी हानिकारक हो सकते हैं।

यदि हम इस संकट को केवल एक पक्षी की समस्या मानकर अनदेखा करते हैं, तो यह हमारी सबसे बड़ी भूल होगी। गौरैया का लुप्त होना उस व्यापक पर्यावरणीय संकट का प्रारंभिक संकेत है, जो भविष्य में और भी गंभीर रूप ले सकता है। यह हमें चेतावनी देता है कि हमारा विकास प्रकृति के अनुकूल नहीं है और यदि हमने समय रहते इसमें सुधार नहीं किया, तो इसका परिणाम अत्यंत गंभीर हो सकता है। इस स्थिति को सुधारने के लिए आवश्यक है कि हम अपने विकास के मॉडल पर पुनर्विचार करें। हमें रासायनिक कीटनाशकों और खादों के उपयोग को सीमित करना होगा और जैविक उपायों को अपनाना होगा। शहरी क्षेत्रों में हरित स्थानों का संरक्षण और विस्तार आवश्यक है। घरों और भवनों में ऐसे स्थानों की व्यवस्था की जा सकती है, जहां गौरैया घोंसला बना सके। इसके साथ ही लोगों में जागरूकता बढ़ाना भी आवश्यक है ताकि वे अपने आसपास के पर्यावरण के प्रति संवेदनशील बन सकें।

गौरैया का संकट हमें यह सिखाता है कि प्रकृति के साथ संतुलन बनाए रखना ही हमारे अस्तित्व की कुंजी है। यह केवल एक पक्षी की रक्षा का प्रश्न नहीं है, बल्कि उस पारिस्थितिक संतुलन की रक्षा का प्रश्न है, जिस पर समस्त जीवन निर्भर करता है। यदि हम इस चेतावनी को समय रहते समझ लें और अपने व्यवहार में परिवर्तन करें, तो संभव है कि आने वाली पीढ़ियां भी उस मधुर चहचहाहट को सुन सकें, जो हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा हुआ करती है।

मरीन लाइफ

जब नर समुद्री घोड़ा देता है जन्म

समुद्री जीवों की दुनिया में एक अद्भुत अपवाद के रूप में नर समुद्री घोड़े ही गर्भ धारण करते हैं। दरअसल समुद्री घोड़ा की शारीरिक संरचना में एक विशेष थैली होती है, जो उसके पेट के हिस्से में विकसित होती है। प्रजनन के दौरान मादा अपने अंडों को नर की इस थैली में स्थानांतरित कर देती है। इसके बाद निषेचन की प्रक्रिया नर के शरीर के भीतर ही होती है, जो इसे अन्य अधिकांश जीवों से अलग बनाती है। नर समुद्री घोड़ा इस थैली में अंडों को केवल सुरक्षित ही नहीं रखता, बल्कि उन्हें पोषण और ऑक्सीजन भी प्रदान करता है। यह थैली किसी हद तक स्तनधारियों के गर्भाशय की तरह कार्य करती है, जहां भ्रूण का विकास नियंत्रित वातावरण में होता है। प्रजाति के अनुसार 10 से 25 दिनों तक गर्भधारण की अवधि पूरी होने के बाद नर समुद्री घोड़ा संकुचन के माध्यम से सैकड़ों से लेकर लगभग 2,000 तक शिशुओं को जन्म देता है। यह प्रक्रिया देखने में किसी छोटे 'प्राकृतिक प्रसव' जैसी प्रतीत होती है।

समुद्री घोड़ों की एक और रोचक विशेषता उनका एकनिष्ठ व्यवहार है। कई प्रजातियों में नर और मादा लंबे समय तक एक ही जोड़ी के रूप में रहते हैं और रोजाना 'डांस' जैसे व्यवहार के माध्यम से अपने संबंध को मजबूत करते हैं। यह समन्वय प्रजनन प्रक्रिया को सफल बनाने में सहायक होता है। इसके अतिरिक्त, समुद्री घोड़े उत्कृष्ट छलावरण क्षमता रखते हैं। वे अपने आसपास के वातावरण के अनुसार रंग बदल सकते हैं और समुद्री घास या प्रवाल के बीच आसानी से छिप जाते हैं, जिससे वे शिकारियों से बच पाते हैं। उनकी पूंछ लचीली होती है, जिससे वे समुद्री पौधों को पकड़कर स्थिर रह सकते हैं, क्योंकि वे अन्य मछलियों की तरह तेजी से तैर नहीं पाते। हालांकि इन अद्भुत जीवों का अस्तित्व आज कई खतरों से घिरा है। समुद्री प्रदूषण, तटीय आवासों का विनाश, जलवायु परिवर्तन और अवैध व्यापार (विशेषकर पारंपरिक दवाओं और सजावटी वस्तुओं के लिए) इनके लिए गंभीर चुनौती बन चुके हैं। इसलिए समुद्री घोड़ों का संरक्षण केवल जैव विविधता की रक्षा नहीं, बल्कि समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र के संतुलन को बनाए रखने के लिए भी आवश्यक है।

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	74,207.24	23,002.15
गिरावट	2496.89	775.65
प्रतिशत में	3.26	3.26

सोना 1,53,300 प्रति 10 ग्राम

चांदी 2,38,700 प्रति किलो

अमृत विचार

लखनऊ, शुक्रवार, 20 मार्च 2026

www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

आवासीय परियोजना से 3,000 करोड़ कमाएगी महिंद्रा लाइफस्पेस

नई दिल्ली। रियल एस्टेट कंपनी महिंद्रा लाइफस्पेस डेवलपर्स लिमिटेड को मुंबई में अपने नए आवासीय परियोजना से लगभग 3,000 करोड़ रुपये का राजस्व मिलने की उम्मीद है। कंपनी ने बृहस्पतिवार को एक नियामकीय सूचना में कहा कि उसने मुंबई के कांजुर में एलबीएस मार्ग पर एक मिश्रित-उपयोग परियोजना 'महिंद्रा रेनफॉरेस्ट' के पहले दो चरण की पेशकश की है।

'नवरात्रि महोत्सव' में ग्राहकों को कई तरह की छूट देगी ओला

नई दिल्ली। ओला इलेक्ट्रिक ने 'नवरात्रि महोत्सव' की शुरुआत करने की बृहस्पतिवार को घोषणा की। इसके तहत कंपनी के एस1 स्कूटर और रोडस्टर मोटरसाइकिल खंड पर 30,000 रुपये से अधिक के लाभ दिए जा रहे हैं। चैत्र नवरात्रि के नौ दिवसीय उत्सव के तहत कंपनी नकद छूट, विस्तारित वारंटी और 'इंस्टेंट कैशबैक' जैसे कई पेशकश लाई है। कंपनी के बयान के अनुसार, उत्सव के माहौल को और बढ़ाते हुए ओला इलेक्ट्रिक रोजाना 90 मिनट के 'मुहूर्त' खिड़की आयोजित करेगी। इसमें चुनिंदा मॉडल की सीमित इकाइयां विशेष एवं सीमित समय की कीमतों पर उपलब्ध होंगी। ओला के प्रवक्ता ने कहा कि यह 'नवरात्रि महोत्सव' हमारे ग्राहकों के साथ नए आरंभ और समृद्धि की भावना का उत्सव मनाने का तरीका है।

बीएमडब्ल्यू ने उतारा 'मिनी कूपर एस' का विक्ट्री संस्करण

जयपुर। जर्मनी की वाहन कंपनी बीएमडब्ल्यू ने लक्जरी कार ब्रांड 'मिनी' का विशेष संस्करण 'मिनी कूपर एस विक्ट्री संस्करण' बृहस्पतिवार को भारतीय बाजार में पेश किया। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि सीमित संख्या में बनने वाली यह कार तुरंत ग्राहकों को उपलब्ध होगी। बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया के मुख्य कार्यकारी (सीईओ) हरदीप सिंह बरार ने यहां मीडिया से कहा कि इसे जयपुर में पहली बार पेश करते हुए भारतीय बाजार में उतारा गया है। इसकी शोरूम कीमत 57,50,000 रुपये है। इस विशेष संस्करण की सीमित कारें बनाई जाएंगी।

गुजरात को पछाड़ तमिलनाडु बना देश का शीर्ष वस्त्र निर्यातक

चेन्नई। तमिलनाडु वस्त्र निर्यात के मामले में देश का शीर्ष राज्य बनकर उभरा है। राज्य ने वित्त वर्ष 2024-25 में 799.717 करोड़ अमेरिकी डॉलर के निर्यात दर्ज किए जो पिछले चार वर्षों में 29.12 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, पिछले चार वर्ष में राज्य के निर्यात मूल्य में 29 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने कहा कि तमिलनाडु ने गुजरात और महाराष्ट्र जैसे प्रतिस्पर्धी राज्यों को पीछे छोड़कर पहला स्थान हासिल किया है।

तपूकड़ा संयंत्र में होंडा करेगी 1,500 करोड़ रुपये का निवेश

नई दिल्ली। होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया (एचएमएसआई) राजस्थान के तपूकड़ा स्थित अपने संयंत्र में तीसरी उत्पादन लाइन स्थापित करने के लिए करीब 1,500 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। कंपनी ने बृहस्पतिवार को बयान में यह जानकारी देते हुए बताया कि इस नई इकाई के वर्ष 2028 में शुरू होने की उम्मीद है।

आईबीसी का दुरुपयोग करना अर्थव्यवस्था के लिए घातक : मुंबई हाईकोर्ट

मुंबई, एजेंसी

मुंबई उच्च न्यायालय ने कर्ज न चुकाने वालों और गारंटी देने वालों द्वारा दिवाला एवं ऋणशोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी) के प्रावधानों के दुरुपयोग पर कड़ी आपत्ति जताई है। अदालत ने कहा कि कर्ज चुकाने की अवधि में छूट (मोरेटोरियम) का लाभ उठाकर कानूनी सुरक्षा की आड़ लेने की यह प्रवृत्ति देश की अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती है।

न्यायमूर्ति मनीष पितले और न्यायमूर्ति श्रीराम शिरसाट की पीठ ने बुधवार को दिए एक आदेश में कहा कि चूककर्ताओं की ऐसी रणनीतियां आईबीसी के मूल उद्देश्य को विफल करती हैं और सुरक्षित लेनदारों द्वारा उठाए गए कानूनी कदमों को पंगु बना देती हैं। अदालत ने स्पष्ट किया कि जब कानूनी प्रावधानों का दुरुपयोग न्याय की विफलता का कारण बने, तो वह मूकदर्शक नहीं बनी रह सकती।

अदालत ने एक चिंताजनक प्रवृत्ति की ओर इशारा करते हुए कहा कि जानबूझकर कर्ज न चुकाने वाले लोग सुरक्षित लेनदारों और नीलामी खरीदारों को (वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन और प्रतिभूति हित का प्रवर्तन अधिनियम) 'सरफेसी अधिनियम' के तहत कार्रवाई करने से रोकने के लिए आईबीसी का सहारा लेते हैं।

पीठ ने यह भी कहा कि अक्सर देखा गया है कि कर्जदार पूरी नीलामी प्रक्रिया के दौरान शांत रहते हैं और अंत में आईबीसी के तहत मिलीभगत वाली कार्यवाही शुरू कर देते हैं ताकि ऋण भुगतान पर रोक का दावा किया जा सके। हाईकोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि आईबीसी का उद्देश्य संपत्ति के मूल्य को अधिकतम करना और सभी हितधारकों के हितों को संतुलित करना था। लेकिन चूककर्ताओं द्वारा अपनाई जा रही ये रणनीतियां इस उद्देश्य को विफल कर रही हैं, वहीं देश के वित्तीय स्वास्थ्य को भी नुकसान पहुंचा रही हैं।

एचडीएफसी बैंक के चेयरमैन का इस्तीफा, कमान मिस्त्री को

अतनु चक्रवर्ती ने त्याग पत्र में लगाया संचालन में अनैतिकता का आरोप, बोले-मेरे मूल्यों के अनुरूप नहीं

मुंबई, एजेंसी

एचडीएफसी बैंक के गैर-कार्यकारी चेयरमैन अतनु चक्रवर्ती ने 'मूल्यों और नैतिकता' पर मतभेदों का हवाला देते हुए अचानक इस्तीफा दे दिया है। देश के दूसरे सबसे बड़े बैंक के प्रबंधन ने इस्तीफे के कारण को 'हैरान' करने वाला बताया है। प्रबंधन का कहना है कि बार-बार अनुरोध किए जाने के बावजूद चक्रवर्ती ने चीजों को साफ-साफ नहीं बताया। चक्रवर्ती के इस्तीफे के बाद एचडीएफसी बैंक समूह के अनुभवी अधिकारी केकी मिस्त्री को अंतरिम चेयरमैन नियुक्त किया गया है।

उन्होंने कहा कि चक्रवर्ती और कार्यकारी नेतृत्व के बीच 'संबंधों में कुछ समस्याएं' हो सकती हैं, लेकिन उन्हें इस्तीफे के पीछे कोई ठोस कारण नहीं मिला। मिस्त्री ने कहा कि बैंक का परिचालन और संचालन स्थिर और मजबूत बना हुआ है। यह पहली बार है कि एचडीएफसी बैंक के अंशकालिक चेयरमैन ने बैंक के कामकाज पर चिंता जताते हुए

कार्यकाल के बीच में ही इस्तीफा दिया है।

उन्होंने 17 मार्च को लिखे अपने इस्तीफे में कहा कि पिछले दो वर्षों में मैंने बैंक के भीतर कुछ ऐसी चीजें और गतिविधियां देखी हैं जो मेरे व्यक्तिगत मूल्यों और नैतिकता के अनुरूप नहीं हैं। यही मेरे उपरोक्त निर्णय का आधार है।

संचालन, नामांकन और पारिश्रमिक समिति के चेयरमैन एच. के. भनवाला को लिखे पत्र में चक्रवर्ती ने कहा कि इन कारणों के अलावा मेरे इस्तीफे का कोई अन्य महत्वपूर्ण कारण नहीं है। एचडीएफसी बैंक ने बुधवार देर शाम शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि चक्रवर्ती ने 18 मार्च, 2026 को तत्काल प्रभाव से अंशकालिक चेयरमैन एवं स्वतंत्र निदेशक पद से इस्तीफा दे दिया है।

श्री चक्रवर्ती भारतीय प्रशासनिक सेवा से अप्रैल 2020 में सेवानिवृत्त हुए। उस समय वह वित्त मंत्रालय में आर्थिक मामलों के विभाग के सचिव थे। वह मई 2021 में एचडीएफसी बैंक के निदेशक मंडल में स्वतंत्र निदेशक के रूप में शामिल हुए थे। स्वतंत्र निदेशक के रूप में उनका तीन साल का कार्यकाल समाप्त होने के बाद मई 2024 में उन्हें दोबारा तीन साल के लिए स्वतंत्र निदेशक बनाया गया गया था। इस्तीफे की बात समाने आने के बाद गुरुवार को बैंक का शेयर आज एक समय 8.42 प्रतिशत लुढ़ककर 772 रुपये पर आ गया था। वहां से उबर कर यह शेयर समाचार लिखे जाने के समय 4.26 प्रतिशत की गिरावट में 807 रुपये पर चल रहा था। बुधवार को बैंक का शेयर 842.95 रुपये पर बंद हुआ था।

चिंताएं स्पष्ट करने को कहा गया था: सीईओ

एचडीएफसी बैंक के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) और प्रबंध निदेशक शशिधर जगदीशन ने बृहस्पतिवार को कहा कि बैंक के पूर्व चेयरमैन अतनु चक्रवर्ती को अपने इस्तीफे के फैसले पर पुनर्विचार करने, नैतिकता से संबंधित चिंताओं पर विस्तार से बताने और इस्तीफे में उपयोग किये गये कुछ शब्दों को वापस लेने के लिए कहा गया था। इस अप्रत्याशित कदम के बाद संवाददाताओं से बातचीत में बैंक के निदेशक मंडल के अधिकतर सदस्यों ने कहा कि वह चक्रवर्ती के इस कदम से 'हैरान' हैं।

मजबूत बुनियाद वाला संस्थान: एम. नागराजू

नई दिल्ली, एजेंसी। वित्तीय सेवा सचिव एम. नागराजू ने बृहस्पतिवार को कहा कि एचडीएफसी बैंक 'मजबूत बुनियाद वाला मजबूत संस्थान' है। एचडीएफसी बैंक के चेयरमैन अतनु चक्रवर्ती के नैतिक चिंताओं का हवाला देते हुए इस्तीफा देने के बाद नागराजू ने यह बात कही। उन्होंने पत्रकारों से कहा कि एचडीएफसी बैंक मजबूत बुनियाद वाला मजबूत संस्थान है। बैंक के आवेदन पर भारतीय रिजर्व बैंक ने 18 मार्च, 2026 को केकी मिस्त्री को 19 मार्च, 2026 से तीन महीने की अवधि के लिए अंतरिम अंशकालिक चेयरमैन नियुक्त करने की मंजूरी दे दी है।

इस्तीफा बड़ी चिंता की बात नहीं: आरबीआई

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बृहस्पतिवार को कहा कि बैंक के आचरण या शासन के संबंध में कोई बड़ी चिंता की बात नहीं है। कहा कि एचडीएफसी बैंक एक घरेलू प्रणालीगत रूप से महत्वपूर्ण बैंक (डी-एसआईबी) है जिसके पास मजबूत वित्तीय स्थिति, पेशेवर तरीके से संचालित बोर्ड और सक्षम प्रबंधन दल है। हमारे समय-समय पर किए गए आकलन के आधार पर, इसके आचरण या शासन के संबंध में कोई बड़ी चिंता नहीं है। बयान में जोर दिया गया कि बैंक के पास पर्याप्त पूंजी है और उसकी वित्तीय स्थिति संतोषजनक बनी हुई है।

एलपीजी की बुकिंग सामान्य की ओर लेकिन स्थिति अब भी चिंताजनक

घबराहट में की गई बुकिंग 13 मार्च को 87.7 लाख पहुंची थी, 18 को घटकर 57 लाख पहुंची

नई दिल्ली, एजेंसी

देश में घरेलू रसोई गैस (एलपीजी) के भरे हुए सिलेंडर की बुकिंग युद्ध-पूर्व के सामान्य स्तर के करीब पहुंच रही है, जो स्थिति में धीरे-धीरे सुधार का संकेत है। हालांकि, पश्चिम एशिया संघर्ष के कारण कच्चे माल की आपूर्ति में जारी व्यवधानों के चलते होटल सहित व्यावसायिक उपभोक्ताओं पर आपूर्ति प्रतिबंध अब भी लागू हैं। ईरान पर 28 फरवरी को हुए सैन्य हमलों से पहले देश के 33 करोड़ से अधिक घरेलू एलपीजी उपभोक्ता औसतन प्रतिदिन लगभग 55 लाख सिलेंडर बुक कर रहे थे। तनाव बढ़ने के बाद ''होर्मुज जलडमरूमध्य'' के बंद होने से भारत की लगभग 60 प्रतिशत गैस आपूर्ति बाधित हो गई, जिससे व्यावसायिक आपूर्ति में कटौती करनी पड़ी और घरेलू उपभोक्ताओं में घबराहट के कारण भारी बुकिंग शुरू हो गई।

● पश्चिम एशिया संकट से पहले प्रतिदिन औसतन हो रही थी 55 लाख सिलेंडर की बुकिंग

कोयला आपूर्ति को कोल इंडिया ने उठाए कदम

नयी दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच सरकार ने बृहस्पतिवार को कहा कि घरेलू कोयला उत्पादन उपभोक्ताओं की मांग के अनुरूप है। देश के कुल कोयला उत्पादन में 80 प्रतिशत से अधिक की हिस्सेदारी रखने वाली कोल इंडिया ने एहतियाती कदम उठाते हुए चालू माह में 29 ई-नीलामी आयोजित करने की योजना बनाई है। इसके तहत लगभग 2.35 करोड़ टन कोयले की पेशकश की जाएगी। कोयला मंत्रालय ने बयान में कहा कि इन 29 नीलामियों में से 12 मार्च, 2026 से अब तक पांच नीलामी आयोजित की जा चुकी हैं। इनमें 73.1 लाख टन कोयले की पेशकश की गई थी, जिसमें से 31.96 लाख टन की बुकिंग हो चुकी है, जो ई-नीलामी में कोयले की पर्याप्त उपलब्धता को दर्शाता है।

दो सप्ताह में दिए पीएनजी के सवा लाख नये कनेक्शन

शर्मा ने बताया कि सरकार उपभोक्ताओं को पाइप के जरिये आपूर्ति की जाने वाली रसोई गैस (पीएनजी) अपनाने के लिए भी प्रोत्साहित कर रही है और पिछले दो सप्ताह में 1.25 लाख नए कनेक्शन जारी किए गए हैं। कालाबाजारी और जमाखोरी रोकने के लिए राज्यों में छापेमारी और प्राथमिकी दर्ज करने की कार्रवाई जारी है। केंद्र सरकार ने 18 मार्च को सभी राज्य सरकारों को पत्र लिखकर उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कदम उठाने और मिट्टी के तेल (केरोसिन) जैसे वैकल्पिक ईंधनों को बढ़ावा देने का निर्देश दिया है।

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने कहा कि 13 मार्च को घबराहट में की गई बुकिंग का आंकड़ा 87.7 लाख के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था, जो 18 मार्च को घटकर 56-57 लाख पर आ गया है। उन्होंने कहा कि घबराहट में की जाने वाली बुकिंग कम हो रही है और सरकार परिवारों को आपूर्ति में प्राथमिकता दे रही है।

शर्मा ने स्पष्ट किया कि गैस आपूर्ति की स्थिति अब भी चिंताजनक बनी हुई है, लेकिन किसी भी वितरक के पास भंडार पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है। हालांकि, व्यावसायिक उपयोगकर्ताओं को उनकी आवश्यकता का केवल पांचवां हिस्सा (20 प्रतिशत) ही मिल पा रहा है।

उन्होंने बताया कि पिछले दो सप्ताह में घरेलू गैस उत्पादन में 40 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है। सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम विपणन कंपनियां बुकिंग के साथ तालमेल बिठाने के लिए अतिरिक्त पालियों में काम कर रही हैं।

सुजाता शर्मा ने बताया कि देश में ऑनलाइन बुकिंग बढ़कर 94% पहुंच गई है। करीब 83% रीफिल डिलीवरी 'डिलीवरी ऑथेंटिकेट' कोड यानी ओटीपी के जरिए हो रही है। पैनिक बुकिंग में कमी आ रही है। 18 मार्च को 56 लाख से अधिक की बुकिंग के मुकाबले 54.91 लाख सिलेंडरों की आपूर्ति की गई।

टाटा ग्रुप के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन, भारत में ब्रिटिश हाई कमिश्नर लिंडी कैमरन और अन्य लोगों के साथ, नई दिल्ली में 'केबीई' का प्रतीक चिन्ह प्राप्त करने के बाद।

टाटा समूह के चेयरमैन को ब्रिटेन का 'नाइटहुड' सम्मान

नई दिल्ली, एजेंसी

टाटा समूह के चेयरमैन नटराजन चंद्रशेखरन को भारत-ब्रिटेन व्यापार संबंधों को मजबूत करने में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए ब्रिटिश सरकार ने मानद 'नाइटहुड' से सम्मानित किया है।

ब्रिटिश उच्चायुक्त के आवास पर बुधवार रात आयोजित कार्यक्रम में उन्हें 'नाइट कमांडर ऑफ द मोस्ट एक्सीलेंट ऑर्डर ऑफ द ब्रिटिश एम्पायर (केबीई)' की उपाधि प्रदान की गई। यह ब्रिटेन का एक प्रतिष्ठित सर्वोच्च नागरिक सम्मान है, जो विदेशी नागरिकों को उनकी असाधारण सेवाओं के लिए दिया जाता है।

ब्रिटिश उच्चायोग ने बयान में कहा कि टाटा समूह, ब्रिटेन में लंबे समय से निवेश करता आया है। यह निवेश मोटर वाहन, इस्पात, प्रौद्योगिकी और उपभोक्ता क्षेत्रों तक फैला है। यह ब्रिटेन में रोजगार, उन्नत विनिर्माण एवं स्वच्छ प्रौद्योगिकियों की ओर बदलाव को समर्थन देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

भारत में ब्रिटेन की उच्चायुक्त लिंडी कैमरून ने चंद्रशेखरन को ब्रिटेन का बेहतरीन मित्र और भारत के कॉरपोरेट जगत की एक प्रतिष्ठित हस्ती बताया।

यह सम्मान ब्रिटेन के राजा चार्ल्स तृतीय की ओर से कैमरून ने चंद्रशेखरन को प्रदान किया।

अमेरिका ने नहीं बदली ब्याज दरें महंगाई दर को लेकर चिंता

वाशिंगटन, एजेंसी। पश्चिम एशिया संकट से उपजी वैश्विक अनिश्चितता और कच्चे तेल की कीमतों में आये भारी उछाल के बीच अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने बाजार की उम्मीद के विपरीत रेपो दरों में कोई कटौती नहीं की है।

फेड की दो दिन चली बैठक के बाद बुधवार को जारी बयान में कहा गया है कि अर्थव्यवस्था की वृद्धि मजबूत बनी हुई है, लेकिन हाल के महीनों में नये रोजगार की रफ्तार सुस्त रही है और मुद्रास्फीति बढ़ी हुई है। पश्चिम एशिया के घटनाक्रम के अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर प्रभाव में भी अनिश्चितता है।

अमेरिकी केंद्रीय बैंक ने बताया कि समिति ने दरों को 3.5 से 3.75 प्रतिशत के बीच स्थिर रखने का फैसला किया है। समिति के 12 में से 11 सदस्यों ने फैसले के पक्ष में वोट दिया जबकि स्टिफन माइरन एक-चौथाई प्रतिशत की कटौती के पक्ष में थे। कहा गया है कि फेड का लक्ष्य रोजगार को अधिकतम करना और महंगाई दर को दो प्रतिशत पर रखना है। संवाददाताओं से फेड के अध्यक्ष जेरोम पॉवेल ने कहा कि इस समय बेरोजगारी दर दीर्घावधि औसत के आसपास है और मुद्रास्फीति उससे एक प्रतिशत ऊपर है।

डब्ल्यूटीओ को मजबूत करने पर जोर देगा भारत

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत कैमरून में होने वाली आगामी मंत्रिस्तरीय बैठक में डब्ल्यूटीओ को और अधिक मजबूत करने की वकालत करेगा। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को कहा कि विभिन्न भू-राजनीतिक कारणों से वैश्विक स्तर पर जारी उथल-पुथल के बीच भारत चाहता है कि वैश्विक व्यापार को बढ़ावा देने में डब्ल्यूटीओ अधिक प्रभावी भूमिका निभाए। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल कैमरून के याउंडे में 26 से 29 मार्च, 2026 तक आयोजित होने वाले डब्ल्यूटीओ के 14वें मंत्रिस्तरीय सम्मेलन में हिस्सा लेंगे।

विकास होने पर ही संगठन में टिक सकता है कर्मचारी

नई दिल्ली, एजेंसी

महिंद्रा ग्रुप के चेयरमैन आनंद महिंद्रा ने कहा है कि कर्मचारी किसी संगठन में तभी टिके रहते हैं जब उनका विकास होता है। यह सुविधाओं या वेतन के बारे में नहीं है, बल्कि इस बात पर निर्भर करता है कि क्या वे खुद को बेहतर रूप में विकसित कर रहे हैं।

मैकिन्से के 'लीडिंग एशिया' साक्षात्कार में महिंद्रा ने कहा कि किसी संगठन के लिए यह भी बेहतर है कि वह आंतरिक रूप से नेतृत्व विकसित कर सके और एक ऐसी प्रणाली बनाए जिसमें प्रभावी हस्तक्षेप और प्रशिक्षण शामिल हो। महिंद्रा को अपने कर्मचारियों का ध्यान रखने वाला माना जाता है। इसको ध्यान में रखते

आनंद महिंद्रा बोले- ऐसी प्रणाली बनाएं जिसमें शामिल हो प्रभावी हस्तक्षेप और प्रशिक्षण

हुए जब उनसे प्रतिभा रणनीति के बारे में पूछा गया, उन्होंने कहा-मेरा मानना है कि यदि आप आंतरिक रूप से नेतृत्व विकसित कर सकते हैं, तो आप बेहतर स्थिति में हैं। इसलिए, आपको एक ऐसी प्रणाली बनाने की आवश्यकता है जिसमें प्रभावी हस्तक्षेप और प्रशिक्षण शामिल हो।

उन्होंने कहा कि शुरुआत में, इससे प्रतिभाशाली लोगों को तेजी से आगे बढ़ाने का एक मजबूत मार्ग प्रशस्त हुआ और इस प्रक्रिया को महिंद्रा एंड महिंद्रा समूह के सीईओ और प्रबंध निदेशक अनीश शाह ने और भी बेहतर बनाया है। महिंद्रा ने कहा कि हमारे कुछ बेहतरीन नेतृत्व ने शुरुआत में ऊंचे पदों पर काम नहीं किया। लोग तभी टिके रहते हैं जब उनका विकास होता है। यह सुविधाओं या वेतन के बारे में नहीं है। यह इस बारे में है कि क्या वे यहां खुद को और बेहतर बना पा रहे हैं या नहीं।

यह पूछे जाने पर कि नेतृत्व बनाते समय क्या महत्वपूर्ण है और वे इस प्रक्रिया में किस हद तक शामिल होते हैं, महिंद्रा ने कहा कि जब आप हमारी तरह तेजी से वृद्धि कर रहे होते हैं, तो आपको प्रतिभा के लिए आंतरिक रूप से ही नहीं, बल्कि बाहरी रूप से भी देखना पड़ता है।

साझेदारों को रुपया उपयोग के विकल्प बता रहा रिजर्व बैंक

मुंबई, एजेंसी

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) अपने रूसी व्यापारिक साझेदारों को भारतीय रुपये के उपयोग के लिए अधिक विकल्प उपलब्ध कराने पर काम कर रहा है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि केंद्रीय बैंक मौजूदा रूसी व्यापार साझेदारों के संचित भारतीय रुपये का निपटान करने को लेकर भारत में आयात के लिए या पूंजी निवेश करने के विकल्पों पर विचार कर रहा है। आरबीआई के विदेशी मुद्रा विभाग के मुख्य महाप्रबंधक एन सेंथिल कुमार ने मुंबई में आयोजित रूस-भारत मंच में कहा कि हम रूसी साझेदारों द्वारा यहां संचित भारतीय रुपये का उपयोग आयात के लिए या भारत में पूंजी निवेश आदि के लिए करने के विभिन्न विकल्प उपलब्ध कराने पर काम कर रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों से, दोनों देश द्विपक्षीय व्यापार निपटान के लिए स्थानीय मुद्राओं पर ध्यान दे रहे हैं और डॉलर पर निर्भरता कम की है। पिछले वर्ष, आरबीआई को सरकारी प्रतिभूतियों में अधिशेष शेष राशि का निवेश करने की अनुमति दी गई थी।

उपलब्धि का दावा | बरेली की लीड्स जेनेटिक्स ने पायी बड़ी उपलब्धि

गिर मवेशियों के भ्रूण स्थानांतरण में 60% सफलता का दावा

बरेली, एजेंसी

कृषि व्यापार कंपनी बीएल एग्रो ने बृहस्पतिवार को बताया कि उसकी अनुषंगी कंपनी लीड्स जेनेटिक्स ने यहां अपने सुविधा केंद्र में ब्राज़ील से आयातित गिर मवेशियों के उच्च-गुणवत्ता वाले भ्रूण को देसी गायों में सफलतापूर्वक स्थानांतरित किया है। कंपनी ने दावा किया है कि पहले बैच में गर्भधारण की सफलता दर 60 प्रतिशत रही, जो उद्योग के मानकों के हिसाब से एक रिकॉर्ड है। ये भ्रूण ब्राज़ील की कंपनी फेजेन्डा फ्लोरेशिया से लिए गए थे। इन्हें 'ओवम पिक-अप इन-विट्रो फ़र्टिलाइज़ेशन' (ओपीयू-आईवीएफ) तकनीक से तैयार किया गया था। ये गिर नस्ल के ऐसे मवेशियों से लिए गए हैं जिनमें प्रतिदिन 40 लीटर तक दूध देने की क्षमता है।

बीएल एग्रो के प्रबंध निदेशक, आशीष खंडेलवाल ने पत्रकारों को बताया कि भ्रूण स्थानांतरण के पहले बैच में शामिल 116 मवेशियों में गर्भधारण की सफलता दर 60 प्रतिशत रही है, जो उद्योग के मानकों के हिसाब से अपने आप में एक रिकॉर्ड है। भारत में देसी मवेशियों से दूध का औसत उत्पादन लगभग 4.5 लीटर प्रतिदिन है। भारत दुनिया का सबसे बड़ा दूध उत्पादक देश है, लेकिन लंबे समय से यहां प्रति पशु कम उत्पादकता की समस्या बनी हुई है। भ्रूण स्थानांतरण का यह काम बरेली स्थित बीएल कामधेनु फार्म्स में किया गया। यहीं पर कंपनी का 'मवेशी प्रजनन और डेयरी प्रौद्योगिकी उत्कृष्टता केंद्र' भी स्थित है, जो अत्याधुनिक आईवीएफ, पैथोलॉजी और जीनोमिक्स प्रयोगशालाओं से सुसज्जित है। जिन गायों में भ्रूण स्थानांतरित किया गया, वे गिर, साहीवाल और होल्स्टीन फ़्रीज़ियन नस्ल की हैं। फेजेन्डा फ्लोरेशिया की पशु चिकित्सा विशेषज्ञ अमांडा फ़ैंटुची, जो इस भ्रूण स्थानांतरण प्रक्रिया की देखरेख कर रही थीं, ने बताया कि भारत में मिली सफलता दर ब्राज़ील की तुलना में कहीं ज़्यादा रही है।

लीड्स जेनेटिक्स अभी बिहार, महाराष्ट्र, पंजाब और हरियाणा की सरकारों से बातचीत कर रही है। इसका मकसद इस सुविधा केंद्र का इस्तेमाल करना और अलग-अलग राज्यों के देसी मवेशियों की नस्लों में सुधार के लिए राज्य सरकारों के साथ मिलकर ब्रीडिंग फ़ार्म स्थापित करना है। अपनी बेहतरीन दूध उत्पादन और बीमारियों से लड़ने की ताकत के लिए मशहूर 'गिर' नस्ल, भारत के देसी मवेशियों की नस्ल में सुधार के कार्यक्रम का एक अहम हिस्सा है।

गिर गाय के ब्राजील पहुंचने की कहानी

गिर नस्ल के मवेशियों के ब्राज़ील पहुंचने की कहानी एक सदी से भी ज़्यादा पुरानी है। उस समय बड़ौदा के महाराजा ने एक गिर गाय ब्राज़ील के एक परिवार को उपहार में दी थी। इसके बाद ब्राज़ील ने दशकों तक चुनिंदा प्रजनन पर शोध किया और एक ऐसी वंशावली विकसित की, जिसे अब दूध उत्पादन के मामले में आनुवंशिक रूप से श्रेष्ठ माना जाता है। बीएल एग्रो के भ्रूण स्थानांतरण कार्यक्रम के ज़रिये अब वही वंशावली भारत वापस लौट आई है।

भारत-ब्रिटेन एफटीए मई में लागू होने की संभावना

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत और ब्रिटेन के बीच पिछले साल जुलाई में हस्ताक्षरित हुआ मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) मई की शुरुआत तक लागू होने की संभावना है, क्योंकि दोनों पक्ष कुछ मुद्दों को सुलझाने में लगे हैं। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार, यूरोपीय संघ (ईयू) ने भारत के साथ व्यापार समझौते की पुष्टि के लिए नवंबर का समय बताया है, और इसके इसी साल लागू होने की उम्मीद है। हालांकि, उन्होंने संकेत दिया कि इज़राइल और छह-सदस्यीय खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी)-जिसमें सऊदी अरब, कतर, कुवैत, ओमान, संयुक्त अरब अमीरात, और बहरीन शामिल हैं - के साथ व्यापार समझौते पर बातचीत, इस क्षेत्र में चल रहे संघर्ष के कारण धीमी हो गई है। अमेरिका-भारत व्यापार समझौते पर, कहा कि व्यापार समझौते की प्रक्रिया जारी है, हालांकि, कोई भी व्यापार समझौता प्रतिस्पर्धियों के मुकाबले पसंदीदा बाजार पहुंच पर आधारित होता है। अगर हमें वह मिल जाता है, तो व्यापार समझौता हो जाएगा।

अमृत विचार

वर्ल्ड ब्रीफ

ईद के मौके पर टीटीपी ने भी किया हमले रोकने का एलान

इस्लामाबाद। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच अस्थायी संघर्ष विराम के कुछ ही घंटे बाद प्रतिबंधित पाकिस्तानी आतंकी समूह ने ईद के मद्देनजर तीन दिन तक हमले न करने की बृहस्पतिवार को घोषणा की। तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के प्रवक्ता मोहम्मद खुरासानी ने कहा कि लोगों को ईद मनाने देने के लिए संघर्ष विराम किया गया है। अफगान तालिबान से अलग पहचान रखने वाला लेकिन फिलहाल उसके साथ हमले करने में शामिल टीटीपी ने 2021 में अफगानिस्तान में तालिबान के सत्ता में आने के बाद से पाकिस्तान के अंदर हमले बढ़ा दिए हैं। अमेरिका और संयुक्त राष्ट्र ने टीटीपी को प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन घोषित कर रखा है।

लातेहार में नक्सलियों की निशानदेही पर मिला हथियारों का जखीरा

लातेहार। झारखंड के लातेहार जिले में पुलिस को नक्सलियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में एक बार फिर बड़ी सफलता हाथ लगी है। गिरफ्तार नक्सली अभियुक्त मृत्युंजय भुईयां उर्फ फरेश भुईयां उर्फ अवधेश जी उर्फ दिलीप भुईयां एवं बब्लू राम उर्फ बब्लूराम चंद्रवंशी उर्फ रोहित चंद्रवंशी उर्फ बब्लू जी उर्फ बब्लू कहार की निशानदेही पर पुलिस ने मिरचईया जंगल से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया है। पुलिस बताया कि 14 मार्च को न्यायालय में पेशी के उपरांत दोनों अभियुक्तों को छिपाकर रखे गए आग्नेयास्त्र, आईईडी एवं अन्य सामग्रियों के संबंध में जानकारी प्राप्त करने के लिए पांच दिनों के पुलिस रिमांड पर लिया गया था।

पटना में 20 हजार प्रतिबंधित इंजेक्शन बरामद, एक गिरफ्तार

पटना। बिहार में पटना जिले के रामकृष्णानगर थाना क्षेत्र से पुलिस ने 20 हजार से अधिक प्रतिबंधित इंजेक्शन बरामद कर एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी पटना सदर 02 रंजन कुमार ने गुरूवार को बताया कि पटना के वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में मादक पदार्थों के विरुद्ध विशेष अभियान चलाकर कार्रवाई की जा रही है इसी क्रम में आज रामकृष्णानगर थानांतर्गत अवैध रूप से प्रतिबंधित इंजेक्शन की खरीद-बिक्री किए जाने संबंधी सूचना प्राप्त हुई ।इस सूचना की गंभीरता को देखते हुए एक विशेष छापेमारी दल का गठन किया गया।

श्रीलंका: एयरबस सौदे में पूर्व राष्ट्रपति राजपक्षे ने ली थी छह करोड़ की घूस

कोलंबो, एजेंसी

- मुख्य आरोपी राष्ट्रीय एयरलाइन के पूर्व सीईओ का कोर्ट में खुलासा

श्रीलंका की अदालत में बृहस्पतिवार को बताया गया कि पूर्व राष्ट्रपति महिंदा राजपक्षे को एयरबस सौदे के तहत छह करोड़ श्रीलंकाई रुपये की घूस दी गई थी। यह दावा 2017 के एयरबस मामले में मुख्य आरोपी कपिला चंद्रसेना ने किया।

वर्ष 2011 से 2015 तक राष्ट्रीय एयरलाइन के सीईओ रहे चंद्रसेना को पिछले सप्ताह गिरफ्तारी के बाद मजिस्ट्रेट अदालत में पेश किया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि राजपक्षे को 2015 में राष्ट्रपति रहते हुए उनके ग्रामीण दक्षिण के आवासों में तीन अलग-अलग मौकों पर दो-दो करोड़ रुपये दिए गए। पूर्व विमानन मंत्री प्रियंकारा जयरत्ना को भी रिश्वत का हिस्सा मिला। चंद्रसेना ने कहा कि उन्हें स्वयं एयरबस से घूस मिली और पैसे उनकी पत्नी के खाते में जमा किए गए। दोनों को 2019 में गिरफ्तार कर जमानत दी गई थी।

श्रीलंका में 2024 में नया भ्रष्टाचार विरोधी कानून लागू होने के बाद घूस मामले की जांच के लिए जांच आयोग (सीआईएबीओसी) ने एयरबस मामले की पुनः जांच की। वर्तमान नेशनल पीपुल्स पावर (एनपीपी) सरकार ने 2024 के चुनावों से पहले भ्रष्टाचार समाप्त करने का वादा किया था।

पश्चिम एशिया संकट का असर

हवाई यात्रा पर ग्रहण

ईरान और इजराइल-अमेरिका के बीच जारी सैन्य संघर्ष के कारण वैश्विक विमानन क्षेत्र बुरी तरह प्रभावित हो चुका है। हवाई यात्रा न सिर्फ काफी हद तक अनिश्चित बल्कि काफी महंगी भी हो चुकी है। इस संकट की गंभीरता का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि इसे कोविड-19 महामारी के बाद सबसे बड़ा विमानन संकट माना जा रहा है। इस युद्ध का भारत पर भी गहरा असर पड़ा है जो उसके विमानन क्षेत्र को कई पहलुओं पर प्रभावित कर रहा है। भारत के लिए यह सिर्फ आर्थिक चुनौती ही नहीं, बल्कि लाखों नागरिकों की सुरक्षा और कूटनीतिक संतुलन का भी सवाल है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि युद्ध जल्द नहीं थमा, तो मध्य पूर्व के हवाई अड्डों की साख को स्थायी नुकसान पहुंच सकता है और दुनिया की प्रमुख एयरलाइंस अपने स्थायी रूट बदलने पर मजबूर हो सकती हैं।

अनिश्चित हुई हवाई यात्रा

- ईरान, इजराइल, जॉर्डन, इराक, कुवैत, कतर समेत कई देशों को सुरक्षा कारणों से अपना हवाई क्षेत्र बंद करना पड़ा है। इससे रोज 4,000 से अधिक उड़ानें रद्द या प्रभावित हुई हैं।
- दुबई, दोहा और अबू धाबी जैसे दुनिया के व्यस्ततम हवाई अड्डे, जो पूर्व और पश्चिम को जोड़ते हैं, वे संघर्ष की चपेट में आने या सुरक्षा खतरों के कारण बुरी तरह प्रभावित हुए हैं।
- विमानों को अब ईरान और इराक के ऊपर से गुजरने के बजाय सऊदी अरब या अफ्रीका के लंबे रास्तों से जाना पड़ रहा है। इससे यात्रा का समय 2 से 5 घंटे तक बढ़ गया है।

यात्रियों पर सीधा असर

- रूट लंबा होने और ईंधन की बढ़ी कीमतों से हवाई टिकटों के दाम आसमान छू रहे हैं।
- भारत से यूरोप और अमेरिका जाने वाली उड़ानों के किराए में 50 से 200% तक की वृद्धि हुई है।
- उड़ानों के अचानक रद्द होने से दुबई और दोहा जैसे ट्रांजिट हब में लाखों यात्री फंस गए हैं।
- लंबी देरी से यात्रियों की कनेक्टिंग फ्लाइट छूट रही हैं, अंतरराष्ट्रीय यात्रा का शेड्यूल बिगड़ा।

वैश्विक और आर्थिक प्रभाव

- युद्ध के कारण कच्चे तेल की कीमतें 100 प्रति बैरल के पार पहुंच गई हैं। विमानन ईंधन एयरलाइन की लागत का 30-40% होता है, इसलिए एयरलाइंस को भारी घाटा हो रहा है।
- मध्य पूर्व में 2026 में पर्यटन में 13% की वृद्धि का अनुमान था, लेकिन अब 11 से 27% तक गिरावट आने की आशंका है। पर्यटन को 55 अरब डॉलर तक का नुकसान संभावित।
- यात्री उड़ानों के साथ मालवाहक विमान भी प्रभावित हुए हैं, जिससे मोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स और दवाओं जैसी आवश्यक वस्तुओं की वैश्विक आपूर्ति धीमी और महंगी हो गई है।

भारत के लिए बड़ा संकट

- भारत का अंतरराष्ट्रीय हवाई यातायात सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ है क्योंकि मध्य पूर्व भारत के लिए यूरोप और अमेरिका का मुख्य रास्ता है।
- दिल्ली और मुंबई जैसे बड़े हवाई अड्डों से रोज सैकड़ों उड़ानें रद्द हो रही हैं। मार्च के पहले हफ्ते में ही 1,100 से अधिक उड़ानें प्रभावित हुई हैं।
- एयर इंडिया जैसी एयरलाइंस को अब युद्ध प्रभावित ईरान और इराक के हवाई क्षेत्र से बचकर ओमान और सऊदी अरब के रास्ते जाना पड़ रहा है।
- इससे उड़ानों का समय 2-3 घंटे बढ़ गया है और कुछ लंबी दूरी की उड़ानों को ईंधन भरने के लिए वियना या रोम जैसे शहरों में रुकना पड़ रहा है।

विमान ईंधन महंगा होने से एयरलाइंस ने फ्यूल सरचार्ज लगाना शुरू कर दिया है। घरेलू टिकटों पर 400 तक और अंतरराष्ट्रीय टिकटों पर 16,000 से 20,000 तक की बढ़ोतरी हुई है।

ऊर्जा उत्पादन अब राष्ट्रीय सुरक्षा का मामला

पश्चिम एशिया में युद्ध के बीच आदेश, तेल-गैस क्षेत्र की इकाइयों के लिए रोज आंकड़े देना अनिवार्य

नई दिल्ली, एजेंसी

पश्चिम एशिया में युद्ध के बीच सरकार ने ऊर्जा से जुड़ी जानकारी को राष्ट्रीय सुरक्षा मामले के रूप में वर्गीकृत किया है। इससे तेल एवं गैस क्षेत्र से जुड़ी सभी इकाइयों के लिए परिचालन (ऑपरेशन) की विस्तृत परिचालन जानकारी प्रदान करना अनिवार्य हो गया है। पेट्रोलियम मंत्रालय का यह आदेश सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्रों की रिफाइनरी कंपनियों, एलएनजी आयातकों, पाइपलाइन संचालकों, शहरी गैस वितरकों और पेट्रोरसायन कंपनियों पर लागू होगा और उन्हें पेट्रोलियम योजना एवं विश्लेषण प्रकोष्ठ (पीपीएसी) को नियमित रूप से दैनिक आधार पर विस्तृत जानकारी देनी होगी।

मंत्रालय की 18 मार्च को जारी राजपत्र अधिसूचना के अनुसार, इस आदेश में उत्पादन, आयात, भंडार स्तर और खपत के प्रतिरूप से संबंधित आंकड़े और जानकारी शामिल है। यह मौजूदा गोपनीयता प्रावधानों को निरस्त करता है। पश्चिम एशिया में युद्ध के कारण गैस और एलपीजी आपूर्ति बाधित होने के बाद ऊर्जा सुरक्षा संबंधी चिंताओं में वृद्धि के बीच यह कदम उठाया गया है। भारत अपने कच्चे तेल का लगभग 88 प्रतिशत, प्राकृतिक गैस का 50 प्रतिशत और एलपीजी का 60 प्रतिशत आयात करता है।

युद्ध शुरू होने से पहले, भारत द्वारा आयात किए जाने वाले कच्चे तेल का आधे से अधिक हिस्सा सऊदी अरब, इराक और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) जैसे देशों से होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते आता था। एलपीजी का 85 से 95 प्रतिशत और गैस का 30 प्रतिशत हिस्सा भी इसी जलडमरूमध्य से आता था। युद्ध के कारण यह जलडमरूमध्य प्रभावी रूप से बंद हो गया है। इससे भारत की ऊर्जा आपूर्ति प्रभावित हुई है।

आपूर्ति में आ रही रुकावट दूर करने का उद्देश्य

भारत ने हालांकि कच्चे तेल की आपूर्ति में आई रुकावट की भरपाई रूस, पश्चिम अफ्रीका, अमेरिका और लातिनी अमेरिका जैसे वैकल्पिक स्रोतों से आंशिक रूप से की है लेकिन खाड़ी देशों से आपूर्ति में कमी के कारण औद्योगिक और वाणिज्यिक उपयोगकर्ताओं को गैस और एलपीजी की आपूर्ति बाधित हुई है। मंत्रालय के इस आदेश का मकसद आपूर्ति में आने वाली रुकावटों पर त्वरित कदम उठाने, बिजली, उर्वरक और घरेलू एलपीजी जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों को प्राथमिकता देने और खरीद संबंधी बेहतर निर्णय लेने के लिए एक केंद्रीकृत, वास्तविक समय पर उपलब्ध आंकड़ा रूपरेखा तैयार करना है।

- अधिकारियों ने कहा कि इस पहल से भारत की आपूर्ति शृंखलाओं की निगरानी करने, बचे भंडार का प्रबंधन करने और वैश्विक झटकों के प्रति जोखिम को कम करने की क्षमता मजबूत होगी। नियामक ढांचे के सख्त होने के साथ ही कंपनियों को अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए 'डेटा रिपोर्टिंग' प्रणाली को अत्याधुनिक बनाना होगा। अधिकारियों ने कहा कि ऊर्जा सुरक्षा न केवल स्रोत पर बल्कि आपूर्ति शृंखला में वास्तविक समय की पारदर्शिता पर भी निर्भर करेगी।

ईसी एक्ट 1955 के तहत आदेश

मंत्रालय ने आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 के तहत शक्ति का उपयोग करते हुए आदेश जारी किया। यह अधिनियम केंद्र सरकार को किसी भी आवश्यक वस्तु का भंडार रखने, उत्पादन करने, आयात-निर्यात या व्यापार करने वाले किसी भी व्यक्ति से उत्पादन, आपूर्ति, वितरण, स्टॉक या उपयोग संबंधी जानकारी मांगने का अधिकार देता है।

इन आंकड़ों की देनी होगी सूचना

आदेश में कहा गया है, पेट्रोलियम उत्पादों या प्राकृतिक गैस के उत्पादन, प्रसंस्करण, भंडारण, परिवहन, आयात, निर्यात, विपणन, वितरण या उपभोग में शामिल प्रत्येक इकाई को पीपीएसी को पेट्रोलियम उत्पादों या प्राकृतिक गैस के उत्पादन, आयात, निर्यात, भंडार, आवंटन, परिवहन, आपूर्ति, उपभोग और उपयोग से संबंधित जानकारी देनी होगी।

दो सप्ताह के अंदर सवा लाख लोगों ने लिया पीएनजी का नया कनेक्शन

5600 एलपीजी छोड़ पीएनजी पर आए

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया संकट के मद्देनजर पाइप के जरिए गैस आपूर्ति के लिए पीएनजी कनेक्शन लेने की सरकार की अपील के बाद पिछले दो सप्ताह में लोगों ने लगभग सवा लाख नए पीएनजी घरेलू, वाणिज्यिक और औद्योगिक कनेक्शन लिए हैं जबकि तीन दिनों में 5600 से अधिक उपभोक्ताओं ने एलपीजी छोड़कर पीएनजी कनेक्शन लिया है। इस बीच सरकार ने एलपीजी के स्रोत में विविधता लाने के लिए अमेरिका से एलपीजी लेना शुरू कर दिया है और इसके साथ कई दूसरे देशों के साथ भी बातचीत कर रही है।

- पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने पश्चिम एशिया की स्थिति पर अंतर मंत्रालयी ब्रीफिंग में कहा कि एलपीजी की स्थिति पश्चिम एशिया में अभी भी चल रहे युद्ध के कारण चिंताजनक बनी हुई है लेकिन किसी भी वितरक केंद्र पर गैस सिलेंडर की कमी नहीं है।
- उन्होंने कहा किऑनलाइन बुकिंग 94 प्रतिशत तक बढ़ गई है और 83 प्रतिशत रिफिल आपूर्ति वितरण प्रमाणीकरण के माध्यम से की जा रही है। घबराहट में की जाने वाली बुकिंग में कमी आई है।

रूसी हमले के बाद मोल्दोवा में पीने के पानी का संकट

बाल्टी (मोल्दोवा), एजेंसी

- देश के करीब बहने वाली नदी तेल से प्रदूषित, हजारों लोग प्रभावित

यूक्रेन में एक पनबिजली संयंत्र पर रूस के हमले के बाद एक प्रमुख नदी के तेल से प्रदूषित होने के कारण मोल्दोवा में पानी की आपूर्ति बाधित हो गई है। इससे दसियों हजार लोगों को पेयजल की किल्लत का सामना करना पड़ रहा है।

यह नदी यूक्रेन और मोल्दोवा दोनों देशों में बहती है। मोल्दोवा की राष्ट्रपति माइया सैंडू ने सात मार्च को यूक्रेन के नोवोदनिस्त्रोव्स्क जलविद्युत संयंत्र पर हुए हमले के बाद निस्टर नदी में हुए प्रदूषण के लिए रूस को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा है कि वह मोल्दोवा में जलापूर्ति के लिए खतरा पैदा कर रहा है। यह संयंत्र मोल्दोवा की यूक्रेन के साथ लगती उत्तरी सीमा से लगभग 15 किलोमीटर ऊपर की ओर स्थित है और मोल्दोवा की करीब 25 लाख आबादी के लगभग 80 प्रतिशत लोगों को पानी की आपूर्ति करता है। रूस ने 2022 में यूक्रेन पर आक्रमण करने के बाद से बांधों और बंदरगाहों जैसे यूक्रेन के असैन्य बुनियादी ढांचे को बार-बार निशाना बनाया है।

सैंडू ने 'एक्स' पर रविवार को एक पोस्ट में कहा, इसकी पूरी जिम्मेदारी रूस की है। मोल्दोवा के पर्यावरण मंत्रालय ने रविवार को 15 दिन के लिए पर्यावरण संबंधी चेतावनी की घोषणा की, जिससे अधिकारियों को तकनीकी हस्तक्षेप बढ़ाने और जलापूर्ति पर अस्थायी प्रतिबंध लगाने के लिए कानूनी अधिकार मिल गया।

थापा ने छोड़ा नेपाली कांग्रेस प्रमुख पद

काठमांडू। नेपाल में हाल ही में हुए आम चुनावों में मिली करारी हार के बाद नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष गगन थापा ने पद से इस्तीफा दे दिया।

देश में पांच मार्च को हुए प्रतिनिधि सभा चुनावों में 275 सदस्यीय प्रतिनिधि सभा का चुनाव हुआ था। नेपाली कांग्रेस को चुनावों में 38 सीट मिलीं जबकि उसका नारा था, 'इस बार 100 पार'। पार्टी ने 49 वर्षीय थापा को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किया था लेकिन वह धनुषा-4 निर्वाचन क्षेत्र से राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के अमरेश सिंह से हार गए। काठमांडू पोस्ट अखबार के अनुसार, पार्टी की केंद्रीय कार्य समिति की बैठक की तारीख तय होने के तुरंत बाद थापा ने राष्ट्रीय संसद के उपाध्यक्ष विश्व प्रकाश शर्मा को अपना इस्तीफा सौंप दिया। हालांकि अभी उनका इस्तीफा स्वीकार नहीं किया गया है।

पश्चिम बंगाल पर कब्जे की साजिश रच रहा है आयोग

कोलकाता, एजेंसी

- अधिसूचना से पहले ही 50 अधिकारियों के ट्रांसफर पर भड़कीं ममता बनर्जी
- कहा- ये आयोग का उच्चतम राजनीतिक हस्तक्षेप और संविधान पर हमला

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने विधानसभा चुनाव से पहले राज्य में 50 से अधिक वरिष्ठ अधिकारियों को मनमाने ढंग से हटाए जाने पर बृहस्पतिवार को चिंता जताते हुए इसे उच्चतम स्तर का राजनीतिक हस्तक्षेप करार दिया। निर्वाचन आयोग (ईसी) की तीखी आलोचना जारी रखते हुए ममता ने दावा किया कि इस तरह की कार्रवाई संस्थानों के व्यवस्थित राजनीतिकरण के साथ संविधान पर सीधा हमला है। उन्होंने कहा, निर्वाचन आयोग साजिश के तहत पश्चिम बंगाल पर कब्जा कराना चाहता है।

विधानसभा चुनाव का कार्यक्रम घोषित करने के बाद निर्वाचन आयोग ने मुख्य सचिव नंदिनी चक्रवर्ती, गृह सचिव जगदीश प्रसाद मीणा के तबादले तथा डीजीपी पीयूष पांडे और कोलकाता पुलिस आयुक्त सुप्रतिम सरकार को हटाने समेत कई वरिष्ठ अधिकारियों के तबादलों के आदेश दिए हैं। बुधवार को निर्वाचन आयोग ने वरिष्ठ अधिकारियों के नए फेरबदल का आदेश दिया, जिसमें दो सचिवों को दूसरे चुनावी राज्यों में पर्यवेक्षक बना दिया गया, साथ ही 13 आईएएस और पांच आईपीएस अधिकारियों को चुनाव प्रबंधन की महत्वपूर्ण भूमिकाओं में लगा दिया गया। ममता बनर्जी ने इस पर निर्वाचन आयोग की तीखी आलोचना करते हुए दावा किया कि चुनाव की औपचारिक अधिसूचना जारी होने से पहले ही 50 से अधिक वरिष्ठ अधिकारियों को मनमाने ढंग से बिना किसी पूर्व सूचना के हटा दिया गया।

उन्होंने एक्स पर लिखा, जिस तरह से निर्वाचन आयोग ने बंगाल को निशाना बनाया है, वह न केवल अप्रत्याशित है, बल्कि बेहद चिंताजनक भी है।

सवाल उठाने वाले सोशल मीडिया अकाउंट डिलीट कर रहा है केंद्र

- कांग्रेस ने सरकार पर अभिव्यक्ति की आजादी को दबाने का लगाया आरोप

नई दिल्ली। कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर सोशल मीडिया मंचों पर अभिव्यक्ति की आजादी को दबाने का आरोप लगाया है। कांग्रेस सोशल मीडिया विभाग की चेयरमैन सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि सरकार आलोचनात्मक आवाजों को नियंत्रित करने के लिए नए-नए तरीके अपना रही है।

उन्होंने गुरुवार को एक संवाददाता सम्मेलन में आरोप लगाया कि संसद में भी विपक्ष की आवाज को दबाने के लिए माइक बंद कर दिए जाते हैं और अब सोशल मीडिया पर भी इसी तरह की कार्रवाई की जा रही है। उनका दावा है कि हाल ही में ट्विटर और इंस्टाग्राम पर कई ऐसे अकाउंट्स को बैन किया गया है, जो सरकार से सवाल पूछ रहे थे। श्रीनेत के अनुसार, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के जरिए अकाउंट्स को बंद कराने का नया ट्रेंड शुरू किया गया है, जिससे यह तय किया जा रहा है कि सोशल मीडिया पर क्या कंटेंट रहेगा और क्या नहीं। कांग्रेस ने इसे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर सीधा हमला बताया। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सवाल करते हुए कहा कि सरकार युवाओं और आम लोगों के सवालों को दबाने की कोशिश क्यों कर रही है। उन्होंने कहा कि अकाउंट बैन करने से आवाजें नहीं दबेंगी, क्योंकि नए अकाउंट बनते रहेंगे।

शराब नीति प्रकरण में केजरीवाल को दो अप्रैल तक देना होगा जवाब

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और 21 अन्य लोगों को ईडी की उस याचिका पर जवाब देने के लिए दो अप्रैल तक का समय दिया है, जिसमें शराब नीति मामले में निचली अदालत की ओर से उन्हें आरोपमुक्त करते समय निदेशालय के खिलाफ की गई कथित अनुचित टिप्पणियां हटाने का अनुरोध किया गया है।

न्यायमूर्ति स्वर्णकांता शर्मा ने केजरीवाल के वकीलों की ओर से अधिक समय की मांग किए जाने पर नाराजगी भी जताई और कहा कि हाईकोर्ट दो अप्रैल को अगली सुनवाई के दौरान इस मामले में अंतिम सुनवाई की तारीख तय करेगी। ईडी के वकील ने कहा कि याचिका का जवाब दाखिल करने की कोई आवश्यकता नहीं है और यह मामले में देरी करने का प्रयास है।

करीब एक दशक बाद रत्नागिरी में दाऊद की पुश्तैनी जमीन का खरीदार मिला

मुंबई। महाराष्ट्र में रत्नागिरी जिले में भगोड़े अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम से जुड़ी पैतृक कृषि भूमि की लंबे समय से लंबित नीलामी को आखिरकार खरीदार मिल गया है। केंद्र सरकार की ओर से नीलामी के दौरान मुंबई के एक बोलीदाता ने सभी चार भूखंडों के लिए सबसे ऊंची बोली लगाई है। करीब एक दशक से यह नीलामी अटकी पड़ी थी।

अधिकारियों के अनुसार, चारों कृषि भूखंड दाऊद इब्राहिम के पैतृक गांव रत्नागिरी के खेड़ तालुका के मुमके गांव में स्थित हैं। इनमें कई संपत्तियां उसकी मां अमीना बी के नाम दर्ज थीं। अभी तक सफल मुंबई के बोलीदाता की पहचान नहीं बताई गई है। नीलामी की शर्तों के अनुसार, बोलीदाता को अप्रैल 2026 की शुरुआत तक पूरा भुगतान करना होगा। सक्षम प्राधिकारी से मंजूरी मिलने के बाद अधिग्रहण और हस्तांतरण की प्रक्रिया को अंतिम रूप दिया जाएगा। पिछले वर्षों में कई प्रयासों के बावजूद इन संपत्तियों की नीलामी नहीं हो पाई थी।

कैसा रहेगा आपका आज का दिन

मेष — आज काम की वजह से तनाव हो सकता है। यात्रा के दौरान कीमती सामान ले जाने से बचें। जीवनसाथी की भावनाओं का सम्मान करें।

तुला — आज नया वाहन खरीदने का प्लान बना सकते हैं। क्रोध एवं उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। आपको पुरस्कार मिल सकता है।

वृष — आज सेहत के दृष्टिकोण से दिन बहुत अच्छा है। आय के नए स्रोत विकसित होंगे। आप नया काम शुरू कर सकते हैं।

वृश्चिक — आज जल्दबाजी में धनहानि होने की आशंका है। अपने स्वाभिमान का ध्यान रखें। मन की चंचलता परेशान करेगी।

मिथुन — आज बड़ी कारोबारी डील हो सकती है। अपना काम बेहतरीन तरीके से करेंगे। बौद्धिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

धनु — आज अपने प्रयासों में कमी न होने दें। इसके कारण मन में हीनता की भावना आ सकती है। आपकी कोई योजना किसी कारणवश अटक सकती है।

कर्क — आज आध्यात्मिक विचारों के प्रभाव में रहेंगे। पैतृक संपत्ति को लेकर विवाद हो सकता हैं। कार्यक्षेत्र में अतिरिक्त कार्यभार मिल सकता है।

मकर — आज कार्यक्षेत्र में अतिरिक्त कार्यभार रहेगा। रुका हुआ काम अचानक बन सकता है। विरोधी आपके सामने कमजोर होंगे।

सिंह — आज का दिन कारोबार के लिए सामान्य है। दूसरों के भरोसे जरूरी काम न छोड़ें। आपकी विनम्रता का लोग फायदा उठा सकते हैं।

कुंभ — आज कारोबारी यात्रा होने के योग बन रहे हैं। व्यापार में बड़ा निवेश कर सकते हैं। आप अनावश्यक समय बर्बाद न करें।

कन्या — आज नया व्यापार आरंभ करने के लिए दिन उत्तम है। सभी काम समय पर पूर्ण हो जाएंगे। समाज में आपका सम्मान बढ़ेगा।

मीन — आज घरेलू मामलों को लेकर व्यस्त रहेंगे। वैवाहिक संबंधों में मधुरता रहेगी। अनुसंधान संबंधी कार्यों में बड़ी सफलता मिल सकती है।

आज का पंचांग

-पं.मनोज कुमार द्विवेदी

आज की ग्रह स्थिति : 20 मार्च, शुक्रवार 2026 संवत-2083, शक संवत 1948 मास- चैत्र, पक्ष-शुक्ल पक्ष, द्वितीया 21 मार्च 02 .30 तक तत्पश्चात तृतीया।

दिशाशूल- पश्चिम, **ऋतु**- वसंत।
चन्द्रबल- वृषभ, मिथुन, कन्या, तुला, मकर, मीन।
ताराबल-अश्विनी, भरणी, रोहिणी, आर्द्रा, पुष्य, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- रेवती 21 मार्च 02 .27 तक तत्पश्चात अश्विनी।

सुडोकू - 93 का हल

1	3	2	6	9	5	4	7	8
9	7	4	3	8	1	5	6	2
8	6	5	7	4	2	9	3	1
3	5	9	8	6	7	1	2	4
6	4	8	2	1	3	7	9	5
2	1	7	9	5	4	6	8	3
7	8	1	5	3	6	2	4	9
4	2	3	1	7	9	8	5	6
5	9	6	4	2	8	3	1	7

सुडोकू -94

		5	9		2		3	
	3							9
		8				5	4	
6		2		8		3		
		1			3	9		
		4		7				2
5	8					2		
7							1	
	1		3		6	4		

नेपाल में चुनाव के अंतिम आंकड़े तैयार

काठमांडू। नेपाल के निर्वाचन आयोग ने बृहस्पतिवार को राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल को आम चुनाव के अंतिम नतीजे प्रस्तुत किए, जिससे चुनाव प्रक्रिया का औपचारिक समापन हो गया।

प्रतिनिधि सभा के चुनाव पांच मार्च, 2026 को हुए, जिसमें 275 सदस्यीय निचले सदन (प्रतिनिधि सभा) के लिए मतदान हुआ। सभा के 275 सदस्यों में से 165 सदस्य प्रत्यक्ष मतदान और 110 आनुपातिक मतदान से चुने जाते हैं। आयोग के बयान के अनुसार, मुख्य निर्वाचन आयुक्त राम प्रसाद भंडारी ने राष्ट्रपति कार्यालय में आयोजित एक विशेष समारोह में राष्ट्रपति पौडेल को परिणाम प्रस्तुत किए।

बड़ा मुद्दा

औद्योगिक विवाद अधिनियम के तहत नौ सदस्यीय संविधान पीठ कर रही है सुनवाई

उद्योग की परिभाषा पर सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट की एक संविधान पीठ ने औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 के तहत 'उद्योग' शब्द की परिभाषा के विवादास्पद मुद्दे पर अपना फैसला बृहस्पतिवार को सुरक्षित रख लिया।

सीजेआई सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली नौ सदस्यीय संविधान पीठ ने तीन दिन सुनवाई के दौरान अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी, अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल के. एम. नटराज और अन्य वरिष्ठ अधिवक्ताओं जैसे शेखर नफाड़े, इंदिरा जयसिंह, सी यू सिंह और संजय हेगड़े समेत कई वकीलों की दलीलें सुनीं। इस पीठ में सीजेआई के अलावा न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना, न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा, न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता, न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुयान, न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची, न्यायमूर्ति आलोक अराधे और न्यायमूर्ति विपुल एम. पंचोली शामिल हैं। पीठ ने कहा कि वह श्रम संबंधों को नियंत्रित करने के लिए 'उद्योग' शब्द की व्यापक व्याख्या देने वाली सात सदस्यीय पीठ के 1978 के फैसले की वैधता की जांच करेगी।

सुप्रीम कोर्ट ने 16 फरवरी को नौ सदस्यीय संविधान पीठ के विचार के लिए व्यापक मुद्दे निर्धारित किए थे। कहा था, क्या बैंगलोर जल आपूर्ति एवं मलजल शोधन बोर्ड मामले (1978) में न्यायमूर्ति वीआर कृष्ण अय्यर के मत के अनुच्छेद 140 से 144 में निर्धारित जांच यह निर्धारित करने के लिए कि कोई उपक्रम या उद्यम 'उद्योग' की परिभाषा के अंतर्गत आता है या नहीं, सही कानून है। पीठ ने कहा था कि विचारणीय मुद्दों में एक यह भी होगा कि क्या सरकारी विभागों द्वारा की जाने वाली सामाजिक कल्याण गतिविधियों और योजनाओं या अन्य उद्यमों को औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 2(जे) के प्रयोजन के लिए 'औद्योगिक गतिविधियां' माना जा सकता है।

सात सदस्यीय पीठ ने 1978 में सुनाया था फैसला

सात सदस्यीय पीठ ने 21 फरवरी, 1978 को बैंगलोर जल आपूर्ति और मलजल शोधन बोर्ड की याचिका पर फैसला सुनाते हुए 'उद्योग' शब्द की परिभाषा का विस्तार किया, जिससे अस्पतालों, शैक्षणिक संस्थानों, क्लबों और सरकारी कल्याण विभागों में कार्यरत लाखों कर्मचारी औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 के दायरे में आ गए।

शानदार सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा को अपनी आक्रामकता और क्रीज पर लंबे समय तक टिके रहने के बीच सही संतुलन बनाना होगा, जैसा वीरेंद्र सहवाग ने अपने करियर के दौरान किया था।

-अनिल कुंबले

स्टेडियम

लखनऊ, शुक्रवार ,20 मार्च 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

सीएसके को झटका चोटिल गेंदबाज एलिस आईपीएल से बाहर

चेन्नई। पांच बार की चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को आईपीएल के आगामी सत्र से पहले बड़ा झटका लगा है क्योंकि ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज नाथन एलिस हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। टीम के एक अधिकारी ने गुरुवार को इसकी पुष्टि की। इकतीस साल के एलिस से उम्मीद थी कि वह टीम के तेज गेंदबाजी आक्रमण की अगुवाई करेंगे क्योंकि श्रीलंकाई गेंदबाज मथीशा पथिराना को कोलकाता नाइट राइडर्स ने अपनी टीम में शामिल कर लिया है। सीएसके के एक अधिकारी ने पीटीआई को बताया, हां, वह बाहर हो गए हैं।

दिल्ली कैपिटल्स के क्षेत्ररक्षण कोच बने आयरलैंड के जॉन मूनी

नई दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स ने गुरुवार को घोषणा की कि उन्होंने आयरलैंड के पूर्व ऑलराउंडर जॉन मूनी को 28 मार्च से शुरू होने वाली इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के लिए अपना क्षेत्ररक्षण कोच नियुक्त किया है। मूनी (44 साल) किसी आईपीएल फ्रेंचाइजी के कोचिंग स्टाफ का हिस्सा बनने वाले पहले आयरिश क्रिकेटर हैं। वह मुख्य कोच हेमांग बदानी, मुनाफ पटेल (गेंदबाजी कोच), इयान बेल (सहायक कोच) और वेणुगोपाल राव (क्रिकेट निदेशक) के साथ जुड़ेंगे। मूनी 2018-2019 तक अफगानिस्तान के क्षेत्ररक्षण कोच थे और भारत में उनके ऐतिहासिक टेस्ट पदार्पण का हिस्सा रहे थे।

इंग्लैंड दौरे से पहले आयरलैंड में टी-20 मैच खेलेगा भारत

नई दिल्ली। इंग्लैंड के सफेद गेंद के दौरे से पहले विश्व चैंपियन भारत जून में टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के लिए आयरलैंड का दौरा करेगा। आयरलैंड के हाई परफोरमेंस निदेशक ग्राहम वेस्ट ने इस श्रृंखला की पुष्टि तब की जब उन्होंने पॉल स्टर्लिंग के टी20 अंतरराष्ट्रीय कप्तान के पद से हटने के फैसले की घोषणा की। भारत 20 जून को खत्म होने वाली एक टेस्ट और तीन मैच की वनडे श्रृंखला के लिए अफगानिस्तान की मेजबानी कर रहा है। इसके बाद भारत एक जुलाई से 19 जुलाई तक पांच टी20 अंतरराष्ट्रीय और तीन वनडे खेलने के लिए इंग्लैंड जाएगा।

इंडियन ओपन के दूसरे दिन अनाहत चमकीं एल्नवासनी हारे

मुंबई। भारत की उभरती हुई स्टार अनाहत सिंह ने गुरुवार को यहां इंडियन ओपन स्क्वाश में सीधे गेम में जीत के साथ अपना दबदबा कायम रखा जबकि मिस्र के इब्राहिम एल्काबानी ने पुरुषों के शीर्ष वरीय याह्या एल्नवासनी को हराकर टूर्नामेंट में सबसे बड़े उलटफेरों में से एक को अंजाम दिया। महिलाओं की शीर्ष वरीय अनाहत ने एकल मुकाबले में मिस्र की फरीदा वालिद को 3-0 से हराया। सबसे रोमांचक मुकाबले मिस्र की जोड़ी एल्काबानी और मोहम्मद शरफ के रहे, दोनों ही पांच-गेम के कड़े मुकाबले जीत लिए। एल्काबानी ने टूर्नामेंट का सबसे बड़ा उलटफेर करते हुए 66 मिनट तक चले मुकाबले में एल्नवासनी को 3-2 से हराया। शरफ ने पांच-गेम के एक और रोमांचक मुकाबले में हांगकांग के ची हिम वोंग को कड़े संघर्ष में मात दी।

रोहित और विराट की तरह सैमसन की जगह कोई नहीं ले सकता

राजस्थान रॉयल्स के कप्तान रियान पराग को संजू जैसे खिलाड़ी की तलाश

जयपुर, एजेंसी

राजस्थान रॉयल्स के कप्तान रियान पराग ने गुरुवार को कहा कि जिस तरह से रोहित शर्मा या विराट कोहली की जगह नहीं भरी जा सकती है उसी तरह से उनकी टीम में संजू सैमसन की कमी को पूरा नहीं किया जा सकता है। सैमसन ने 2021 से 2025 तक रॉयल्स की कप्तानी की। रॉयल्स ने सत्र से पहले उन्हें चेन्नई सुपर किंग्स के साथ 'ट्रेड' कर दिया था और उनकी जगह रविंद्र जडेजा को अपनी टीम में शामिल किया।

पराग ने यहां सत्र पूर्व संवाददाता सम्मेलन में कहा अगर आप संजू भैया की बात कर रहे हैं तो उनके जैसे खिलाड़ी के स्थान पर किसी अन्य खिलाड़ी को रखने के बारे में सोचा भी नहीं जा सकता। हम उनके जैसे कौशल वाले किसी खिलाड़ी की तलाश कर सकते हैं या उनकी जगह किसी अन्य को बल्लेबाजी करने के लिए कह सकते हैं। उन्होंने कहा, जिस तरह से विराट कोहली या रोहित शर्मा का कोई विकल्प नहीं है। ठीक उसी तरह से संजू भैया का भी कोई विकल्प नहीं हो सकता है क्योंकि वह बहुत अच्छे खिलाड़ी हैं। संजू राजस्थान रॉयल्स की तरफ से सर्वाधिक मैच खेलने और सर्वाधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं।

उन्होंने हाल में टी20 विश्व कप में अच्छा प्रदर्शन करके टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार हासिल किया था। पराग ने कहा कि पिछले सत्र के आखिर में उनकी टीम का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था लेकिन इस बार वह ऐसी कोई गलती नहीं करेंगे। उन्होंने कहा पिछली बार हमने आखिरी पांच मैच में काफी गलतियां की लेकिन इस बार ऐसा नहीं होगा। हम पूरी तैयारी के साथ मैदान पर उतरेंगे। यकीन मानिए इस बार राजस्थान रॉयल्स कप जरूर जीतेगी। पराग ने कहा, किसी एक खिलाड़ी के दम पर हम मैच नहीं जीत सकते। यशस्वी जयसवाल और वैभव सूर्यवंशी ही टीम को जीत दिलवा दें तो यह कहना गलत होगा। पूरी टीम को अच्छा प्रदर्शन करना होगा और टीम इसके लिए तैयार है। पराग ने कहा राजस्थान रॉयल्स मेरे लिए आईपीएल में पहले दिन से घर जैसा रहा है। अब इस टीम का नेतृत्व करना मेरे लिए बेहद खास है और यह जिम्मेदारी मैं पूरी तरह से स्वीकार करता हूं। मैं हमारे कोच और नेतृत्व समूह के साथ मिलकर समझदारी भरा क्रिकेट खेलने के लिए उत्साहित हूं। रॉयल्स के मुख्य कोच कुमार संगकारा को पूरा भरोसा है की टीम रियान पराग की कप्तानी में अच्छा प्रदर्शन करेगी। उन्होंने कहा रियान ने दबाव में संयम दिखाया है। क्रिकेट की अपनी अच्छी समझ का शानदार नमूना पेश किया है।

जयपुर में प्रेसवार्ता के दौरान राजस्थान रॉयल्स के कप्तान रियान पराग (बाएं) और टीम के मुख्य कोच कुमार संगकारा। एजेंसी

वैभव मीडिया से दूर रहें और नैसर्गिक खेल खेलें

कप्तान रियान पराग ने कहा कि उन्होंने युवा खिलाड़ी वैभव सूर्यवंशी को मीडिया से दूर रहने की सलाह दी है। उन्होंने कहा मैंने वैभव को अपना नैसर्गिक खेल खेलने को कहा है। मैंने उससे कहा है कि वह केवल गेंद को हिट करने पर ध्यान दें और अगर किसी तरह का दबाव होता है तो उसे यशस्वी संभाल लेंगे।

संजू राजस्थान रॉयल्स का चेहरा बन गए थे उन्हें खोना बहुत बड़ा नुकसान : फाफ डुप्लेसी

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान फाफ डुप्लेसी का मानना है कि जिस तरह से महेंद्र सिंह धोनी चेन्नई सुपर किंग्स और विराट कोहली रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के पर्याय बन चुके हैं, इसी तरह से संजू सैमसन को राजस्थान रॉयल्स का चेहरा माना जा सकता है और उनका जाना टीम के लिए बहुत बड़ा नुकसान है। सैमसन राजस्थान रॉयल्स की तरफ से दो कार्यकाल में 11 सत्र में खेले। वह इस टीम के सबसे सफल खिलाड़ी रहे हैं। उन्होंने रॉयल्स की तरफ से सर्वाधिक मैच खेलने के अलावा सर्वाधिक रन भी बनाए हैं। इस बार इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में वह चेन्नई सुपर किंग्स की तरफ से खेलेंगे। डुप्लेसी ने जिओ हॉटस्टार से कहा अगर हम आईपीएल की टीमों पर गौर करें तो अधिकतर टीमों के पास कोई एक ऐसा खिलाड़ी रहा है जो लंबे समय तक फ्रेंचाइजी का चेहरा रहा जैसे रोहित शर्मा, महेंद्र सिंह धोनी और विराट कोहली। मैं संजू सैमसन को राजस्थान रॉयल्स के लिए उसी तरह का खिलाड़ी मानता हूं। उन्होंने कहा भले ही वह नई पीढ़ी के खिलाड़ी हैं, लेकिन वह उस फ्रेंचाइजी का चेहरा बन गए थे। जब मैं राजस्थान रॉयल्स के बारे में सोचता हूं, तो मुझे संजू सैमसन याद आते हैं। इसलिए मुझे लगता है कि उनका किसी अन्य टीम से जुड़ना प्रशंसकों, आईपीएल और टूर्नामेंट के लिए बहुत बड़ा झटका है, क्योंकि उन्होंने वहां बहुत बड़ी भूमिका निभाई है। डुप्लेसी ने कहा कि सैमसन के जाने से राजस्थान रॉयल्स के शीर्ष क्रम के बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल पर अतिरिक्त जिम्मेदारी आ जाएगी। सैमसन की मौजूदगी में जायसवाल अपना स्वाभाविक खेल खेलते थे लेकिन अब उन पर अधिक जिम्मेदारी आ गई है। उन्होंने कहा संजू की मौजूदगी में यशस्वी जायसवाल को अपना नैसर्गिक खेल खेलने का मौका मिलता था क्योंकि दूसरे छोर से संजू लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहा था। अब ऐसा नहीं होगा और उन पर अधिक जिम्मेदारी होगी। उस तरह के बल्लेबाज के लिए यह महत्वपूर्ण होता है कि वह जिम्मेदारी के बारे में नहीं सोचें। इसलिए यह सत्र उनके लिए सीखने की एक प्रक्रिया होगी।

पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज लक्ष्मीपति बालाजी ने कहा कि राजस्थान रॉयल्स के रियान पराग को कप्तान नियुक्त करने के फैसले से उन्हें हैरानी हुई जबकि टीम में जायसवाल, ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा और इंग्लैंड के सैम कुरेन जैसे अधिक अनुभवी खिलाड़ी मौजूद थे। उन्होंने कहा मुझे इस फैसले से थोड़ा हैरानी हुई क्योंकि उसके पास यशस्वी जायसवाल, रविंद्र जडेजा जैसे भारतीय खिलाड़ी और सैम कुरेन के रूप में विदेशी खिलाड़ी है जो कप्तानी कर सकते थे। इसलिए मुझे यह एक तरह का जुआ लगता है। बालाजी ने कहा कि ऐसे में टीम के मुख्य कोच और क्रिकेट निदेशक कुमार संगकारा की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है।

कोलकाता के ईडन गार्डन्स में अभ्यास सत्र के दौरान टीम के साथ कोलकाता नाइट राइडर्स के कप्तान अजिंक्य रहाणे। एजेंसी

फिनिशर के तौर पर कमाल दिखाना चाहते हैं आशुतोष

नई दिल्ली, एजेंसी

आशुतोष शर्मा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) जैसे बड़े मंच पर खेलने का दबाव महसूस नहीं करते और 2026 में दिल्ली कैपिटल्स के लिए पिछले सत्र के मुकाबले ज्यादा से ज्यादा मैच खत्म करने (फिनिश) पर फोकस कर रहे हैं। दिल्ली कैपिटल्स के लिए अपने पहले सत्र में 'इम्पैक्ट प्लेयर' आशुतोष ने टूर्नामेंट की शुरुआत जोरदार तरीके से की थी। उन्होंने 31 गेंद में 66 रन बनाकर लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ एक रोमांचक जीत दिलाई थी। हालांकि वह और उनकी टीम टूर्नामेंट में मिली शुरुआती बढ़त का फायदा नहीं उठा सकी। टीम प्ले-ऑफ में जगह बनाने से भी चूक गई। आशुतोष ने 28 मार्च से शुरू हो रहे आईपीएल सत्र की तैयारियों के बारे में बात करते हुए पीटीआई से कहा तैयारियां बहुत अच्छी चल रही हैं। हमने सत्र पूर्व तीन-चार शिविर में हिस्सा लिया है। मेरी भूमिका पिछले साल जैसी ही रहेगी, टीम के लिए छठे या सातवें नंबर पर आकर मैच फिनिश करना।

चहल ने शराब छोड़ी, आईपीएल को प्राथमिकता दी

नई दिल्ली। लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल ने पिछले सीजन में कई चोटों के बाद आईपीएल 2026 से पहले अपनी फिटनेस को प्राथमिकता दी है। 35 साल के चहल ने यह भी कहा कि उन्होंने अपनी टीम पंजाब किंग्स के लिए 150 प्रतिशत देने की कोशिश में शराब छोड़ दी है। चहल ने एबी डिविलियर्स के यू ट्यूब चैनल एबी डिविलियर्स 360 पर बताया, "केकेआर के गेम के बाद, मेरे कूल्हे में फ्रैक्चर हो गया और बाद में टूर्नामेंट में मेरी अंगुली की हड्डी में फ्रैक्चर हो गया। तो सेमीफ़ाइनल (क्वालिफायर) और फ़ाइनल में, मैं अपनी सही लेगस्पिन वगैरह नहीं डाल पा रहा था। लेकिन इस साल मैं सबसे पहले अपने शरीर का ध्यान रखना चाहता था और मेरे पास आपके लिए एक अच्छी खबर है, मैंने शराब छोड़ दी है। छह महीने से ज़्यादा हो गए हैं। उन्होंने कहा अब, मैं 35 साल का हूँ, मैं और ज़्यादा एक्टिव रहना चाहता हूँ और अपनी टीम के लिए अपना 150 प्रतिशत देना चाहता हूँ।

बार्सिलोना, लिवरपूल और बायर्न क्वार्टर फाइनल में

चैंपियंस लीग

लंदन, एजेंसी

बार्सिलोना ने सात गोल किए और लिवरपूल ने चार गोल करके बुधवार को चैंपियंस लीग फुटबॉल टूर्नामेंट में बड़ी जीत दर्ज करके क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। एटलेटिको मैड्रिड ने टोटेनहम के पलटवार का का अच्छी तरह से सामना करते दूसरे चरण में 2-3 से हार के बावजूद 7-5 से जीत दर्ज करके अंतिम आठ में अपनी जगह सुरक्षित की। बायर्न म्यूनिख के लिए क्वार्टर फाइनल में पहुंचना सबसे आसान रहा। उसने बुधवार को अटलांटा को 4-1 से और कुल मिलाकर 10-2 से हराकर रियाल मैड्रिड के खिलाफ रोमांचक क्वार्टर फाइनल की नींव रखी।

चैंपियंस लीग में एक बार फिर गोल की बरसात हुई। बार्सिलोना ने रोमांचक मुकाबले में न्यूकैसल को दूसरे हाफ में बुरी तरह से हरा दिया और 7-2 से जीत हासिल की। न्यूकैसल में खेले गए पहले चरण में 1-1 से बराबरी पर रहने के बाद बार्सिलोना ने पहले हाफ के स्टॉपेज टाइम में लामिन यामल के पेनल्टी किक पर किए गए गोल से 3-2 से बढ़त हासिल की।

इसके बाद रॉबर्ट लेवांडोव्स्की ने दो गोल किए, फर्मिन लोपेज़ ने एक शानदार मूव को गोल में बदला जबकि राफिन्हा ने अपना दूसरा गोल किया। लिवरपूल ने एनफील्ड में गैलाटासराय पर 4-0 से आसान जीत हासिल की। वह इस्तांबुल में पहले चरण में एक गोल से हार गया था। मोहम्मद सलाह हालांकि पहले हाफ के स्टॉपेज टाइम में पेनल्टी पर गोल नहीं कर पाए जब कुल स्कोर 1-0 था। सलाह ने दूसरे हाफ में इसकी भरपायी कर दी। उन्होंने ह्यूगो एकिटिके और रयान ग्रेवेनबर्च को गोल करने में मदद की और फिर एक शानदार गोल किया। इस प्रतियोगिता में इंग्लैंड की रिकॉर्ड छह टीमें शामिल थीं और सभी टीमें राउंड ऑफ़ 16 तक पहुंचीं, लेकिन केवल आर्सेनल और लिवरपूल ही आगे बढ़ पाईं। चेल्सी को मंगलवार को मौजूदा चैंपियन पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) ने टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। क्वार्टर फाइनल में रियाल मैड्रिड और बायर्न म्यूनिख आमने-सामने होंगे। लिवरपूल का सामना मौजूदा चैंपियन पीएसजी से, बार्सिलोना का एटलेटिको मैड्रिड से और आर्सेनल का स्पोर्टिंग लिस्बन से होगा।

जश्न मनाती बार्सिलोना की टीम। एजेंसी

विश्व इनडोर एथलेटिक्स की मेजबानी करेगा भारत

नई दिल्ली। भारत को बृहस्पतिवार को पोलैंड में हुई विश्व एथलेटिक्स परिषद की बैठक में प्रतिष्ठित विश्व इंडोर एथलेटिक्स चैंपियनशिप की मेजबानी के अधिकार सौंपे गए जिसका आयोजन भुवनेश्वर में किया जाएगा।

यह फैसला पोलैंड के तोरून में 2025 विश्व इंडोर एथलेटिक्स चैंपियनशिप शुरू होने से ठीक एक दिन पहले अंतरराष्ट्रीय संस्था की बैठक में लिया गया। विश्व एथलेटिक्स के उपाध्यक्ष आदिल सुमारिवाला ने पोलैंड से पीटीआई को बताया भारत को साल 2028 के लिए विश्व इंडोर एथलेटिक्स चैंपियनशिप की मेजबानी सौंपी गई है। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) ने इस साल की शुरुआत में विश्व इंडोर चैंपियनशिप के लिए अपनी दावेदारी पेश की थी।

जनवरी में विश्व एथलेटिक्स की दो सदस्यीय टीम ने भुवनेश्वर के कलिंगा स्टेडियम परिसर में बनी अत्याधुनिक इंडोर सुविधा का दौरा किया था। सुमारिवाला विश्व एथलेटिक्स परिषद के सदस्य और एएफआई के पूर्व अध्यक्ष भी हैं।

मेसी ने 900वां गोल किया

फोर्ट लॉडरडेल (अमेरिका), एजेंसी

स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेसी ने अपने करियर का 900वां गोल करके अपनी कई महत्वपूर्ण उपलब्धियों में एक और अध्याय जोड़ दिया।

मेसी ने इंटर मियामी की तरफ से खेलते हुए बुधवार की रात को नैशविले के खिलाफ कॉनकाफ चैंपियंस कप राउंड ऑफ़ 16 मैच के शुरुआती मिनटों में गोल करके यह उपलब्धि हासिल की। लगातार दो बार मेजर लीग सॉकर के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी, आठ बार बैलोन डीओर विजेता और विश्व कप चैंपियन मेस्सी ने हमेशा की तरह अपने बाएं पैर से यह गोल किया। उन्हें खेल के सातवें मिनट में बॉक्स के बीच में पास मिला, उन्होंने गेंद को नियंत्रित किया और डिफेंडरों के बीच से उसे गोल पोस्ट के अंदर पहुंचा दिया। आधिकारिक रिकॉर्ड के अनुसार क्रिस्टियानो रोनाल्डो एकमात्र ऐसे पुरुष खिलाड़ी हैं जिन्होंने 900 से अधिक गोल किए हैं। रोनाल्डो ने यह उपलब्धि हासिल करने में मेसी से लगभग 100 मैच अधिक खेले। रोनाल्डो ने सितंबर 2024 में 900 गोल पूरे किए।

● रोनाल्डो के क्लब में शामिल हुए स्टार फुटबॉलर लियोनेल

अनगिनत उपलब्धियां स्टार खिलाड़ी के नाम

यह उपलब्धि मेसी के करियर में अनगिनत पुरस्कारों और उपलब्धियों में शामिल हो गई है। इनमें ला लीगा के शीर्ष स्कोरर के रूप में आठ ट्रॉफी, छह बार ला लीगा के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार, तीन बार सर्वश्रेष्ठ फीफा पुरुष खिलाड़ी का पुरस्कार, तीन बार यूईएफए पुरुष प्लेयर ऑफ द ईयर का पुरस्कार, दो फीफा विश्व कप गोल्डन बॉल और 15 बार अर्जेंटीना का वर्ष का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना जाना शामिल हैं। मेसी ने क्लब और देश के लिए 47 ट्रॉफियां जीती हैं, जिनमें अर्जेंटीना के लिए 2022 विश्व कप और इंटर मियामी के साथ पिछले सत्र का एमएलएस खिताब शामिल है। इस तरह वह पुरुष फुटबॉल के इतिहास में सबसे अधिक खिताब जीतने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। मेसी लगभग दो दशक तक बार्सिलोना की तरफ से खेलते रहे और उन्होंने अपने आधे से अधिक गोल स्पेन के इस क्लब की तरफ से ही किए हैं।

सर्वाधिक गोल में पेले सबसे आगे

कुछ लोगों का मानना है कि ब्राजील के दिग्गज पेले ने अपने करियर में 1,000 गोल का आंकड़ा पार कर लिया था, हालांकि आधिकारिक रिकॉर्ड के अनुसार उन्होंने लगभग 800 गोल किए थे। विभिन्न स्रोतों के अनुसार पेले ने लगभग 1300 गोल किए थे। इनमें से कुछ गोल उन्होंने निचले स्तर की टीमों के खिलाफ किए थे। पेले ने लीग मैचों में लगभग 650 गोल किए थे।

महामुकाबले का इंतजार

कोच क्रेग फुल्टन ने खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाते हुए कहा कि वे सही समय पर अच्छे फॉर्म में लौट आएंगें

हॉकी विश्व कप : विस्तृत रणनीति तैयार कर रही भारतीय टीम

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कोच क्रेग फुल्टन ने इस साल के आखिर में होने वाले विश्व कप में कड़े प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ विशेष और विस्तृत रणनीति तैयार करने की बात कही।

उन्होंने साथ ही मौजूदा समय में संघर्ष कर रही टीम का हौसला बढ़ाते हुए कहा कि वे सही समय पर अच्छी फॉर्म में आ जाएंगे। भारत ने इस सत्र में अब तक सिर्फ एक मैच जीता है जो होबार्ट में खेला गया एफआईएच प्रो लीग मैच था जिसमें उसने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पेनल्टी शूटआउट में जीत दर्ज की थी।

नीदरलैंड और बेल्जियम में 15 अगस्त से शुरू होने वाले विश्व कप के पूल डी में भारत का सामना शीर्ष वरीय इंग्लैंड, अपने पारंपरिक प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान और मजबूत वेल्स से होगा।

ग्रुप चरण के सभी मैच नीदरलैंड के एमस्टेलवीन में स्थित वैगेनर हॉकी स्टेडियम में खेले जाएंगे। हॉकी इंडिया की प्रेस विज्ञप्ति में फुल्टन के हवाले से कहा गया हम अपनी रणनीति, दबाव बनाने की रणनीति और अपनी 'फिनिशिंग' (गोल करने की क्षमता) पर कड़ी मेहनत करेंगे। ये वे छोटी-छोटी बातें हैं जो इस स्तर पर मैचों का नतीजा तय करती हैं। इस पूल में शामिल हर विरोधी टीम की अपनी अलग-अलग ताकत हैं इसलिए हमारी तैयारी भी हर टीम के हिसाब से खास और विस्तृत होगी।

अगले कुछ महीने हमारे लिए सबसे अहम हैं क्योंकि हमें ठीक सही समय पर अपनी बेहतरीन फॉर्म में आना है।

भारत के पूल डी मैचों का कार्यक्रम

15 अगस्त : भारत बनाम वेल्स (शाम 4:30 बजे)

17 अगस्त : भारत बनाम इंग्लैंड (शाम 6:30 बजे)

19 अगस्त : भारत बनाम पाकिस्तान (शाम 6:30 बजे)

ड्रॉ होने पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए फुल्टन ने इस बात पर जोर दिया कि उनकी टीम इस चुनौती का सामना करने के लिए पूरी तरह तैयार है।

उन्होंने कहा हम बहुत उत्साहित हैं। यह एक बहुत मजबूत ग्रुप है लेकिन विश्व कप में आप यही तो चाहते हैं कि आपका मुकाबला दुनिया की सबसे बेहतरीन टीमों से हो ताकि आपकी असली परीक्षा हो सके। टीम के शिविर में इस समय माहौल बहुत ही सकारात्मक है। खिलाड़ी पूरी तरह से प्रेरित और जोश से भरे हुए हैं। अब जब हमें अपनी विरोधी टीमों के बारे में पता चल गया है तो हमारी तैयारियों को लेकर हमारे मन में पूरी स्पष्टता और एक निश्चित लक्ष्य है।

फुल्टन ने इस बात पर जोर दिया कि हर टीम की खेलने की अनोखी शैली के हिसाब से अपनी रणनीति में बदलाव करने और उनका सम्मान करने की जरूरत है। उन्होंने कहा इंग्लैंड एक बहुत ही व्यवस्थित और शारीरिक रूप से मज़बूत टीम है। हमारे पूल में वह शीर्ष वरीय भी है। पाकिस्तान की टीम अपने खेल में एक अलग ही अंदाज और अप्रत्याशितता लेकर आती है। साथ ही हॉकी के खेल में उनका बहुत ही समृद्ध इतिहास रहा है इसलिए उन्हें कभी भी हल्के में नहीं लिया जा सकता। फुल्टन ने कहा, वेल्स की टीम भी अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना रही है और वह भी पूरी ऊर्जा और दृढ़ संकल्प के साथ मैदान में उतरेगी। उन्होंने कहा, हम इस पूल में हर प्रतिद्वंद्वी टीम का सम्मान करते हैं लेकिन हमें उनके खिलाफ मुकाबले में खुद पर भरोसा है। भारतीय टीम 15 अगस्त को वेल्स के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी।